रांची, शुक्रवार
30.01.2026
वर्ष : 11, अंक : 60 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

झारखंड के 25 वर्षों के सफर को नई दिशा देगा मजबूत और बहुआयामी बजट : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य 25 वर्षों का सफर तय कर चुका है। ऐसे में इस बार राज्य के लिए मजबूत, संतुलित और बहुआयामी बजट की आवश्यकता है, जो इस युवा राज्य की अपार संभावनाओं को आकार दे सके। यह बातें गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कही।

मुख्यमंत्री मंत्रालय में आयोजित अबुआ दिशोम बजट संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट ऐसा होना चाहिए, जिसमें जन-आकांक्षाएं परिलक्षित हों और विकास को नई गति मिले। बजट ऐसा हो, जो राज्य के हर वर्ग और हर क्षेत्र को मजबूती के साथ आगे ले जाने में सक्षम हो।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य का आगामी बजट लगभग एक लाख करोड़ रुपये का होने का अनुमान है। आने वाले वर्षों में बजट के आकार में और वृद्धि होगी। ऐसे में राजस्व संग्रहण बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास आवश्यक हैं, ताकि विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की वित्तीय कमी न हो।

उन्होंने कहा कि बेहतर बजट निर्माण में आम लोगों की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से सरकार लगातार जनता से सुझाव ले रही है। जनभागीदारी के माध्यम से ही एक संतुलित और विकासोन्मुखी बजट तैयार किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में वे दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक और लंदन दौरे से लौटे हैं। वहां उन्होंने नीतियों, समृद्ध अर्थव्यवस्था, लोगों की जीवन शैली, कार्य संस्कृति और परंपराओं को नजदीक से समझा। विदेश दौरे से मिले अनुभवों के आधार पर राज्य को नई दिशा देने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी अलग सोच और नई अपेक्षाओं के साथ आगे बढ़ रही है। यह पीढ़ी पारंपरिक व्यवस्थाओं से अलग रास्ते तलाश रही है। ऐसे में बजट को नई पीढ़ी की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप तैयार करना होगा, ताकि उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा सकें। इसके लिए नवाचार और नए प्रयोगों को अपनाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में किसी भी क्षेत्र में संसाधनों या क्षमताओं की कमी नहीं है। यहां जल, जंगल, खनिज संपदा, उद्यमिता, मानव संसाधन, श्रमशक्ति, किसान और खिलाड़ी-हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। आवश्यकता है इन संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित करने की।

उन्होंने कहा कि राज्य में प्राकृतिक, औद्योगिक और आर्थिक संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। इन्हीं संसाधनों के बलबूते शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, कृषि, खेल, उद्योग और आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने के लक्ष्य के साथ सरकार आगे बढ़ रही है। कृषि में नए प्रयोग हो रहे हैं, खेतों तक पानी पहुंचाया जा रहा है, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो रहा है तथा जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के लिए ठोस कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड भले ही देश का छोटा और पिछड़ा राज्य माना जाता हो, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था में इसका योगदान अहम है। राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए नई नीतियों, कार्ययोजनाओं और बेहतर प्रबंधन के साथ सरकार आगे बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि झारखंड प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। यहां देश में सबसे अधिक लाख उत्पादन होता है और तसर उत्पादन में भी राज्य अग्रणी है। ऐसे कई संसाधन हैं, जिनका उपयोग अन्य राज्यों में हो रहा है। आवश्यकता है कि इन संसाधनों का वैल्यू एडिशन कर राज्य के हित में उपयोग किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड एक आदिवासी बहुल राज्य है और यहां की जनजातीय परंपराएं अत्यंत समृद्ध हैं। इन परंपराओं को संरक्षित और आगे बढ़ाने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है।

उन्होंने बताया कि बेहतर और संतुलित बजट को लेकर आम जनता से सुझाव मांगे गए थे। इसके साथ ही देश के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से भी चर्चा कर उनके सुझाव लिए गए हैं। प्राप्त सुझावों को बजट में शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

इस अवसर पर श्रेष्ठ सुझाव देने वाली स्वाति बंका, किशोर प्रसाद वर्मा और गोपी हांसदा को नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस संगोष्ठी में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, वित्त सचिव प्रशांत कुमार, सचिव (संसाधन) वित्त अमित कुमार, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अमरेंद्र प्रताप सिंह, सदस्य डॉ. हरिश्वर दयाल सहित देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से आए विशेषज्ञ डॉ. एन. कार्तिकेयन, डॉ. मनीषा प्रियम, डॉ. डी. राय और डॉ. सुधा राय उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पंचतत्व में विलीन हुए अजित पवार

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख नेता अजित पवार (66) का गुरवार को बारामती स्थित विद्या प्रतिष्ठान मैदान में राजकीय सम्मान के अंतिम संस्कार किया गया। बेटे पार्थ पवार और जय पवार ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। इससे पहले केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितीन गडकरी, रामदास आठवले, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित प्रमुख नेताओं ने अजीत पवार को पुष्पचक्र अर्पित कर अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। पत्नी सुनेत्रा पवार, बेटा पार्थ पवार, जय पवार और पवार परिवार के अन्य सदस्यों ने भी अजित पवार को आखिरी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान अपने नेता के आखिरी दर्शन करने के लिए समर्थकों की भी भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने नम आंखों से अजित पवार को अंतिम विदाई दी। उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार को बारामती में हुए प्लेन क्रैश हादसे में निधन हो गया। यह हादसा लैंडिंग की कोशिश करते वक्त हुआ था। इस हादसे में उनका पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर, एक अटेंडेंट और दो क्रू मेंबर की भी मौत हो गई। महाराष्ट्र सरकार ने तीन दिन के राजकीय शोक का ऐलान किया है।

भारत और बांग्लादेश ने एक-दूसरे की कैद से 151 मछुआरे किए रिहा

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा का उल्लंघन करने के कारण हिरासत में लिए गए 151 मछुआरों को मानवीय दृष्टिकोण से गुरूवार को रिहा किया। विदेश मंत्रालय की गुरुवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार बांग्लादेश ने भारत के 23 मछुआरों और भारत ने बांग्लादेश के 128 को स्वदेश भेजा है। इससे पहले जनवरी और दिसंबर 2025 में भारत ने अपने 142 मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित की थी। साथ ही मानवीय दृष्टि से 128 बांग्लादेशी मछुआरों को रिहा किया था। मंत्रालय का कहना है कि मछुआरों और उनके जहाजों का यह पारस्परिक आदान-प्रदान दोनों पक्षों के मछली पकड़ने वाले समुदायों की मानवीय और आजीविका संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है। मंत्रालय के अनुसार भारत सरकार भारतीय मछुआरों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च महत्व देती है। बांग्लादेश में कैद के दौरान भारतीय उच्चायोग ने भारतीय मछुआरों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी और उन्हें गर्म जैकेट प्रदान किए। साथ ही उनकी आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा गया।

बाबा ग्रुप और चावल होलसेल के झारखंड-बिहार के 45 ठिकानों पर आयकर विभाग का छापा, बाजार में हड़कंप

बिभा संवाददाता

रांची। आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा (रांची) ने गुरुवार को बाबा ग्रुप और चावल के होलसेल के झारखंड और बिहार के कुल 45 ठिकानों पर छापेमारी की है। अधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा की ओर से सुबह करीब सात बजे से शुरू हुई इस छापेमारी में 500 अधिकारी शामिल हैं।

छापेमारी के दौरान चावल के कच्चा व्यापार से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। आयकर अधिकारियों का दल फिलहाल इसकी जांच कर रहा है। इसमें करोड़ों के व्यापार का लेखा-जोखा दर्ज है। गुरुवार सुबह

झारखंड के रांची और जमशेदपुर स्थित ठिकानों पर शुरू हुई। इसके अलावा बिहार के पटना, औरंगाबाद और गया स्थित ठिकानों पर भी एक साथ छापेमारी की गई। इन दोनों राज्य के कुल 45 ठिकानों पर जारी छापेमारी में रांची के 15, गया और औरंगाबाद के 10-10 ठिकाने शामिल हैं। छापेमारी के शेष ठिकाने जमशेदपुर और पटना में हैं।

सूत्रों ने बताया कि आयकर विभाग ने छापेमारी के दौरान रांची, गया और औरंगाबाद में चावल के 15 होलसेल के ठिकाने को भी खंगाल रही है। चावल होलसेल के सबसे ज्यादा ठिकाने गया और औरंगाबाद में हैं।

चावल होलसेल के ठिकानों से चावल के कच्चा व्यापार से संबंधित भारी मात्रा में दस्तावेज बरामद किये गये हैं। आढ़तिया के ठिकानों से मिले दस्तावेज की जांच जारी है। छापेमारी शुरू होने की सूचना फैलने के बाद कई व्यापारियों के हिसाब किताब देखने वाले आकाउंटेंट और सीए भाग गये हैं। इनकी तलाश की जा रही है।

आयकर अनुसंधान शाखा ने छापेमारी के दौरान बाबा एग्रो फुड और बाबा फुड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के अलावा चावल के व्यापार से जुड़े चावल होलसेल के व्यापारिक प्रतिष्ठानों को शामिल किया।

योगेश साहू, बाबा एग्रो फुड प्रोसेसिंग के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। इसके अलावा इस कंपनी में एस मोहंती, राज कुमार लाखोटिया, संचिता जयसवाल निदेशक है। इस कंपनी का टर्नओवर 300 करोड़ रुपये है। यह कंपनी शेयर मार्केट में लिस्टेड है। बाबा एग्रो फुड में मनीष कुमार, राखी साहू, एकता साहू, अमित कुमार निदेशक हैं। ज्ञान प्रकाश साहू कंपनी के सीएफओ हैं।

इस कंपनी को टर्नओवर 1500 करोड़ रुपये बताया जाता है। आयकर विभाग ने छापेमारी के दायरे में कंपनी के निदेशकों को भी शामिल किया है। बाबा एग्रो फुड के माध्यम से सामान्य और बासमती चावल, बाबा फुड प्रोसेसिंग से आटा, सूजी, मैदा का व्यापार किया जाता है।

शेष पेज 11 पर

बजट सत्र विकसित भारत के 2047 के लक्ष्य की दिशा में अहम पड़ाव: प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि यह बजट सत्र 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। देश अब लंबे समय से लंबित समस्याओं से बाहर निकलते हुए स्थायी और दीर्घकालिक समाधानों की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह व्यवधान का नहीं, समाधान का काल है।

बजट सत्र के आरंभ पर संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि दोनों सदनों में नागरिकों को सशक्त बनाने और भारत की विकास यात्रा को तेज करने पर सार्थक और सकारात्मक चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार की पहचान रिफॉर्म,

परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म से बनी है और अब देश पूरी गति से रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है।

प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सांसदों की सकारात्मक ऊर्जा और सहयोग के कारण ही सुधारों की यह रफ्तार लगातार तेज हो रही है। उन्होंने कहा कि देश अब पेंडिंग समस्याओं के दौर से आगे निकलकर लंबे समय के मजबूत समाधानों के रास्ते पर अग्रसर है।

शेष पेज 11 पर

कोलंबिया में विमान हादसा, सांसद क्विंटरो समेत सभी 15 लोगों की मौत

एजेंसी

बोगोटा (कोलंबिया)। कोलंबिया में बुधवार को हुए विमान हादसे में संसद (कांग्रेस) के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के सदस्य डियोजेनेस क्विंटरो समेत सभी 15 लोगों की मौत हो गई। कोलंबिया के अधिकारियों ने पुष्टि की कि 13 यात्रियों और दो क्रू सदस्यों वाले इस विमान में कोई भी जीवित नहीं मिला। देश की सिविल एरोनॉटिक्स अर्थॉरिटी ने भी इसकी पुष्टि कर दी है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, 36 वर्षीय क्विंटरो के विमान दुर्घटना में मारे जाने की पुष्टि प्रतिनिधि सभा में उन्हें नामांकित करने वाली पार्टी ने भी की है। पार्टी ने कहा कि कोलंबिया के कांग्रेसी डियोजेनेस क्विंटरो भी इस विमान में सवार लोगों में शामिल थे। क्विंटरो के कार्यालय की टीम ने कहा कि विमान के गायब होने के बाद उनका और उनके सहायक से संपर्क टूट गया। उनके मोबाइल फोन पर आखिरी लोकेशन कुकुटा में कैमिलो डाजा एयरपोर्ट पर मिली।

कोलंबिया की नागरिक विमाननमंत्री मारिया फर्नांडा रोजास ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान (पंजीकरण नंबर एचके 4709) सरकारी एयरलाइन सतेना का है। यह विमान नॉर्टे डी सैंटेंडर के उत्तर-पूर्वी विभाग के कुकुटा से ओकाना जा रहा था। विमान ने सुबह 11:42 बजे उड़ान भरी। एयर ट्रैफिक कंट्रोल से सुबह 11:54 बजे उसका संपर्क टूट गया। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, कैमिलो डाजा एयरपोर्ट से उड़ान भरने के नौ मिनट बाद विमान का सिग्नल गायब हो गया था।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान को मिलेगी नई ताकत, देशभर के 20 एम्स ने किए अहम समझौते

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में गुरुवार को आयोजित सभी एम्स संस्थानों के निदेशकों की बैठक के दौरान देशभर के 20 एम्स संस्थानों ने देश के स्वास्थ्य अनुसंधान को नई दिशा देने के उद्देश्य से अहम समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत एक पैन-इंडिया सहयोगात्मक शोध कंसोर्टियम की स्थापना की गई है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप जैव-चिकित्सीय और क्लिनिकल रिसर्च को मजबूत करना है।

इस कंसोर्टियम के तहत संयुक्त शोध परियोजनाएं, बहु-संस्थागत अध्ययन, क्लिनिकल ट्रायल, शोधकताओं का आदान-प्रदान और ज्ञान व श्रेष्ठ प्रथाओं को साझा किया जाएगा। इसमें नई दिल्ली समेत भोपाल, जोधपुर, पटना, नागपुर, ऋषिकेश, रायपुर, राजकोट, गुवाहाटी, जम्मू और अन्य एम्स संस्थान शामिल हैं।

बैठक में राष्ट्रीय शोध प्राथमिकताएं तय करने, मल्टी-सेंट्रिक क्लिनिकल ट्रायल को बढ़ावा देने और हेल्थकेयर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, किफायती कैंसर उपचार, अस्पताल संक्रमण और मेटाबॉलिक रोगों जैसे उभरते क्षेत्रों पर चर्चा की गई। बेहतर समन्वय के लिए हर संस्थान में नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे।

इस अवसर पर एम्स दिल्ली के निदेशक प्रो एम श्रीनिवास ने कहा, यह कंसोर्टियम उच्च गुणवत्ता वाले, राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक शोध को आगे बढ़ाने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दशार्ता है। एकजुट होकर हम मजबूत वैज्ञानिक साक्ष्य और नवाचार को बढ़ावा देंगे। डीन (रिसर्च) प्रो निखिल टंडन ने कहा, यह ढांचा बड़े और जटिल स्वास्थ्य मुद्दों पर बहु-संस्थागत अध्ययन को संभव बनाएगा, जिससे शोध की गुणवत्ता और नीति निर्माण में तेजी आएगी। यह पहल एम्स रिसर्च डे 2026 का प्रमुख आकर्षण रही और देश में साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य नीति को नई गति देगी।

देश में 2036 तक 60 करोड़ लोग शहरों में रहेंगे, जीडीपी में शहरों का होगा 70 फीसदी का योगदानः आर्थिक सर्वेक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में शहरी आबादी और उसकी जीडीपी बड़ी तेजी से बढ़ रही है। साल 2015 में देश की 63 फीसदी शहरी क्षेत्र से जुड़ी थी जो 2011 की जनगणना के हिसाब से 31 फीसदी ज्यादा थी। विश्व बैंक के अनुमान के मुताबिक साल 2036 तक शहरों में 60 करोड़ लोग रहेंगे, जो कुल आबादी का 40 फीसदी होगा और जीडीपी में 70 फीसदी योगदान देंगे।

यह जानकारी वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद भवन में पेश किए आर्थिक सर्वेक्षण में दी। इस सर्वेक्षण में बताया गया कि देश में शहरीकरण बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। देश की जीडीपी का 70 फीसदी

हिस्सा इन शहरों से ही आता है। इन शहरों में लोगों की आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए मेट्रो और रैपिड रेल का विकास तेजी से किया जा रहा है। अभी देश के 24 शहरों में 1,036 किलोमीटर मेट्रो और आरआरटीएस नेटवर्क चालू है।

सर्वेक्षण में बताया गया कि पिछले दशक में भारत ने तेजी से मेट्रो और आरआरटीएस का विस्तार किया है। पीएम ई-बस सेवा के तहत 10,000 ई-बसें लाई जा रही हैं। वित्त वर्ष 2025 में 7,293 ई-बसों को मंजूरी दी गई है और इनके लिए डिपो व बिजली ढांचे पर निवेश हुआ है।

शहरों में स्वच्छ भारत मिशन-शहरी और अमृत योजनाओं के तहत खुले में शौच पूरी तरह खत्म हो गया है। 2014-15 में जहां घर-घर कचरा संग्रहण लगभग न के बराबर था, वहीं अब यह 98 प्रतिशत शहरी वार्डों तक पहुंच गया है। इसके लिए देशभर में 2.5 लाख से ज्यादा गाड़ियों का इस्तेमाल हो रहा है। 98 प्रतिशत शहरी वार्डों में घर-घर कचरा संग्रहण हो रहा है और प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत 122.06 लाख मकानों को मंजूरी दी जा चुकी है।

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 8,067 में से 90 प्रतिशत से ज्यादा प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं। इनमें स्मार्ट सड़कें, साइकिल ट्रैक, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, पानी और सीवरेज नेटवर्क अपग्रेडेशन और सार्वजनिक स्थानों का विकास शामिल है। इस पर करीब 1.64 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

आवास के क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत अब तक 122.06 लाख मकानों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 96.02 लाख मकान पूरे होकर लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं। वहीं, पीएम स्वनिधि योजना ने शहरी रेहड़ी-पटरी वालों की आजीविका को मजबूत किया है।

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, केंद्र को कमेटी बनाने का दिया आदेश, कहा- इसकी भाषा में स्पष्टता नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही, शीर्ष अदालत ने फिलहाल यूजीसी के नए रेगुलेशन पर रोक लगा दी है और स्पष्ट किया है कि अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि तब तक 2012 के यूजीसी रेगुलेशन ही लागू रहेंगे। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस मामले में सुनवाई की।

याचिकाकताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दलील दी कि उन्होंने यूजीसी के नए नियमों के सेक्शन 3सी को चुनौती दी है। उनका कहना था कि रेगुलेशन में

भेदभाव की जो परिभाषा दी गई है, वह संविधान के अनुरूप नहीं है। विष्णु शंकर जैन ने तर्क दिया कि संविधान के अनुसार, भेदभाव का प्रश्न देश के सभी नागरिकों से जुड़ा है, जबकि यूजीसी के नए नियमों में भेदभाव को केवल विशेष वर्ग तक सीमित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह परिभाषा न केवल अधूरी है, बल्कि संवैधानिक भावना के विपरीत भी है।

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि मान लीजिए दक्षिण भारत का कोई छात्र उत्तर भारत में दाखिला लेता है या उत्तर का छात्र दक्षिण में पढ़ने जाता है और उसके खिलाफ कोई अपमानजनक टिप्पणी की जाती है, जबकि दोनों पक्षों की जाति की जानकारी नहीं है, तो ऐसी स्थिति में कौन-सा प्रावधान लागू होगा?

इस पर विष्णु जैन ने जवाब दिया कि सेक्शन 3ई ऐसी परिस्थितियों को कवर करता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी के जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव होता है, तो उसके लिए अलग से प्रावधान मौजूद है और उस पर कार्रवाई की जा सकती है। एक अन्य याचिकाकर्ता के वकील ने सवाल उठाया कि यूजीसी के नए नियमों में रैगिंग से जुड़े प्रावधान क्यों हटाए गए हैं।

विश्वविद्यालय और कॉलेज समाज की समस्याओं के समाधान का केंद्र बनें : राज्यपाल संतोष गंगवार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा है कि विश्वविद्यालय और कॉलेज केवल शिक्षा देने तक सीमित न रहें, बल्कि समाज की जटिल समस्याओं के समाधान खोजने वाले केंद्र के रूप में विकसित हों। बदलते पर्यावरण, बढ़ते प्रदूषण और उससे उत्पन्न नई चुनौतियों पर गंभीर शोध की आवश्यकता है, ताकि मानव जीवन पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभावों को कम किया जा सके।

राज्यपाल गुरुवार को जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज द्वारा आयोजित 48वें इनवायरमेंटल म्यूटाजेन सोसाइटी ऑफ इंडिया (एटरक) की वार्षिक बैठक सह अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन कर रहे थे। यह कार्यक्रम बिष्टुपुर स्थित एक्सएलआरआई ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। इस अवसर पर कोल्हान विश्वविद्यालय की कुलपति अंजलि गुप्ता, को-ऑपरेटिव कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अमर सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, वैज्ञानिक और शोधकर्ता उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि तेजी से बढ़ते औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुका है, जिसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। उन्होंने दिल्ली जैसे महानगरों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के लोग प्रदूषण के दुष्परिणामों को रोजाना झेल रहे हैं। ऐसे में पर्यावरण और स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर आयोजित यह अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार बेहद प्रासंगिक और महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि सेमिनार में आनुवांशिक गुणों में परिवर्तन, डीएनए की प्रकृति और उसके स्वास्थ्य व पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे विषयों पर चर्चा की जा रही है। पर्यावरणीय समस्याओं और बढ़ते प्रदूषण से उत्पन्न चुनौतियों के समाधान पर जो निष्कर्ष सामने आएंगे, वे मानव कल्याण में सहायक होंगे राज्यपाल ने वैज्ञानिकों और शोधकताओं से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान और अनुसंधान को समाज के व्यापक हित में उपयोग करें। उन्होंने कहा कि झारखंड के विश्वविद्यालयों में शोध के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण प्रयास हो रहे हैं और इन्हें और मजबूत करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वस्थ समाज और स्वच्छ पर्यावरण अनिवार्य है, जिसमें शोध की अहम भूमिका है। सेमिनार में EMSI की अध्यक्ष वाणी प्रिया गांगुली ने संस्था का परिचय देते हुए बताया कि इससे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक जुड़े हुए हैं, जो पर्यावरण और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के समाधान पर लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन से शिक्षा, स्वास्थ्य और शोध के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ेगा। पर्यावरण, जैव विविधता और डीएनए में हो रहे बदलावों को समझने का अवसर मिलेगा और नई चुनौतियों के तकनीकी समाधान खोजने में यह सेमिनार मील का पत्थर साबित होगा।

खूँटी नगर पंचायत निर्वाचन में वार्ड पार्षद पद के लिए 24 नामांकन पत्रों की बिक्री

बिभा संवाददाता

खूँटी। नगर पंचायत (आम) निर्वाचन-2026 की प्रक्रिया का शुभारंभ गुरुवार से हो गया। निर्वाचन की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता भी प्रभावी हो गई है। इसी क्रम में नामांकन प्रपत्रों की बिक्री भी शुरू की गई।

नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन वार्ड पार्षद पद के लिए कुल 24 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई, जबकि नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए एक भी अभ्यर्थी ने नामांकन पत्र नहीं खरीदा। साथ ही पहले दिन किसी भी अभ्यर्थी द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल नहीं किया गया।

वार्डवार नामांकन पत्रों की स्थिति इस प्रकार रही–

वार्ड संख्या 1 से 5, वार्ड संख्या 2 से 1, वार्ड संख्या 3 से 1, वार्ड संख्या 4 से 2, वार्ड संख्या 5 से 1, वार्ड संख्या 6 से 1, वार्ड संख्या 7 से 2, वार्ड संख्या 8 से 3, वार्ड संख्या 9 से 1, वार्ड संख्या 10 से 3, वार्ड संख्या 11 से 0, वार्ड संख्या 12 से 1, वार्ड संख्या 13 से 1, वार्ड संख्या 14 से 0, वार्ड संख्या 15 से 1, वार्ड संख्या 16 से 0, वार्ड संख्या 17 से 1, वार्ड संख्या 18 से 0 एवं वार्ड संख्या 19 से 0 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि निर्वाचन से संबंधित जानकारी, सहायता अथवा शिकायत के लिए हेल्पलाइन एवं जन शिकायत कोषांग का नंबर 06528-220056 / 1950 जारी किया गया है। वहीं नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 06528-295205 है।

नगर पंचायत निर्वाचन पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की विभिन्न कोषांगों के कार्यों पर की समीक्षा

बिभा संवाददाता

खूँटी। नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के सफल आयोजन को लेकर वृहस्पतिवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)-सह-उपायुक्त आर० रॉनिटा की अध्यक्षता में गठित सभी कोषांगों के वरीय पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान नगरपालिका निर्वाचन कोषांग, कार्मिक कोषांग, मतपत्र एवं मत पेटिका कोषांग, सामग्री कोषांग, परिवहन कोषांग, विधि-व्यवस्था-सह-आचार संहिता कोषांग, हेल्पलाइन एवं जन शिकायत कोषांग, प्रेक्षक कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, मीडिया कोषांग, निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग, सूचना तकनीकी कोषांग तथा नियंत्रण कक्ष के सुचारु क्रियान्वयन को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उपायुक्त आर० रॉनिटा ने निर्देश दिया कि नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के लिए गठित सभी कोषांग अपने-अपने स्तर पर उत्तरदायित्व पूर्ण अपने कार्यों का निष्पादन करना सुनिश्चित करे, जिससे सफलता पूर्वक नगरपालिका (आम) निर्वाचन को सम्पन्न कराया जा सके। वहीं निर्वाचन कार्य में लगे कर्मियों को अच्छे से प्रशिक्षण देने का भी निर्देश दिया गया। मतदान कर्मियों को मतदान केंद्रों तक ले जाने के लिए वाहनों की व्यवस्था, मतपेटिका से मतदान, समेत अन्य विषयों पर उपायुक्त ने विचार विमर्श कर संबंधित कोषांग को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 से जुड़े किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने या शिकायत दर्ज कराने के लिए हेल्पलाइन एवं जन शिकायत कोषांग के नंबर 06528-220056 या 1950 या नियंत्रण कक्ष के नंबर 06528-295205 पर सम्पर्क कर सकते है।

इस बैठक में उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, परियोजना निदेशक आईटीडीए, उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, परिजनों ने देवर पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

जमशेदपुर(बिभा)। सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के बारीडीह विजय गार्डन की निवासी विवाहित महिला प्रियंका कुमारी ने गुरुवार को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। परिजनों ने सिदगोड़ा थाना पहुंचकर हंगामा किया और प्रियंका के देवर पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का गंभीर आरोप लगाया। बताया गया कि मृतका का देवर अमन ऑस्ट्रेलिया में रहता है और वह दो दिन पहले ही यहां आया था। परिजन आरोप लगा रहे हैं कि लगातार प्रताड़ना झेलते हुए प्रियंका ने यह दुखद कदम उठाया। प्रियंका के दो छोटे बच्चे हैं। उनकी शादी वर्ष 2017 में विजय गार्डन निवासी प्रशांत कुमार से हुई थी, जो टाटा स्टील में कार्यरत हैं। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विस्थापित प्रभावित संवेदक संघ के नाम पर अफवाह फैलाने वालों पर अध्यक्ष का कड़ा प्रहार

खलारी(बिभा)। विस्थापित प्रभावित संवेदक संघ को लेकर क्षेत्र में फैल रही भ्रामक चचाओं पर संघ के अध्यक्ष नागेश्वर गंझू मुखिया जी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि संघ का किसी भी संगठन में न तो विलय हुआ है और न ही इस संबंध में कोई निर्णय लिया गया है। एक प्रेस बयान जारी कर नागेश्वर गंझू ने कहा कि कुछ स्वार्थी तत्व जानबूझकर गलत सूचना फैलाकर ठेकेदारों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि जब तक सभी संबंधित पक्षों के साथ औपचारिक बैठक कर सर्वसम्मति नहीं बनती, तब तक विस्थापित प्रभावित संवेदक संघ अपनी स्वतंत्र पहचान के साथ ही काम करता रहेगा।संघ अध्यक्ष ने यह भी कहा कि संघ के नाम का दुरुपयोग कर अफवाह फैलाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस तरह की गतिविधियां नहीं रुकीं तो संघ स्तर पर आवश्यक कदम उठाने पर विचार किया जाएगा। मुखिया ने संघ के सभी सदस्यों और क्षेत्र के लोगों से अपील की कि वे किसी भी अपुष्ट या गैर-आधिकारिक सूचना पर विश्वास न करें और केवल संघ की ओर से जारी बयान को ही अंतिम मानें।उन्होंने अंत में स्पष्ट किया कि विस्थापित प्रभावित संवेदक संघ अपने मूल उद्देश्यों,अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए पूरी मजबूती और दृढ़ता के साथ आगे भी संघर्ष करता रहेगा।

मवेशी चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं चोर, बकरी चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद

खूँटी(बिभा)। नगर पंचायत क्षेत्र सहित जिलेभर के कई थाना क्षेत्रों में चोरी की घटना काफी होने है। वहीं आए दिन विभिन्न क्षेत्रों में मवेशियों की चोरी हो रहे हैं। इसी क्रम में नगर पंचायत क्षेत्र के जोजोटोली स्थित जाने-माने अधिवक्ता लाल रुपेंद्र नाथ शाहदेव के घर परिसर में बुधवार की देर रात को एक मवेशी चोर द्वारा घुसकर खस्सी चोरी कर लिया गया। जो सीसीटीवी में कैद हो गया। लेकिन वरिष्ठ अधिवक्ता के घर परिसर से बकरा के गायब होने के बाद सीसीटीवी फुटेज देखा गया तो उसमें स्पष्ट रूप से चोर द्वारा चोरी करके ले जाते हुए एक शख्स दिखाई दिया। जिसमें चोर चोरी करते हुए बकरे के साथ देखा जा रहा है। जिसके विरुद्ध खूँटी थाने में मामला दर्ज करा दिया गया है। वहीं सीसीटीवी फुटेज भी दे दिया गया है। बकरा चोरी होने की घटना जब सीसीटीवी फुटेज वायरल हुआ तो यह बात खूँटी जिले में चर्चा का विषय बन गया है। जिले में जहाँ आए दिन गाय, मवेशी, बकरी आदि की चोरी की घटना को लोगों द्वारा चर्चा में है। वहीं पिछले दिनों रनिया थाना क्षेत्र और तोरपा के कई गाँवों में चोरी की घटना हो चुकी है। चोरी की इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। जिससे किसान और मवेशी पालकों के मवेशियों की चोरी होने से चिंता सताने लगी है।

यूजीसी पर सुप्रीम कोर्ट की रोक स्वागतयोग्य कदमः सरयू राय

जमशेदपुर(बिभा)। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने यूजीसी विनियम पर सर्वोच्च न्यायालय की रोक को स्वागत योग्य कदम बताया है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर सरयू राय ने लिखाः इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी, पूर्व में व्यक्त उनकी प्रतिक्रिया को सही साबित करती है। सरयू राय के अनुसार, इस विनियमन को वापस लिया ही जाना चाहिए। शिक्षण संस्थाओं में समता संवर्धन के लिए अग्रसोची व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। गौरतलब है कि विगत दिनों श्री राय ने सोशल मीडिया साइट्स पर अपनी टिप्पणी शेयर की थी। उन्होंने लिखा थाः उच्च शिक्षा में समानता का संवर्द्धन करने के नाम पर यूजीसी द्वारा हाल में जारी विनियमन नख-दंत विहीन है। अनावश्यक भ्रम फैलानेवाला है।

यूजीसी के फैसले के खिलाफ सड़क पर उतर कर स्वर्ण महासंघ ने जताया विरोध

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के हालिया निर्णयों के विरोध में गुरुवार को जमशेदपुर में व्यापक आक्रोश देखने को मिला। स्वर्ण महासंघ के आह्वान पर सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे और उपायुक्त कार्यालय के समक्ष एकजुट होकर केंद्र सरकार तथा यूजीसी की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान माहौल पूरी तरह आंदोलनात्मक रहा और उच्च शिक्षा से जुड़े फैसलों पर गंभीर सवाल उठाए गए।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यूजीसी द्वारा जारी किए गए नए नियम और नीतियां न केवल देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर रही हैं, बल्कि सामाजिक संतुलन और निष्पक्षता पर भी प्रतिकूल असर डाल रही हैं। स्वर्ण महासंघ के नेताओं ने आरोप लगाया कि इन निर्णयों से समाज के विभिन्न वर्गों में असंतोष बढ़ रहा है और यदि समय रहते इन्हें वापस नहीं लिया गया, तो इसके दूरगामी नकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है और उससे जुड़े निर्णय समानता, न्याय और सामाजिक समरसता के आधार पर होने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा फैसले आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को प्रभावित कर सकते हैं। वक्ताओं ने सरकार और यूजीसी से मांग की कि वे इन निर्णयों पर पुनर्विचार करें, अन्यथा आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

प्रदर्शन में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि एक मंच पर नजर आए। ब्राह्मण समाज से जुड़े पूर्व डीएसपी कमल किशोर, क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष शंभू सिंह और शिवशंकर सिंह, ब्रह्मर्षि समाज के रामनारायण शर्मा, सतीश सिंह, दीपू सिंह तथा कायस्थ समाज से अजय श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। नेताओं ने इसे झारखंड में यूजीसी के मुद्दे पर हुआ पहला संगठित आंदोलन बताया और कहा कि यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक शिक्षा व्यवस्था के हित में ठोस निर्णय नहीं लिए जाते।

ठंड के अंत में भी मानवता की मिसाल, पंसस सुनील गुप्ता के आग्रह पर कंबल वितरण कार्यक्रम संपन्न

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : बागबेड़ा कॉलोनी रोड नंबर 5 स्थित काली मंदिर परिसर में पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता के आग्रह पर पूर्व छात्र नेत्री अर्चना सिंह के सौजन्य से अपने निजी खर्च पर 50 जरूरतमंदों के बीच निःशुल्क कंबल का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों के करकमलों से बारी-बारी से जरूरतमंदों को कंबल प्रदान किया गया, जिससे लाभार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

इस अवसर पर पूर्व छात्र नेत्री सह अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार अपराध रोधी संगठन की झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अर्चना सिंह, समाजसेवी गीता सिंह, मुदिता सिंह, उप मुखिया संतोष ठाकुर एवं सैलूट तिरंगा के वेद प्रकाश तिवारी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने कहा कि ठंड के अंत में पंचायत के छूटे हुए जरूरतमंद लोगों को ध्यान में रखते हुए यह कंबल वितरण किया गया है। वहीं अर्चना सिंह ने भविष्य में भी पंचायत क्षेत्र के जरूरतमंदों के बीच हर संभव सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया। समाजसेवी गीता सिंह, मुदिता सिंह, उप मुखिया संतोष ठाकुर एवं वेद प्रकाश तिवारी ने संयुक्त रूप से इस सेवा कार्य की सराहना की।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाजसेवी सोनी, श्री राम सिंह, रवि सिंह, अमन सिंह, सतीश, कर्ण, नकुल सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित थे।

थर्ड मार्च के कार्यक्रम को लेकर टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन की बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : आगामी थर्ड मार्च को टाटा साहब (जेएन टाटा) के जन्मदिन के अवसर पर निर्धारित महा रक्तदान कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन कार्यालय परिसर में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में यूनियन के अध्यक्ष श्री शशि भूषण प्रसाद, महामंत्री श्री आरके सिंह समेत तमाम यूनियन पदाधिकारी, कमेटी मेंबर, आरके सिंह फैंस क्लब के सदस्य मौजूद थे।

महामंत्री आरके सिंह ने कहा कि आगामी 3 मार्च को होने वाले रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक संख्या में रक्तदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित हो इसके लिए सभी लोग लगन से मेहनत करें। इस बार रक्तदान शिविर में 3000 यूनिट रक्त एकत्रित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह लक्ष्य सभी के सहयोग से ही हासिल किया जा सकता है।

अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद ने कहा कि इस बार जेएन टाटा साहब के जन्मदिन को लेकर मजदूर भाईयों में खासा उत्साह है। यूनियन परिसर में टाटा साहब के प्रतीमा का अनावरण भी होगा। साथ ही वृहद रक्तदान कार्यक्रम भी निर्धारित है। अतः: कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी लोग जिम्मेदारी पूर्वक दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लें। बैठक में उपस्थित तमाम यूनियन पदाधिकारियों, कमेटी मेंबर तथा आरके सिंह फैंस क्लब के सदस्यों ने पूरा सहयोग का भरोसा दिलाया।

बैठक का संचालन प्रकाश विश्वकर्मा ने किया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन एच एस सैनी ने किया।

विधायक संजीव सरदार के प्रतिनिधि तरुण सरदार ने दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का किया उद्घाटन

खेल युवाओं को अनुशासन और एकता का पाठ पढ़ाता है : तरुण सरदार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका विधानसभा क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को मंच देने का सिलसिला लगातार जारी है। विधानसभा क्षेत्र के सुदूरवर्ती डुमरिया प्रखंड अंतर्गत धोलाबेड़ा पंचायत के बारूनिया ग्राम में आदर्श भवानी क्लब द्वारा आयोजित 52वें वार्षिक दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन विधायक संजीव सरदार की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि छोटे भाई तरुण सरदार ने किया। उद्घाटन के बाद उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर पोटका प्रखंड के कोषाध्यक्ष अनुपम मंडल, झामुमो डुमरिया प्रखंड सचिव जयपाल, युवा नेता काजमान सरदार, शरणदीप सिंह सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी व आयोजन समिति के सदस्य मौजूद थे। चाँपि स्टेडियम में दिखा खेल का जोश, कई टीमों ने लिया हिस्सा ।

इसी क्रम में चापे बड़ा अखाड़ा द्वारा चाँपि स्टेडियम, खैरपाल में आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बादल एफसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया और विजेता टीम को 40 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। उपविजेता 9 स्टार हल्दीपोखर को 30 हजार रुपये, जबकि तीसरे स्थान पर बिरला सोलाई और चौथे स्थान पर गुरुचरण स्पोर्टिंग की टीम रही, जिन्हें 10-10 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि तरुण सरदार ने कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक सोच विकसित करता है। उन्होंने कहा कि विधायक संजीव सरदार क्षेत्र में खेल और युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं और हर गांव तक खेल के अवसर पहुंचाने का संकल्प लिया गया है। इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी नेता सुनील महतो, पूर्व जिला परिषद सदस्य चंद्रावती महतो, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सुधीर सोरेन, कोषाध्यक्ष अनुपम मंडल भी सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे टूनार्मेंट को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष संजीत सरदार, सचिव धीरेन्द्रनाथ सरदार, प्रदीप मुंडा समेत अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बड़ी संख्या में दर्शकों की मौजूदगी से दोनों ही स्थानों पर प्रतियोगिता उत्साह और रोमांच से भरपूर रही।

जरिया गढ़ रियासत के अंतिम नागवंशी शासक महेंद्र नाथ शाहदेव का मनायी गयी पुण्यतिथि

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले के जरियागढ़ में बुधवार को जरिया गढ़ रियासत के अंतिम नागवंशी शासक स्व. ठाकुर महेंद्र नाथ शाहदेव का 43वाँ पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की गयी। ठाकुर महेन्द्र नाथ शाहदेव का जन्म 1896 ई को जरिया गढ़ में हुआ था जो सन् 1922 ई में राजगद्दी संभाले थे। जिनका निधन सन् 1983 ई को जरिया गढ़ में हुआ था। जबतक ठाकुर महेन्द्र नाथ शाहदेव का शासन रहा, उन्होंने विद्यालयों, ब्लॉक, रेलवे स्टेशन, आदि के लिए सरकार को जमीन दान दिये। उनका शासन सात सौ सौनपुर पर था। जिनके अंदर अनेक जमींदार आदि थे। जो उन्हें टैक्स देते थे। वहीं ठाकुर महेंद्र नाथ शाहदेव का व्यक्तित्व उदार और धार्मिक प्रवृति के रुप में ख्याति थी। जो लोगों को शादी व्याह व अन्य कार्यक्रमों में आर्थिक सहयोग करते थे। ठाकुर महेन्द्र नाथ शाहदेव 1931ई से एमएलसी रहे और 1930ई सदर अस्पताल राँची के आजीवन सदस्य रहे। 1920 से 1929 तक राँची व खूँटी कोर्ट में ऑनटेरी मजिस्ट्रेट के पद पर भी रहे और लोगों को न्याय भी सुनाया। इस प्रकार ठाकुर महेन्द्र नाथ शाहदेव ने अपने जीवन में जनता के बीच कार्य करते हुए अनेक अभूतपूर्व कार्य किये। जिन्हें लोग आज भी उनके कृत्य को याद करते हैं। जरिया गढ़ कैंची मोड़ में श्रद्धांजली अर्पित कर उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित किया गया। जिसमें पंडित पंचानन दास के द्वारा विधिवत मंत्र उच्चारण, दीप प्रज्वलित, माल्यार्पण करके पुष्पांजलि अर्पित कर शुरूआत किया गया तत्पश्चात जरिया का आसपास के दर्जनों गांव के गणमान्य लोग उपस्थित थे सभी ने बारी-बारी से पुष्पांजलि अर्पित किए। इसके बाद सभी को फल और मिठाई बांटी गई कार्यक्रम में जरियागढ़, मुरुचकेल, बकसपुर, गोविंदपुर, नौरिंगा, खिजूरटोली, नगड़ा, जलंगा, लापा, डहकेला, भुसुर, चाँपी आदि गाँवों के लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे।

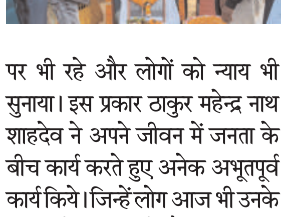

कुष्ठ रोग अब पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी : निदेशक

बिभा संवाददाता

रांची। कुष्ठ रोग अब लाइलाज नहीं है। यदि समय पर इसकी पहचान कर इलाज शुरू कर दिया जाए, तो इसे पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है और दिव्यांगता से भी बचा जा सकता है। यह बातें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने गुरुवार को कही। वें कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर आयोजित राज्यस्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम में बोल रहे थे।

यह कार्यक्रम नामकुम स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के आरसीएच सभागार में आयोजित हुआ।

अभियान निदेशक ने कहा कि कुष्ठ रोगियों को छूने या उनके साथ रहने से यह बीमारी नहीं फैलती, इसी सोच को मजबूत करने के उद्देश्य से इस अभियान का नाम स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान रखा गया है। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी की पुण्यतिथि 30 जनवरी 2026 से राज्यभर में स्पर्श कुष्ठ जागरूकता पखवाड़ा की शुरूआत होगी, जो 13 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान गांव-गांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर कुष्ठ रोग से जुड़ी भ्रांतियों को दूर किया जाएगा। इस वर्ष अभियान की थीम भेदभाव का अंत और आत्मसम्मान सुनिश्चित करना है।

शशि प्रकाश झा ने बताया कि कुष्ठ रोग खोज अभियान का द्वितीय चरण 9 मार्च से 23 मार्च तक चलेगा। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले वर्ष अप्रैल तक राज्य में 5267 नए कुष्ठ मरीज चिन्हित किए गए हैं, जबकि 6587 रोगियों का वर्तमान में इलाज चल रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुष्ठ रोग की जांच, इलाज और दवाएं राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध हैं।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मी मौजूद थे।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए राज्य भर में चल रहे हैं व्यापक कार्यक्रम : अभियान निदेशक

रांची : अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने नामकुम स्थित आरसीएच सभागार में आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेंस में पत्रकारों को बताया कि राज्यभर में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें मनोचिकित्सक, परामर्शदाता और अन्य विशेषज्ञों की टीम गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक कर रही है। इसमें नशा छोड़ने के लिए भी आमजनों को प्रेरित किया जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर वयस्कों, बच्चों और अन्य लोगों को जागरूक करने हेतु अलग-अलग पोस्टर भी डिजाईन किए गए है, जिसका वितरण भी किया जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित परामर्श लेने या नशा छोड़ने के लिए आम जन टेलीमानस के निःशुल्क डायल 14416 या 18008914416 पर संपर्क कर सकते है। अभियान निदेशक ने बताया कि बच्चों के मोबाईल की लत को दूर करने के लिए और किशोरों को नशा के विरूद्ध जागरूक करने के लिए स्कूल और कॉलेज के स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रेस कान्फ्रेंस में केन्द्रीय मनोचिकित्सा संस्थान के निदेशक डॉ0 वीके चौधरी भी थे।

मुख्यमंत्री से मिले कैलाश सत्यार्थी के सहयोगी

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी के सहयोगी राकेश सेंगर ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को कैलाश सत्यार्थी की आत्मकथा और नई पुस्तक करुणा द पावर ऑफ कंप्लशन और बाल ग्राम का 2025- 2026 की वार्षिक रिपोर्ट भेंट किया।

उन्होंने कैलाश सत्यार्थी की संस्था बचपन बचाओ आंदोलन की ओर से झारखंड में बाल अधिकारों के संरक्षण और बाल मजदूरी के खिलाफ किए जा रहे कार्यों, गतिविधियों और कार्यक्रमों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

वहीं मुख्यमंत्री ने मौके पर दूरभाष के माध्यम से कैलाश सत्यार्थी के साथ बातचीत की और बच्चों के कल्याण और अधिकार के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस मौके पर मनोज कुमार भी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 1 फरवरी को महाप्रसाद एवं स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन

रांची (बिभा): श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री राधा- कृष्ण प्रणामी मंदिर मे 1 फरवरी दिन रविवार को कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा मंदिर में प्रत्येक रविवार को आयोजित अन्नपूर्णा महाप्रसाद भंडारा का 5 वर्ष पूर्ण हो जाएगा इस अवसर पर 1 फरवरी को 251वां अन्नपूर्णा महाप्रसाद भंडारा, श्री राधा रानी का अलौकिक भव्य श्रृंगार, भजन जागरण, सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया है। साथ ही साथ भगवान महावीर मणिपाल हॉस्पिटल के सौजन्य से एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया है। जिसमें ईसीजी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर,वजन, पल्स ऑक्सीजन आदि की जांच की जाएगी। तथा चिकित्सकों द्वारा जांच एवं इलाज के संबंध में मरीजों को परामर्श दिया जाएगा। ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रमों में भाग लेने की अपील किया है।

श्री चैती दुर्गा मंदिर, भुताहा तालाब के प्रांगण से निकली भव्य कलश यात्रा

रांची(बिभा) : श्री चैती दुर्गा मंदिर, भुताहा तालाब का दसवां वार्षिक उत्सव कों सुबह 8:30 कलश यात्रा निकाला गया। महोत्सव के पहले दिन सुबह 5:30 बजे माता का पट खोला गया और उसके बाद सुबह 7:30 बजे माता की आरती की गयी। सुबह 9:30 बजे गाजे-बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गयी, जो महावीर चौक, गाँधी चौक, शहीद चौक, सुभाष चौक त्रिकोण हवन कुंड से कलश में जल लेकर कचहरी रोड जयपाल सिंह स्टेडियम से होते हुए श्री चैती दुर्गा मंदिर प्रांगण पहुंचने पर कलश यात्रा लें कर आ रही 501 महिलाओं पर मंदिर के पदाधिकारीओं एवं सदस्यों के द्वारा पुष्प वर्षा कर अभिनन्दन किया गया। पंडित सुभाष चंद्र मिश्रा जी ने पूजा सम्पन्न करायी। उसके बाद गौरी पूजन, वेदी पूजन, आरती और पुष्पाजली हुई एवं भोग का प्रसाद वितरण किया गया। दसवां वार्षिकउत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार कों सुबह 9 बजे माता का महा स्नान, दुर्गा अस्टमी पाठ, आरती एवं पुष्पाजलि होंगी। महोत्सव के तीसरे दिन शनिवार कों दोपहर 1 बजे से महाभंडारा एवं शाम 6:30 बजे महाआरती की जाएगी। यह जानकारी महासमिति के प्रवक्ता नमन भारतीय ने दिया।

सीआईपी कांके में वर्षों से कार्यरत सुरक्षा कर्मियों को हटाना अमानवीय एवं अन्यायपूर्ण : धर्मेंद्र तिवारी

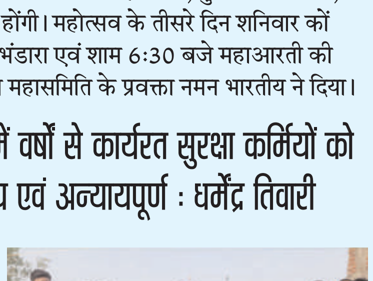

रांची : जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र तिवारी ने केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान (सीआईपी) में पिछले लगभग 25 वर्षों से कार्यरत 156 सुरक्षा कर्मियों को हटाने के निर्णय पर गहरी चिंता और कड़ा विरोध दर्ज कराया है। सुरक्षा कर्मियों से आज मुलाकात हुई उनकी पीड़ा सुनकर के बहुत दुख हुआ इनमें लगभग 30 महिलाएं, 16 विधवाएं एवं अनेक परिवार ऐसे हैं जिनकी पूरी जीविका इसी रोजगार पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि 27 जनवरी को इन कर्मियों को अचानक सूचना दी गई कि वे 31 जनवरी तक ही ड्यूटी करेंगे तथा 1 फरवरी से उनकी जगह होमगार्ड के जवानों को लगाया जाएगा। यह निर्णय न केवल असंवेदनशील है बल्कि वर्षों से संस्थान, मरीजों और सरकारी संपत्ति की सेवा करने वाले कर्मियों के साथ सरासर अन्याय है। श्री तिवारी ने कहा कि ये सुरक्षा कर्मी केवल सुरक्षा का कार्य ही नहीं करते, बल्कि महिला एवं पुरुष मरीजों की देखरेख, परिसर की निगरानी, अनुशासन बनाए रखने तथा अन्य सहयोगात्मक सेवाएं पियून का भी कार्य ओपीडीसेवा भी वर्षों से ईमानदारी से निभाते आ रहे हैं। वर्तमान में इन्हें 26 कार्यदिवस के आधार पर मात्र 893 रूपए प्रतिदिन मजदूरी मिलती है, जिसमें 60 रूपए पीएफ कटौती भी होती है। इसके बावजूद इन्होंने सेवा भाव से संस्थान की जिम्मेदारियों को निभाया है। किस तरह से कोई विरोध ना हो होमगार्ड के जवान 1 तारीख से उनके जगह पर कार्य करें उसके लिए जो बोलने वाले सुरक्षा कर्मी थे उन्हें आज पता चला है कि उन पर संस्थान ने 15 लोगों पर एसडीओ के यहां एफआईआर कर दिया यह कैसा न्याय है लोगों के मुंह बंद करके ताकि हमारी मंशा सफल हो जाए।

कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से मनरेगा, पेसा और ग्रामीण मजदूरों के मुद्दे पर हुई चर्चाः शिल्पी नेहा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिल्ली में कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की। इस दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), उसमें झारखंड की भूमिका, असंगठित क्षेत्र के ग्रामीण मजदूरों की भागीदारी तथा पेसा कानून को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पहले की तरह नियमित रोजगार उपलब्ध होता रहे, इसके लिए कांग्रेस संगठन जमीनी स्तर पर आंदोलन के जरिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाएगा। उन्होंने झारखंड में मनरेगा से जुड़े विभिन्न मुद्दों, मजदूरों के सामने आ रही चुनौतियों और रोजगार सृजन की बढ़ती जरूरतों से संगठन महासचिव को अवगत कराया।

मुलाकात के दौरान अनुसूचित क्षेत्रों में राज्य सरकार द्वारा लागू पेसा नियमावली के महत्व, उसके प्रभावी क्रियान्वयन और भविष्य की कार्ययोजना पर भी गहन चर्चा हुई। मंत्री ने इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त किए। उन्होंने कहा कि पेसा कानून के तहत पारंपरिक ग्राम सभाओं को मिले अधिकारों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में कांग्रेस संगठन सक्रिय भूमिका निभाएगा। इसके अलावा मंत्री तिर्की ने झारखंड में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा किसानों को समृद्ध बनाने, उन्हें नवाचार से जोड़ने और उनके उत्पादों को उचित मूल्य दिलाने की दिशा में चल रही विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी केसी वेणुगोपाल को दी।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाए और किसानों व मजदूरों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिले, जिसके लिए केंद्र और संगठन स्तर पर समन्वय बेहद आवश्यक है।

स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान आज से, शुरू होगा रोगी खोज अभियान

बिभा संवाददाता

रांची। रांची जिले में स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान 30 जनवरी 2026 से शुरू होगा जो 13 फरवरी 2026 तक चलाया जाएगा। यह जानकारी सिविल सर्जन रांची डॉ प्रभात कुमार ने गुरूवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दी।

उन्होंने अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर बताया कि महात्मा गांधी की पुण्यतिथि से प्रारंभ होने वाला यह अभियान जिले के सभी प्रखंडों एवं गांवों में संचालित किया जाएगा। इसके साथ ही कुष्ठ रोगी खोज अभियान 2025झ्र26 के द्वितीय चक्र के तहत 9 मार्च से 23 मार्च 2026 तक घर-घर सर्वे कर संभावित मरीजों की पहचान की जाएगी।

डॉ. प्रभात ने कहा कि पिछले सात वर्षों में जिन गांवों में कुष्ठ रोगी नहीं मिले हैं, वहां भी स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर सर्वे करेंगे। कुष्ठ रोग पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी है। चिकित्सकीय मार्गदर्शन में नियमित दवा सेवन से मरीज पूर्णतः स्वस्थ हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि कुष्ठ रोग की जांच, इलाज एवं दवाएं सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में निःशुल्क उपलब्ध हैं। अभियान के दौरान गांव-गांव में ग्राम गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को शपथ दिलाकर कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक किया जाएगा। सिविल सर्जन ने आमजन से अपील की कि कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्तियों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव न करें, क्योंकि यह छुआछूत की बीमारी नहीं है और समय पर इलाज से पूरी तरह समाप्त हो सकती है।

बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा में रोबोसागा 2026 का आयोजन, नवाचार और अनुप्रयुक्त रोबोटिक्स पर रहा केंद्रित

बिभा संवाददाता

रांचीः बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान ,मेसरा में रोबोसागा 2026 का सफल आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों, संकाय सदस्यों और उद्योग विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। संस्थान के रोबोल्यूशन क्लब द्वारा आयोजित यह रोबोटिक्स कार्यक्रम 23 जनवरी से 25 जनवरी 2026 तक चला। कार्यक्रम में प्रतिस्पर्धी रोबोटिक्स चुनौतियाँ, तकनीकी प्रदर्शनी, विशेषज्ञ व्याख्यान और व्यावहारिक कार्यशालाएँ शामिल रहीं। उद्घाटन सत्र में डॉ. प्रविण श्रीवास्तव, छात्र कल्याण अधिष्ठाता; डॉ. दिलीप कुमार उपाध्याय एवं डॉ. गौतम शांडिल्य, सह-छात्र कल्याण अधिष्ठाता; तथा डॉ. विनय कुमार, रोबोल्यूशन क्लब के संकाय सलाहकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत सेमिनार हॉल-2 में दीप प्रज्वलन एवं संस्थान प्रार्थना के साथ हुई।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. प्रविण श्रीवास्तव ने कहा इस कक्ष में उपस्थित ऊर्जा यह दशार्ती है कि परिसर में जिज्ञासा हर जगह विद्यमान है। जब विद्यार्थी पूरी रात विकास, प्रयोग और असफलताओं के बावजूद प्रयास करते रहते हैं, तभी वास्तविक सीख शुरू होती है और आत्मविश्वास का निर्माण होता है।

कार्यक्रम के दूसरे दिन रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सिमुलेशन पर आधारित 24 घंटे का हैकाथॉन आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता का मूल्यांकन कृति कुमारी, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा सहित आईआईआईटी रांची के वरिष्ठ संकाय सदस्यों द्वारा किया गया।

हैकाथॉन के साथ-साथ बर्स्ट एन ब्रॉल और रोबो रनवे जैसी प्रतिस्पर्धी गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। आयोजन समिति द्वारा स्वयं विकसित रोबोटों और कार्यशील प्रोटोटाइप की एक प्रदर्शनी भी प्रस्तुत की गई, जिससे प्रतिभागियों और दर्शकों को उनके डिजाइन सिद्धांतों एवं कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिला।

64 नवप्रोन्नत पुलिस उपाधीक्षकों की पदस्थापना लंबित, पुलिस एसोसिएशन ने आंदोलन की दी चेतावनी

बिभा संवाददाता

रांची। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड द्वारा 25 जून 2025 को जारी अधिसूचना संख्या 2632/रांची के तहत 64 पुलिस निरीक्षकों को पुलिस उपाधीक्षक के पद पर प्रोन्नति दी गई थी, लेकिन लगभग सात माह बीत जाने के बावजूद अब तक उनकी पदस्थापना नहीं हो सकी है। इस देरी के कारण नवप्रोन्नत पुलिस उपाधीक्षकों के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

पुलिस एसोसिएशन के अनुसार, इन 64 नवप्रोन्नत पुलिस उपाधीक्षकों में से कई अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जबकि जनवरी 2026 में चार अन्य अधिकारी– अखिलेश प्रसाद मंडल, सरोज कुमार सिंह, शैलेश प्रसाद एवं विनोद उरांव–सेवानिवृत्त होने वाले हैं। पदस्थापना नहीं होने से प्रोन्नति का वास्तविक लाभ अधिकारियों को नहीं मिल पा रहा है।

इसी मुद्दे को लेकर 28 जनवरी 2026 को झारखण्ड पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने प्रधान सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड से मुलाकात कर नवप्रोन्नत पुलिस उपाधीक्षकों की शीघ्र पदस्थापना की मांग की। साथ ही पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों के लंबित भत्ता पुनरीक्षण को लागू कर उसका लाभ देने का अनुरोध भी किया गया।

प्रेस वार्ता के दौरान राहुल कुमार मुर्मू ने कहा कि वर्तमान में भले ही राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू है, लेकिन सरकार के पास इस विषय पर विचार करने और निर्णय लेने के लिए पर्याप्त समय है। उन्होंने कहा कि जब राज्य के पास योग्य, प्रशिक्षित और अनुभवी अधिकारी मौजूद हैं, तो उनकी सेवाओं का उपयोग नहीं किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

पुलिस एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि बार-बार अनुरोध के बावजूद यदि सरकार और संबंधित प्राधिकार द्वारा मांगों की उपेक्षा की गई, तो इससे राज्य के पुलिस पदाधिकारियों के कार्यों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। एसोसिएशन के सदस्यों में रोष बढ़ता जा रहा है और जल्द समाधान नहीं होने की स्थिति में आंदोलन का दबाव बन रहा है।

प्रेस वार्ता में उपाध्यक्ष- मो. महताब आलम, उपाध्यक्ष - रोहित रजक, महामंत्री संजीव कुमार तथा संयुक्त सचिव-1 संतोष कुमार महतो उपस्थित रहे। पुलिस एसोसिएशन ने सरकार से शीघ्र हस्तक्षेप कर समस्या के समाधान की मांग की है।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. 37-एसडीएसटीई-एएसएन-2025-26, दिनांक 27.01.26; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम/स्थान:** आसनसोल मंडल - स्टेशन अनुभाग में उम्र सह दशा के आधार पर एक्सल काउंटर का प्रतिस्थापन। **निविदा मूल्य** : रु. 4,66,63,498.78; **बयाना राशि** : रु. 3,83,300; **कार्य समापन अवधि** : एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 18 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय** : 13.02.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण:** http://www. ireps.gov.in/

(ASN-320/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. 40-एसडीएसटीई-एएसएन-2025-26, दिनांक 27.01.26; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम/स्थान:** आसनसोल मंडल - आसनसोल मंडल में वीएचएफ संचार की विश्वासनीयता में सुधार। **निविदा मूल्य** : रु. 72,94,811.90; **बयाना राशि** : रु. 1,45,900; **कार्य समापन अवधि** : एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 12 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय** : 13.02.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण:** http://www.ireps.gov.in/

(ASN-322/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

रांची के डीएसपीएमयू में छात्र संगठनों का संयुक्त विरोध, प्रशासनिक भवन में तालाबंदी

बिभा संवाददाता

रांची। रांची स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के प्रशासनिक भवन में गुरुवार को आदिवासी छात्र संघ, ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) छात्र संघ और नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने संयुक्त रूप से तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और चयन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाया।

छात्र संगठनों के नेताओं ने बताया कि यह विरोध विश्वविद्यालय युवा महोत्सव स्पंदन के तहत केंद्रीय स्तर पर भेजे गए प्रतिभागियों के चयन में पक्षपात और अनियमितता के आरोपों को लेकर किया गया है।

आदिवासी छात्र संघ के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के अध्यक्ष विवेक तिर्की ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि आदिवासी विद्यार्थियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि छात्रों की मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को चरणबद्ध रूप से तेज किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय युवा महोत्सव ह्यस्पंदनह्न का आयोजन 22 से 24 दिसंबर 2025 तक डीएसपीएमयू में किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया था। इसके बाद विभिन्न विधाओं में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को केंद्रीय युवा महोत्सव ह्यस्पंदनह्न में भेजने का प्रस्ताव तैयार किया गया।

छात्र संगठनों का आरोप है कि केंद्रीय स्तर के चयन में गंभीर अनियमितताएं बरती गईं। कई ऐसे लोगों को चयनित कर लिया गया, जो न तो विश्वविद्यालय स्तर के महोत्सव में शामिल थे और न ही डीएसपीएमयू के नियमित विद्यार्थी हैं। वहीं, कई योग्य आदिवासी विद्यार्थियों को जानबूझकर चयन सूची से बाहर कर दिया गया। यह भी आरोप लगाया गया कि कुछ प्रोफेसरों के चहेते और एनएसएस से जुड़े छात्रों को अनुचित प्राथमिकता दी गई।

मौके पर आजसू छात्र संघ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो ने चयन प्रक्रिया को अन्यायपूर्ण बताते हुए तत्काल सुधार और निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि चयन सूची में सुधार नहीं किया गया, तो छात्र संगठन आंदोलन को और व्यापक रूप देंगे।

प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे, जिससे कुछ समय के लिए विश्वविद्यालय परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

झारखंड के आठ जिलों में 3-4 फरवरी को बारिश की संभावना, तापमान में उतार-चढ़ाव के आसार

रांची (बिभा): 29 जनवरी झारखंड के आठ जिलों में तीन और चार फरवरी को हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी। मौसम विभाग के अनुसार, तीन फरवरी को राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों (पलामू, गढ़वा, लातेहार और चतरा) में हल्के दर्जे की बारिश हो सकती है। वहीं चार फरवरी को दक्षिणी जिलों (पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां) में बारिश की संभावना जताई गई है। विभाग ने बताया कि यह मौसम परिवर्तन पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बने निम्न दबाव क्षेत्र के कारण हो रहा है। इसके अलावा राज्य के कुछ हिस्सों में सुबह के समय कुहासा छाने की संभावना है, जबकि दिन चढ़ने के साथ मौसम साफ हो सकता है।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. 35-एसडीएसटीई-एएसएन-2025-26, दिनांक 27.01.26; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम/स्थान:** आसनसोल मंडल - एएसटीई/एएसएन अनुभाग में उम्र सह दशा के आधार पर सिग्नलिंग गीयरों का प्रतिस्थापन एवं विश्वसनीयता में सुधार। **निविदा मूल्य** : रु. 2,46,56,855.55; **बयाना राशि** : रु. 2,73,300; **कार्य समापन अवधि** : एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 18 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय** : 13.02.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण:** http://www. ireps.gov.in/

(ASN-318/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ट्रेन में मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह के चार आरोपित गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

चाईबासा। चक्रधरपुर मंडल की आरपीएफ उड़नदस्ता टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चलती ट्रेनों में मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। आरपीएफ ने टाटानगर रेलवे स्टेशन से गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से महंगे मोबाइल फोन और चोरी में प्रयुक्त औजार बरामद किए गए हैं। पकड़े गए आरोपितों की पहचान ऋषि तोरवा, अल्ताफ आलम, चंदन राम उर्फ चिंटू और विशाल तिवारी उर्फ जीशान के रूप में हुई है। सभी आरोपित ओडिशा के बड़बिल के निवासी बताए जा रहे हैं।

आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार बुधवार रात गश्त के दौरान ट्रेन संख्या 12809 मुंबई-हावड़ा मेल के एसी कोच से दो संदिग्ध व्यक्तियों को उतारकर तेजी से भागते हुए देखा गया। उनकी गतिविधियों को संदिग्ध मानते हुए आरपीएफ ने स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच में सामने आया कि चोरी की वारदात को अंजाम देने में कुल चार लोग शामिल थे, जो आपसी तालमेल से यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी कर रहे थे।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरपीएफ टीम ने आरोपितों की तलाश तेज की और बुधवार देर शाम टाटानगर रेलवे स्टेशन के नाइट आउट क्षेत्र के पीछे से चारों को धर दबोचा। तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी किए गए मोबाइल फोन, एक मोबाइल चार्जर और वारदात में इस्तेमाल किया गया बड़ा कटर, हेक्सा ब्लेड सहित अन्य औजार बरामद किए गए। आरपीएफ ने आरोपितों के पास से एक एप्पल मोबाइल, एक वनप्लस मोबाइल और एक वीवो मोबाइल बरामद किया है, जिनकी कुल कीमत करीब एक लाख साठ हजार रुपये आंकी गई है।

आरपीएफ ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपितों का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। इनमें से अल्ताफ आलम करीब 11 बार जेल जा चुका है। आरपीएफ ने चारों आरोपितों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए रेल थाना टाटानगर को सौंप दिया है, जहां पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुट गई है।

बोकारो के जीजीपीएस प्राथमिक विभाग के 37 छात्रों ने जीता आईईओ में स्वर्ण डिस्टिंक्शन

बोकारो (बिभा): गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल (जीजीपीएस), बोकारो के प्राथमिक विभाग (कक्षा1से 3) के 37 छात्रों ने एसओएफ अंतरराष्ट्रीय अंग्रेजी ओलंपियाड 2025-26 में स्वर्ण पदक हासिल कर स्कूल का नाम रोशन किया। 26 नवंबर 2025 को आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल 92 छात्रों ने भाग लिया, जिसमें 55 ने स्वर्ण पदक (एक्सीलेंस) प्राप्त किया। परीक्षा ने छात्रों की भाषा दक्षता, आत्मविश्वास और बौद्धिक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया।स्कूल के प्रधानाचार्य श्री अभिषेक कुमार ने विजेताओं को प्रशस्ति-पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा, ?हर पदक कठिन परिश्रम की कहानी कहता है और हर छात्र नेतृत्व की संभावनाओं से भरा है।?स्कूल परिवार ने सभी सफल छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुस्कान हॉस्पिटल ने गणतंत्र दिवस पर लगाया रक्तदान शिविर, 33 यूनिट रक्त संग्रहित

बिभा संवाददाता

बोकारो। अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत मुस्कान हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर अस्पताल परिसर में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी बोकारो शाखा के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिले के सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. नितेंद्र प्रताप सिंह भी मौजूद रहे।शिविर में अस्पताल के कर्मचारियों, नर्सों और चिकित्सकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मुस्कान हॉस्पिटल के वरीय निदेशक डॉ. सुबोध चंद्र मुंशी, डॉ. शाहनवाज अनवर एवं डॉ. मनोज श्रीवास्तव भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. इरफान अंसारी ने विशिष्ट अतिथियों और आगंतुकों का स्वागत किया।इस अवसर पर तकरीबन 33 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर के सफल आयोजन और संचालन में उप चिकित्सा अधीक्षक श्रीमती वंदना सहाय एवं नर्सिंग इंचार्ज उत्तम खवास का योगदान सराहनीय रहा।

जेईई मेन के पहले सेशन में बोकारो के कुल 3479 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, 138 रहे अनुपस्थित

बिभा संवाददाता

बोकारो। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित देश की प्रतिष्ठित संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य (जेईई मेन) गुरुवार को बोकारो में शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। 21 से 29 जनवरी की अवधि में यहां छह दिनों की परीक्षा में कुल आवंटित 3617 अभ्यर्थियों में 3479 ने परीक्षा दी। जबकि, 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के लिए यहां दो केंद्र बनाए गए थे। पहला सेंटर चिकसिया (चास) में डॉ. एस. राधाकृष्णन बीएड कॉलेज के समीप बोकारो एजुकेशन ट्रस्ट कैंपस स्थित अल्फा आईसीटी सेंटर तथा दूसरा ग्वालाडीह मोड़, पुरुलिया रोड, चास स्थित क्रिसेन्ट लैब्स (क्रिसेन्ट पब्लिक स्कूल के निकट) बनाया गया था। अंतिम दिन केवल एक केन्द्र अल्फा आईसीटी सेंटर पर सिर्फ पहली पाली में पेपर 2ए (बी. आर्क), पेपर 2बी (बी.प्लानिंग) तथा पेपर-2ए और 2बी, दोनों की परीक्षाएं ली गईं। इसमें कुल आवंटित 49 परीक्षार्थियों में से 38 उपस्थित तथा 11 अनुपस्थित रहे। इसके पूर्व, परीक्षा के पहले दिन 21 जनवरी को कुल 676, दूसरे दिन 22 जनवरी को 695, 23 जनवरी को 692, 24 जनवरी को 694 तथा 28 जनवरी को कुल 644 अभ्यर्थी पेपर-1 (बीई/बीटेक) की परीक्षा में शामिल हुए।

एनटीए के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने परीक्षा के सफल, सुचारू एवं कदाचारमुक्त आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसके लिए सभी केंद्राधीक्षकों, पर्यवेक्षकों तथा जिला प्रशासन के सहयोग के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं पूर्णयता शांतिपूर्ण माहौल में हुईं। कहीं से भी किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी की सूचना नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

रॉयल पब्लिक स्कूल में मना गणतंत्र दिवस समारोह

बोकारो (बिभा)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश के साथ-साथ रॉयल पब्लिक सेक्टर 4 व सेक्टर 9 स्कूल में भी धूमधाम से यह राष्ट्रीय पर्व मनाया गया। कक्षा नर्सरी से कक्षा 8 तक के सभी बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया ।कई प्रकार के देशभक्ति गीतों से पूरा वातावरण गूंज उठा। सर्वप्रथम विद्यालय की प्राचार्या व मुख्य अतिथि डॉ मुकेश कुमार सभा में स्कूल के बैंड के साथ उपस्थित हुए ।मुख्य अतिथि ने विद्यालय की उपलब्धि तथा इस पर्व की महत्ता को बताते हुए कहा कि-यह भावना केवल 2 दिन के लिए नहीं बल्कि हमेशा हमारे दिलों में रहना चाहिए। इस अवसर पर रॉयल पब्लिक स्कूल की प्राचार्या रूपम गुप्ता ने कहा -हम अपने विद्यालय में सभी कार्यक्रमों के साथ-साथ बच्चों में देशभक्ति की भावना को भी भरपूर भरने का प्रयास करते हैं 'इस अवसर पर विद्यालय के उपप्राचार्य श्री आलोक चतुर्वेदी ,शिक्षिका विभा रानी, ज्योति मैंम सुधा सिंह शामिल रहे।

वास्तु विहार में नवनिर्मित शिवालय में शिवलिंग की स्थापना 5 को

बोकारो (बिभा)। वास्तु विहार प्रोजेक्ट 5 सतनपुर पहाड़ी के पास में नवनिर्मित शिवालय में भगवान शिवलिंग की स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा। इस शिवालय की खुबसूरती देखते बन रही है। यह जानकारी देते हुए वास्तु विहार प्रोजेक्ट 5 कमेटी के सदस्य संजय कुमार सिंह ने बताया शिवलिंग स्थापना का कार्यक्रम 5 फरवरी को कलश यात्रा के साथ शुरू होगी। कलश यात्रा का शुभारंभ सुबह 11 बजे से सतनपुर स्थित वास्तु विहार प्रोजेक्ट 5 से शुरू होगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए कमेटी के सदस्य संजय कुमार सिंह ने बताया कि इसके बाद 6 और 7 फरवरी को भगवान शिवलिंग की स्थापना के बाद प्राण प्रतिष्ठा व अखंड रामायण पाठ समेत कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उसके बाद 8 फरवरी रविवार को दोपहर से संध्या 5 बजे तक नवनिर्मित शिवालय के प्रांगण में उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच भंडारा का भी आयोजन किया जाएगा। पूजा कमेटी में संजय कुमार सिंह, बृज किशोर साहू ,ओम प्रकाश चतुर्वेदी, उपेंद्र त्रिपाठी, विनय कुमार शर्मा, आलोक कुमार चतुर्वेदी,सुनील सिंह, रोहित झा, कौशल किशोर सिंह इस प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे हुए हैं।

उर्मिला सर्विस स्टेशन में इंडियन ऑयल फेस्टिवल स्कीम पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

बोकारो (बिभा): उर्मिला सर्विस स्टेशन, कथारा में 26 जनवरी को इंडियन ऑयल द्वारा हाल ही में संपन्न हुई फेस्टिवल स्कीम पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नवंबर-दिसम्बर में इंडियन ऑयल द्वारा चलाए गए अभियान में जीते हुए कस्टमर्स को जीती हुई राशि के बदले मुफ्त तेल दिया गया। साथ ही उन सभी कस्टमर्स को इंडियन ऑयल के सेल्स ऑफिसर श्री त्रितेश कुमार एवं पम्प के संचालक और भाजपा नेता श्री मनीष पांडे के द्वारा सम्मानित भी किया गया। सभी जीते हुए कस्टमर्स को आकर्षक उपहार भी उर्मिला पम्प के संचालक की तरफ से दिया गया, जिससे कस्टमर्स में काफी खुशी और उत्साह देखने को मिला। श्री पांडेय ने बताया कि उर्मिला सर्विस स्टेशन और इंडियन ऑयल साल भर समय समय पर लगातार ऐसी योजनाएँ चलाते रहते है जिससे कस्टमर्स को आकर्षक इनाम जीतने का मौका मिलता है, साथ ही ग्राहकों के साथ उत्सव और जुडाव की भावना बनी रहती है। ईनाम जीतने वालों में विकी कुमार- 5000/-, राकेश- 1000/-, और आशीष, कृष्णा कुमार, हीरालाल यादव, साहिल रब, अशोक गुप्ता एवं हरिकीसन को 500-500/- शामिल है। उन्होंने जनता से अनुरोध किया कि अधिक से अधिक लोग हमारे पम्प के साथ जुड़े और ऐसी लाभदायक स्कीम्स का लाभ ले। मौके पर अरुण महतो, चंदन घोष, किट्टू महतो, गोपाल, पूजा, मनीषा, चंदन, विजेंद्र, दीपक और अनेकों कस्टमर्स उपस्थित थे।

बीएसएल के एसएमएस-न्यू विभाग में सड़क एवं कार्यस्थल सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र में सड़क एवं कार्यस्थल सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा ह्लसुरक्षा सर्वप्रथमह्व की भावना को कार्य संस्कृति में प्रभावी रूप से आत्मसात करने के उद्देश्य से निरंतर विविध प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है. इसी क्रम में एसएमएस-न्यू विभाग द्वारा सुरक्षा जागरूकता संवाद कार्यक्रम तथा प्लांट प्लाजा रोड पर विशेष मानव श्रृंखला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कर्मियों में सुरक्षा चेतना को सशक्त बनाना और सड़क एवं कार्यस्थल सुरक्षा को दैनिक कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाना रहा.

सुरक्षा जागरूकता संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अनुप कुमार दत्त उपस्थित रहे. उनके साथ मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) श्री बी. के.सरतापे, मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-न्यू) श्री पी. वी. राव सहित एसएमएस-न्यू एवं सुरक्षा अभियंत्रण विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ठेका श्रमिक उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अनुप कुमार दत्त ने एसएमएस-न्यू विभाग में कार्यरत कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों से सीधा संवाद किया. उन्होंने सभी कर्मियों से सुरक्षित कार्य व्यवहार अपनाने और प्रत्येक परिस्थिति में सतर्क रहने का आह्वान किया. श्री दत्त ने सुरक्षित, स्वस्थ एवं दुर्घटना-मुक्त कार्य वातावरण सुनिश्चित करने पर विशेष बल देते हुए कहा कि सुरक्षा के प्रति जागरूकता ही सतत उत्पादन और संगठन की प्रगति की आधारशिला है.

संवाद सत्र के दौरान उन्होंने उपस्थित कर्मियों से सुरक्षा से संबंधित सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त किए तथा अपने अनुभव भी साझा किए. इस अवसर पर कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए सुरक्षित कार्य परिवेश को और अधिक सुदृढ़ बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा ह्लशून्य-दुर्घटना कार्यस्थलह्व की दिशा में निरंतर प्रयास जारी रखने का संकल्प दोहराया. वहीं, प्लांट प्लाजा रोड पर आयोजित मानव श्रृंखला कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों ने सुरक्षा संदेशों से युक्त तख्तियाँ के माध्यम से सड़क एवं कार्यस्थल दोनों पर सतर्कता, अनुशासन एवं जिम्मेदार व्यवहार का सशक्त संदेश दिया.

एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल में तंबाकू नियंत्रण व मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता सेमिनार

बिभा संवाददाता

बोकारो : सेक्टर चार एफ स्थित एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। सदर अस्पताल के मनोचिकित्सक डॉ. प्रशांत कुमार मिश्रा ने सकारात्मक व नकारात्मक तनाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सकारात्मक तनाव समस्याओं का सामना करने के लिए प्रेरित करता है। तनाव मुक्ति के लिए समय प्रबंधन, सुगंध का सहारा, गर्म पानी से स्नान, योग और शराब से पूर्ण परहेज की सलाह दी। उन्होंने चेतावनी दी कि सामान्य तनाव भी गंभीर बीमारियां जन्म देता है, इसलिए छोटी बातों को मन पर हावी न होने दें तथा सामाजिक तालमेल बनाए रखें ।जिला परामर्शी मो. असलम ने तंबाकू के दुष्प्रभाव बताते हुए कहा कि भारत में 27.50 करोड़ लोग तंबाकू का सेवन करते हैं, जिसमें झारखंड के 5.1 प्रतिशत बच्चे 13-15 वर्ष की आयु में ही इसकी लत के शिकार हो जाते हैं। निकोटीन से हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, फेफड़े-मुंह-गले का कैंसर, दांत खराब होना, बाल झड़ना, मोतियाबिंद व अस्थमा जैसी बीमारियां होती हैं। उन्होंने नशा मुक्ति केंद्रों की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी तथा शिक्षण संस्थानों में तंबाकू सेवन व विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध की याद दिलाई ।प्राचार्य फादर डॉ. जोशी वर्गीस ने कहा कि इस कार्यक्रम से युवा पीढ़ी को जागरूक किया जा सकता है तथा उन्हें सतर्क रहना चाहिए। सेमिनार में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई, जिसमें श्रेया रंजन, मो. ख्वाजा, शानवी, वंश राज व सईद अंसारी ने सटीक उत्तर देकर प्रशंसा बटोरी। मौके पर उप प्राचार्य छोटेलाल दास, राखी बनर्जी, हेडमिस्ट्रेस सपना जोशी सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

9 फरवरी तक मांगें पूरी नहीं हुई तो होगा चक्काजाम: राजेंद्र सिंह

बिभा संवाददाता

बोकारो। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) बोकारो इस्पात संयंत्र के प्रबंधन की कथित निरंकुश नीतियों, शोषण, बंधुआ मजदूरी और दास प्रथा के खिलाफ गुरुवार को मजदूरों ने कार्यकारी निदेशक (कार्य) के कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। क्रांतिकारी इस्पात मजदूर संघ (संघर्ष) से संबद्ध हिंद मजदूर सभा और स्टील, मेटल एंड इंजीनियरिंग वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व में आयोजित इस विराट आक्रोश प्रदर्शन में संयंत्र के विभिन्न विभागों से सैकड़ों मजदूर शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने प्रबंधन के खिलाफ तीखी नारेबाजी की।प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संघ के महामंत्री व एनजेसीएस सदस्य राजेंद्र सिंह ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की नई श्रम नीतियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ?विदेशी दबाव और मित्र औद्योगिक घरानों को खुश करने के लिए लाई गई यह नीति मजदूर वर्ग को गुलाम बनाने की साजिश है। सिंह ने सेल बोकारो प्रबंधन पर शोषण और तानाशाही का आरोप लगाते हुए कहा कि मजदूर रिकॉर्ड उत्पादन कर रहे हैं, लेकिन प्रबंधन अंग्रेजी शासनकाल के रिकॉर्ड तोड़ने को तत्पर है।उन्होंने वेज रिवीजन एमओयू में हेरफेर, अफोर्डेबिलिटी क्लॉज का बहाना, इंसेंटिव रिवॉर्ड स्कीम में देरी, एबीसी ग्रेडिंग से मैनपावर घटाने की साजिश, प्रमोशन और इंक्रीमेंट पर कैंची चलाने की योजना का जिक्र किया। सिंह ने चेतावनी दी, ग्रेडिंग सिस्टम मंजूर नहीं। 240 दिन उपस्थिति पर प्रमोशन हमारा हक है, छेड़छाड़ हुई तो प्रबंधन अंजाम भरेगा।?ठेका मजदूरों के शोषण पर सिंह ने कहा कि ईएसआईसी से बाहर मजदूरों के परिवार के इलाज के लिए वैकल्पिक हेल्थ इंश्योरेंस का वादा किया गया था, लेकिन केवल 2000 रुपये का ओपीडी दिया गया। अनस्किल्ड मजदूरों से स्किल्ड काम लिया जा रहा है, पीएफ में एडवांस वेज को शामिल न करने और ग्रेच्युटी जैसे अधिकारों से वंचित रखने का आरोप लगाया। उन्होंने नगर प्रशासन पर भ्रष्टाचार, अस्पताल की बदहाली, शिक्षा व्यवस्था के पतन और निजी स्कूलों के दोहन का भी आरोप लगाया।अंत में सिंह ने प्रबंधन को चेतावनी दी, ?पानी सर के ऊपर है। सहायक श्रमायुक्त के समक्ष लिखित वादों को लागू करें, वरना 9 फरवरी को वार्ता के बाद मजदूर सीधी कार्रवाई को बाध्य होंगे।?प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और मजदूर अपनी मांगों पर अडिग दिखे। प्रबंधन की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

वेदांता लिमिटेड का दमदार प्रदर्शन: तीसरी तिमाही में मुनाफा 60% बढ़कर 7,807 करोड़

बिभा संवाददाता

बोकारो : वेदांता लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में शानदार नतीजे दर्ज किए हैं। कंपनी का कर के बाद मुनाफा सालाना आधार पर 60 फीसदी बढ़कर 7,807 करोड़ हो गया है। इस तिमाही में कंपनी की आय 45,899 करोड़ रही, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 19 फीसदी अधिक है। वहीं, कंपनी का EBITDA 15,171 करोड़ दर्ज किया गया, जिसमें 34 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। बेहतर संचालन और लागत नियंत्रण के चलते EBITDA मार्जिन बढ़कर 41 फीसदी तक पहुँच गया।

वेदांता की वित्तीय स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। कंपनी का नेट कर्ज.बनाम EBITDA अनुपात 1.40 गुना से घटकर 1.23 गुना रह गया है। वहीं, निवेश पर मिलने वाला रिटर्न 27 फीसदी रहा।

कंपनी ने वित्त वर्ष 26 के पहले नौ महीनों में विकास और विस्तार कार्यों पर करीब 1.3 अरब डॉलर का निवेश किया है। इस दौरान वेदांता के सभी प्रमुख कारोबारों में मजबूत और रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया गया।

एलुमिना उत्पादन 57 फीसदी बढ़कर 794 किलोटन पहुँचा,जिंक इंडिया में खनन और परिष्कृत धातु उत्पादन में बढ़ोतरी हुई,आयरन ओर और पिग आयरन उत्पादन में इजाफा दर्ज किया गया,कॉपर कैथोड का उत्पादन पिछले सात सालों में सबसे अधिक रहा,पावर कारोबार में बिक्री 61 फीसदी बढ़ी।

तिमाही के दौरान वेदांता को अपने प्रस्तावित डीमर्जर के लिए माननीय एनसीएलटी से मंजूरी मिली है। इसके बाद CRISIL और ICRA ने कंपनी की AA क्रेडिट रेटिंग को बरकरार रखा है।

कंपनी के शेयरों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है और इस तिमाही में निवेशकों को करीब 30 फीसदी का रिटर्न मिला है। वहीं, पिछले पाँच वर्षों में वेदांता ने निवेशकों को 428 फीसदी का कुल रिटर्न दिया है।

वेदांता लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अरुण मिश्रा ने कहा कि यह तिमाही कंपनी के लिए बेहद अहम रही है। सभी प्रमुख कारोबार में रिकॉर्ड प्रदर्शन के साथ डीमर्जर की मंजूरी वेदांता के अगले विकास चरण की मजबूत नींव रखती है।

वहीं, कंपनी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर अजय गोयल ने कहा कि मुनाफे, आय और EBITDA में हुई बढ़ोतरी से कंपनी की वित्तीय मजबूती और बाजार का भरोसा साफ झलकता है।

पर्वतपुर में सवर्ण एकता मंच की बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

बोकारो : चंदनकियारी विधानसभा के पर्वतपुर ग्रामीण हटिया परिसर पर यूजीसी काला कानून के विरोध में सवर्ण एकता मंच की बैठक इंद्रजीत दुबे की अध्यक्षता में हुई । संचालन अंकेश कुमार सिंह ने किया। लोगों ने नरेंद्र मोदी - अमित शाह हाय हाय, यूजीसी काला कानून आपस करो, हिंदुओं को आपस में लड़ना बंद करें । एक फरवरीको आहुत भारत बंद पर विचार विमर्श किया गया तथा बंद में शामिल होकर जोरदार तरीके से विरोध प्रदर्शन कर बंदी को सफल करने का कार्य किया जायेगा? ।बैठक में राकेश मुखर्जी, अनुप घौषाल, संतोष तिवारी,जगबंधु जोशी, बाबुल कुमार दुबे, प्रबीर मुखर्जी, मनोजकुमार चौबे, खोखन तिवारी, बासुदेव पाठक, बीके दशौंधी, प्रदीप सिंह, बिकास सिंह, बिजय सिंह, राहुल कुमार , बासुदेव, दिनेश तिवारी, अज्ञात पाठक, रामप्रसाद पांडेय सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

राज्यपाल ने झारखंड माइनिंग और कंस्ट्रक्शन शो का किया उद्घाटन, बोले-देश के खनन क्षेत्र में झारखंड की भूमिका अहम

बिभा संवाददाता

रांची। ओलंपिया एग्जिबिशन प्राइवेट लिमिटेड के तत्वावधान में प्रभात तारा मैदान में आयोजित तीन दिवसीय द्वितीय संस्करण झारखंड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शो-2026 का उद्घाटन गुरूवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि झारखंड प्राकृतिक एवं खनिज संसाधनों से अत्यन्त समृद्ध राज्य है और देश के खनन क्षेत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। देश के कुल खनिज संसाधनों का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा झारखंड में पाया जाता है, जिससे राज्य में औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की यह पावन धरती सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ-साथ राष्ट्र को विभिन्न क्षेत्रों में नई दिशा प्रदान कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश ह्यआत्मनिर्भर एवं सशक्त भारतह्न के संकल्प के साथ ह्यविकसित भारत एट द रेट 2047ह्न के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, जिसमें झारखंड की भी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह स्पष्ट दृष्टिकोण है कि संसाधनों का उपयोग केवल आर्थिक लाभ तक सीमित न रहे, बल्कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शोझ्र2026 केवल खनन गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तरदायी एवं तकनीक आधारित खनन, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, श्रम-कल्याण, अधोसंरचना विकास, निवेश संवर्धन तथा रोजगार सृजन जैसे समकालीन विषयों को भी समाहित करता है। उन्होंने विकास और पर्यावरण, उद्योग और श्रमिक हित तथा आर्थिक प्रगति और सामाजिक संतुलन के बीच समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र का भविष्य सतत विकास, पारदर्शिता और सामाजिक उत्तरदायित्व पर आधारित होना चाहिए। श्रमिकों की सुरक्षा, उनके कल्याण, कौशल विकास और सम्मानजनक जीवन-स्तर सुनिश्चित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। साथ ही, कंपनियों को कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत जन-कल्याण को प्राथमिकता देनी चाहिए।

पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने कहा कि माइनिंग सेक्टर में झारखंड की अहमियत अधिक है। यहां माइनिंग सेक्टर की असीम संभावना है। माइनिंग सेक्टर में लगातार बदलाव आ रहा है। अभी एक बिलियन टन कोयला का खनन हो रहा है। अब कोयला आयत की जगह पर निर्यात करने की बात हो रही है। स्टील में प्रोडक्शन लगातार बढ़ रहा है। माइनिंग सेक्टर में छोटे-छोटे माइनर भी आ रहे हैं, जो विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देंगे।

ओलंपिया एग्जिबिशन प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन लोकेश चौधरी और सीईओ एसके त्रिपाठी ने कहा कि खनन, निर्माण और बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़े उद्योगों के लिए रांची में दूसरी बार झारखंड माइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन शो 2026 का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में माइनिंग, मिनरल्स, कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, पावर, स्टील, सीमेंट और सहायक उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी। देश-विदेश की 100 से अधिक अग्रणी कंपनियां अपनी नवीनतम मशीनरी, तकनीक और औद्योगिक समाधान प्रदर्शित कर रही है। उन्होंने बताया कि इस शो का उद्देश्य सरकारी विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, निजी कंपनियों, निवेशकों और नीति-निमार्ताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। इससे झारखंड में औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन को नई गति मिलेगी। खनिज संसाधनों से समृद्ध झारखंड के लिए यह आयोजन राज्य की औद्योगिक क्षमता को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का अहम मंच बनेगा।

उद्घाटन समारोह में सीसीएल, सीएमपीडीआइ, बीसीसीएल, मेकॉन, झारखंड सरकार के जियोलॉजी विभाग के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण लघु उद्योग भारती के पूर्व अध्यक्ष विजय छापरिया ने कियाा। इस अवसर पर एमएसएमई झारखंड के इंद्रजीत यादव, डीजीएमएस के निदेशक अजीत कुमार, लघु उद्योग भारती के उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश पांडे, ललित केडिया, सरिता पांडे समेत अन्य लोग मौजूद थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निवार्ची पदाधिकारीयों के कक्ष का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : नगर निगम चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने आज समाहरणालय भवन में संचालित निवार्ची पदाधिकारीयों के कक्ष का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां चल रहे कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

इस क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कक्ष में तैनात कर्मियों से अब तक किए गए कार्यों तथा आगामी तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी कार्यों का निष्पादन समयबद्ध, त्रुटिरहित एवं पारदर्शी तरीके से करने पर विशेष बल दिया। श्री सिंह ने स्पष्ट किया कि नगर निगम चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुचारू ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

जिला प्रशासन ने 'रन फॉर रोड सेफ्टी' के साथ दिया सुरक्षित सफर का संदेश

हजारीबाग (बिभा): सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आज जिला परिवहन कार्यालय द्वारा 'रन फॉर रोड सेफ्टी' का सफल आयोजन किया गया। उपायुक्त के द्वारा हरी झंडी दिखाकर दौड़ की शुरूआत की और स्वयं भी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में परिवहन विभाग के अधिकारियों सहित पुलिस प्रशासन और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया ।सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और यातायात नियमों के पालन के प्रति लोगों को जागरूक करना। उपायुक्त ने अपने संबोधन में हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने और ओवरस्पीडिंग से बचने की अपील की। प्रतिभागीः स्कूली छात्र-छात्राओं, युवाओं और सामाजिक कार्यकताओं ने दौड़ पूरी कर सड़क सुरक्षा की शपथ ली ।परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि ऐसे आयोजनों से आम जनता में यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदारी का भाव पैदा होता है, जो सुरक्षित भविष्य के लिए अनिवार्य है।

स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में साइबर सिक्योरिटी एवं डिजिटल सेफ्टी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हजारीबाग(बिभा): स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हजारीबाग में साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस एवं डिजिटल सेफ्टी विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकगण को डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग तथा ऑनलाइन अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करना था। कार्यशाला में साइबर सिक्योरिटी एवं डिजिटल फॉरेंसिक इन्वेस्टिगेटर के विशेषज्ञों द्वारा साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकार, डिजिटल फॉरेंसिक जांच की प्रक्रिया, सोशल मीडिया की सुरक्षा, फिशिंग कॉल व लिंक से बचाव, ऑनलाइन फ्रॉड, डिजिटल लेन-देन में सावधानियाँ, डेटा गोपनीयता तथा मजबूत पासवर्ड के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई ।कॉलेज की प्राचार्या ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ डिजिटल सुरक्षा की जानकारी अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार की कार्यशालाएँ विद्यार्थियों को डिजिटल रूप से सक्षम, जागरूक एवं सुरक्षित नागरिक बनाने में सहायक सिद्ध होती हैं ।कार्यशाला में छात्र-छात्राओं, शिक्षकगण एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तथा कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

चौपारण थाना क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती का विनष्टीकरण, लगभग 100 एकड़ में लगी फसल नष्ट

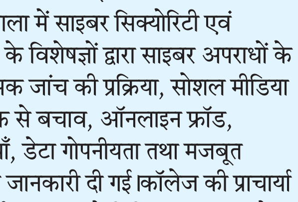

हजारीबाग(बिभा): चौपारण थाना अंतर्गत ग्राम अंजन में वन विभाग एवं चौपरण पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान लगभग अंजन के बिभिन इलाका में करीब 100 एकड़ में अवैध रूप से लगी अफीम की खेती को चिन्हित करते हुए मौके पर ही विनष्ट कर दिया गया। घटनास्थल से निम्नलिखित वस्तुएँ बरामद कर मौके पर ही नष्ट की गईं। अवैध रूप से अफीम की खेती करने वाले व्यक्तियों के नाम-पता का सत्यापन किया जा रहा है। दोषियों की पहचान के उपरान्त उनके विरुद्ध कांड दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले को लेकर अग्रतर कार्रवाई जारी है। उल्लेखनीय है कि ड्रोन के माध्यम से दुर्गम इलाका को चिन्हित कर विनिष्ट किया जा रहा है । अवैध मादक पदार्थों की खेती एवं तस्करी के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नगरपालिका आम निर्वाचन को लेकर 6 फरवरी तक सभी अनुज्ञप्तिधारियों को शस्त्र जमा करने का निर्देश

हजारीबाग(बिभा): आगामी नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 को स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह ने शस्त्र अधिनियम, 1962 की धारा 46 (21) के अंतर्गत निर्देश जारी किया गया है। निर्देश के अनुसार हजारीबाग जिला के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों को अपने-अपने शस्त्र दिनांक 06.02.2026 तक अनिवार्य रूप से अपने संबंधित थाना / ओ०पी० तथा अधिकृत शस्त्र विक्रेता के पास जमा करना होगा। शस्त्र जमा करते समय थाना प्रभारी / ओ०पी० प्रभारी एवं शस्त्र विक्रेता द्वारा शस्त्रों को सुरक्षित रूप से जमा कर अनुज्ञप्तिधारियों को पावती रसीद प्रदान की जाएगी। साथ ही, शस्त्रों के जमा किए जाने से संबंधित प्रतिवेदन जिला शस्त्र शाखा, हजारीबाग को ससमय उपलब्ध कराया जाएगा।

उपायुक्त ने अवैध खनन करने वाले व्यक्ति पर कठोर एवं दंडात्मक कार्रवाई करने का दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

लातेहार: जिले में अवैध खनन के रोक थाम को लेकर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त ने अवैध खनन, परिवहन व भंडारण की रोकथाम के लिए पूर्व के बैठक में लिए गए निदेशों के आलोक में हुए कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया ।इस दौरान जिला खनन पदाधिकारी द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि दिनांक 30.12.2025 से अब तक अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध 45 निरीक्षण किए गए हैं, जिनमें 41 वाहनों को जब्त कर 02 प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा 3 लाख 66 हजार रुपए जुमार्ना राशि की वसूली की गई ।उपायुक्त ने जिला अंतर्गत अवैध खनन भंडारण एवं परिवहन रोकने को लेकर संबंधित पदाधिकारियों, थाना प्रभारियों को संयुक्त रूप से औचक छापेमारी करने एवं इसमें संलग्न व्यक्तियों पर कारवाई करने का निर्देश दिया एवं अनियमितता पाए जाने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने की बात कही गई।

जिले में अफीम, गांजा की अवैध खेती को चिह्नित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें: उपायुक्त

लातेहार : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के संयुक्त अध्यक्षता में जिला स्तरीय (ठउडफ्र) समिति की बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने वर्तमान में अवैध अफीम की खेती की विनष्टीकरण की जानकारी लेते हुए संबंधित अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी को संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को और भी अधिक प्रभावी ढंग से लागू किए जाएं। बैठक में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध व्यापार तथा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के रोकथाम हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि सरकार की ह्लनशा मुक्त समाजह्व की परिकल्पना को साकार करने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है और किसी भी परिस्थिति में अवैध खेती या मादक पदार्थों के प्रसार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

समीक्षा के क्रम में जिला अंतर्गत कोयला व बालू के अवैध खनन, परिवहन व भंडारण, जांच, रॉयल्टी संग्रहण, आदि की गहन समीक्षा कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया। बैठक में उपायुक्त ने प्रखंड वार विस्तृत समीक्षा करते हुए जिला के सभी वन प्रक्षेत्र, अंचल अन्तर्गत अवैध उत्खनन, प्रेषण के रोकथाम हेतु स्थलीय निरीक्षण / छापामारी में तेजी लाते हुए उसकी संख्या में बढ़ोत्तरी कर सघन कार्रवाई करने तथा छापामारी के क्रम में अवैध संबंधी मामला पाये जाने पर उसमें संलिप्त अवैध खननकताओं /परिवहनकर्ता के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया ।पुलिस अधीक्षक द्वारा संबन्धित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को उनके क्षेत्र में एक भी वाहन से अवैध खनन नहीं होने देना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इसके लिए उन्होंने दोषियों को पकड़ते हुए तुरंत उन पर एफआईआर दर्ज करने एवं संबंधित पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रवेश अग्रवाल, अपर समाहर्ता रामा रविदास, जिला खनन पदाधिकारी नदीम सफी, कोल कंपनियों के प्रतिनिधि एवं सभी अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी, अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे'

झामुमो जिला अध्यक्ष ने नगर निकाय चुनाव अध्यक्ष पद के लिए विलासी टोपनो को किया घोषित

बिभा संवाददाता

लातेहार : झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव के नेतृत्व एवं झामुमो केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व शिक्षा एवं मद निषेद मंत्री बैद्यनाथ राम के गरिमामय उपस्थित में लातेहार जिला झामुमो कार्यालय में नगर पंचायत चुनाव को लेकर बैठक सह प्रेसवार्ता आयोजित हुई। बैठक में नगर निकाय चुनाव के अध्यक्ष पद हेतु झामुमो समर्थित उम्मीदवार विलासी टोपनो के नाम की औपचारिक घोषणा की गई। इस मौके पर 20 सूत्रीय जिला उपाध्यक्ष अरुण दुबे , जिला सचिव बुद्धेश्वर उरांव, पूर्व विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव, जिप सदस्य विनोद उरांव, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रीना उरांव, केंद्रीय सदस्य ममता सिंह, जीरा देवी, सुदामा प्रसाद, रेखा देवी, गीता देवी, अंजली देवी अहद खान, अरशद खान, दीपक कुमार, सहित कई लोग उपस्थित है।

21 दिवसीय प्रवचन का आयोजन 31 जनवरी से

बिभा संवाददाता

रामगढ़: जगद्गुरुतम स्वामी श्री कृपालु जी महाराज के मुख्य प्रचारक स्वामी युगल शरण जी द्वारा विलक्षण दार्शनिक धारावाहिक 21 दिवसीय प्रवचन का आयोजन रामगढ़ शहर के छावनी फुटबॉल मैदान में 31 जनवरी से 20 फरवरी तक शाम 5.30 बजे से 7.30 बजे तक किया जा रहा है। सनातन धर्म के वास्तविक मर्म को जन जन तक पहुंचाना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। सभी सनातनी के पास ये जानकारी पहुंचा सके इसलिए शहर प्रत्येक घर में पर्ची बाटी जा रही है ताकि सभी रामगढ़ वासी इसका लाभ ले सके। स्वामी जी के विषय में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कैसे वैज्ञानिक से

संन्यासी बनने की यात्रा तय की। तेजी से बदलते हुए इस आध्यात्मिक युग में, स्वामी जी की शिक्षाएँ विज्ञान और अध्यात्म के बीच एक सेतु का कार्य कर रही हैं, और आत्माओं को आत्मबोध की ओर मार्गदर्शित कर रही हैं। उनकी शिक्षाएँ लोगों को एक ऐसा अनुभव प्रदान करती हैं जो उन्हें उनकी वास्तविक आत्मा से जोड़ देती है, और उन्हें वही बनने में सहायता करती हैं, जो वे वास्तव में हैं।

आज फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित प्रेस वार्ता में गदाधर सेनापति, विकास कुमार, मनोहर लाल, राज कुमार, नवीन कुमार, मनीष कुमार, सुभांशु दास, शिखा घोष, महेश अग्रवाल (पप्पू जी) व दिनेश कुमार उपस्थित थे।

इटखोरी में 1 फरवरी से पंचकल्याणक महोत्सव, 6 फरवरी तक होंगे धार्मिक अनुष्ठान

बिभा संवाददाता

हजारीबाग/इटखोरी : जैन धर्म के 10वें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ की जन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर में 1 फरवरी से पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महा मस्तकाभिषेक महोत्सव का आयोजन होगा। महोत्सव का समापन 6 फरवरी को किया जाएगा ।शीतलनाथ तीर्थ क्षेत्र कमेटी के महामंत्री सुरेश झांझरी ने बताया कि महोत्सव में आचार्य श्री 108 भद्रवाहु सागर जी महाराज ससंघ एवं कर्मयोगी पीठाधीश स्वस्ति श्री रविंद्रकीर्ति स्वामी जी का सान्निध्य प्राप्त होगा ।कार्यक्रम को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। उन्होंने बताया कि देश के विभिन्न

राज्यों से बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु इटखोरी पहुंचेंगे। जिला प्रशासन एवं स्थानीय लोगों के सहयोग से मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है। पूरे जैन मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए कई भव्य तोरण द्वार बनाए गए हैं ।1 फरवरी को सुबह 7 बजे श्रीजी का अभिषेक होगा। 7:30 बजे देव आज्ञा, गुरु आज्ञा एवं आचार्य निमंत्रण, 7:45 बजे घट यात्रा, मंडप शुद्धि व वेदी शुद्धि होगी ।9:30 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। 10:15 बजे आचार्य श्री का प्रवचन होगा। 11 बजे दिव्य स्नान होगा। दोपहर 1:30 बजे भगवान विराजमान, कलश स्थापना, अखंड दीप प्रज्वलन, मंडप प्रतिष्ठा, सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा एवं यज्ञ दीक्षा का आयोजन होगा ।शाम 6:30 बजे श्रीजी की आरती एवं भक्ति होगी। 7 बजे माता की गोद भराई व माता-पिता सम्मान किया जाएगा। रात 8 बजे गर्भ कल्याणक का मंचन, अष्ट कुमारिकाओं का आगमन सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रम होंगे ।कार्यालय को लेकर उत्साह उमंग काफी दिख रहा है!

श्याम बाबा को श्रृंगार मन भावे, हर ग्यारस कि रात जगाते हैं जेसे भजनों कि अमृतवर्षा के श्री श्याम मंदिर का प्रथम वार्षिकोत्सव संपन्न

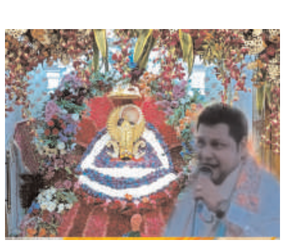

प्रकाश पटवारी

रामगढ़: रामगढ़ स्थित श्री श्याम मंदिर के प्रथम वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन आज प्रातः 11:00 बजे से सुंदरकांड पाठ का आयोजन से शुरू हुआ । सुंदर कांड के पाठ में रामगढ़ 500 से अधिक श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। पाठ वाचक के रूप में पंडित घनश्याम व्यास कोलकाता द्वारा किया गया।

इसी बीच 11:30 बजे से अटूट भंडारा प्रभु को भोग लगा कर चालु किया गया। जो निर्धारित दो बजे के बजाय 4:00 बजे के बाद भी जारी रहा। श्री श्याम मंदिर के प्रथम वार्षिकोत्सव में आयोजित भंडारे में श्रृद्धालुओं कि लंबी कतार लगी रही।

वार्षिकोत्सव व एकादशी के भक्तिमय संकीर्तन संध्या 5:00 बजे मुख्य पुजारी पंकज पांडे द्वारा यजमानों के द्वारा गणेश पूजन कराया गया। जिसमें विष्णु पोद्दार संजय अग्रवाल (मथुरा) ,मुकेश बोंदिया ,ऋषभ पटवारी ,रितिक परशुरामपुरिया, सहित सभी यजमानों ने सामूहिक रूप से पूजा में भाग लिया । श्री श्याम ज्योत प्रज्वलित के पश्चात भजन गायक सह प्रवक्ता कमल बगड़िया द्वारा श्री श्याम चौराशी का पाठ भक्तों के साथ किया गया। श्री श्याम अरदास मंडल के युवा सदस्यों ने भी अपने भजनों से बाबा का श्रृंगार किया।

इसके बाद अयोध्या कि बंकू सिस्टरस अपने निराले अंदाज में भजनों से भावुक किया। रात्रिमें 10:30 बजे से लव अग्रवाल कोलकाता द्वारा हर ग्यारस कि रात जगाते हैं, श्याम बाबा को श्रृंगार मन भावे, उस बांसुरी वाले की लीले घोड़े वाले की गोदी में सो जाऊं आदि अनेक भजनों व फाल्गुन धमाल पर उपस्थित श्रद्धालु भाव मग्न हो झुमते रहे। देर रात्रि आरती के साथ प्रथम वार्षिकोत्सव सम्पूर्ण हुआ।

श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव में कार्यक्रम संयोजक विनय अग्रवाल, सांवरमल अग्रवाल , अनिल अग्रवाल, ट्रस्ट परिवार से रमेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल (पथरवा) ,मुरारी अग्रवाल, शिवकुमार अग्रवाल, विकास अग्रवाल ,शंकर अग्रवाल, संजय चौधरी ,शंभू पटवारी, राजेश पटवारी ,इंद्र अग्रवाल ,मनीष अग्रवाल ,दीपक पंसारी ,मनोज मित्तल, आनंद अग्रवाल ,सोनू पटवारी एवं अनेक सैकड़ो भक्त इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोयोग से जुटे रहे। पुरा मंदिर व दरबार कि सजावट भगवान जगन्नाथ को समर्पित था। जिसकी खूबसूरती देखकर लोग मोहित हो रहे थे ।कोलकाता से आए हुए कलाकारों ने फूलों की एवं बाहर से अंदर तक दरबार की सजावट की जो कि मनमोहक थी ।बाबा श्याम की यह महिमा दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है क्योंकि जो भी इनकी द्वार पर आता है उसकी इच्छा निश्चित रूप से पूर्ण होती है।

डीपीएल सीजन-2 में खेल का जुनून बरकरार, 27 मुकाबले पूरे

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : डीपीएल सीजन-2 लगातार खेल प्रेमियों और खासकर युवाओं के बीच एक अलग ही जोश और उत्साह पैदा कर रहा है। टूर्नामेंट जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे खिलाड़ियों,आयोजकों और दर्शकों में खेल के प्रति समर्पण और जुनून और भी प्रबल होता जा रहा है। गुरुवार को मैच के अंतर्गत दो मुकाबले खेले गए,जो मैच संख्या 26 और 27 रहे। इसके साथ ही अब तक कुल 27 मैच सफ्लतापूर्वक संपन्न हो चुके हैं। मैदान पर खिलाड़ियों की ऊर्जा, टीम भावना और खेल भावना साफ तौर पर नजर आ रही है।

गुरुवार दिन का पहला मुकाबला हिंदुस्तान और राइडर्स पॉइंट के बीच खेला गया। टॉस जीतकर हिंदुस्तान टीम ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए राइडर्स पॉइंट की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 161 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हिंदुस्तान टीम ने आखिरी ओवर तक कड़ा संघर्ष किया, लेकिन 20 ओवर में 8 विकेट पर 160 रन ही बना सकी। इस तरह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और राइडर्स पॉइंट ने 1 रन से जीत दर्ज की। शानदार प्रदर्शन के लिए एमडी रोजिद आलम को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

गुरुवार दिन का दूसरा मुकाबला क्रॉप्स एंड बॉबर्स और आरोग्यम टीम के बीच खेला गया। इस मैच में आरोग्यम टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 149 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी क्रॉप्स एंड बॉबर्स की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और केवल 17 ओवर में ही निर्धारित लक्ष्य हासिल कर लिया। दमदार खेल के लिए धीरज सप्तका को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26: आत्मनिर्भर भारत की विकास का नया अध्याय

विनोद कुमार सिंह

भारत की अर्थव्यवस्था ने बीते वर्षों में जिस प्रकार वैश्विक संकटों, महामारी के प्रभावों और अंतरराष्ट्रीय अस्थिरताओं के बावजूद स्थिरता बनाए रखी है,वह अपने आप में प्रेरणादायी है। सर्वेक्षण बताता है कि भारत अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक विकास का एक प्रमुख इंजन बनता जा रहा है।

भारत की आर्थिक विकास यात्रा केवल आँकड़ों और बजट घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उस राष्ट्र की जीवंत कथा है जो निरंतर संघर्ष,नवाचार और आत्मविश्वास के सहारे वैश्विक मंच पर अपनी पहचान को मजबूत करता जा रहा है।वित्त मंत्रालय द्वारा जारी भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 इसी विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है,जो न केवल देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करता है, बल्कि भविष्य की संभावनाओं, चुनौतियों और अवसरों की स्पष्ट रूपरेखा भी प्रस्तुत करता है।आर्थिक सर्वेक्षण किसी भी देश के लिए एक दर्पण की तरह होता है, जिसमें बीते वर्ष की उपलब्धियाँ, आर्थिक सुधारों की दिशा और आने वाले वर्षों की विकास रणनीति प्रतिबिंबित होती है। वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण भारत की उस परिवर्तनशील तस्वीर को सामने लाता है,जहाँ देश तेजी से विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति को सुदृढ़ कर रहा है।

भारत की अर्थव्यवस्था ने बीते वर्षों में जिस प्रकार वैश्विक संकटों, महामारी के प्रभावों और अंतरराष्ट्रीय अस्थिरताओं के बावजूद स्थिरता बनाए रखी है,वह अपने आप में प्रेरणादायी है। सर्वेक्षण बताता है कि भारत अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक विकास का एक प्रमुख इंजन बनता जा रहा है।

देश की आर्थिक वृद्धि दर में निरंतर मजबूती देखी गई है। विनिर्माण, सेवा क्षेत्र,कृषि,डिजिटल अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढाँचे में हो रहे तीव्र निवेश ने भारत की विकास गति को नई ऊर्जा दी है। आर्थिक सर्वेक्षण यह संकेत देता है कि भारत आने वाले वर्षों में विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा।

इस सर्वेक्षण में सरकार की नीतियों और सुधारों का विशेष उल्लेख है, जिन्होंने निवेश वातावरण को अधिक अनुकूल बनाया है। 'मेक इन इंडिया' ,'आत्मनिर्भर भारत', 'डिजिटल इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' .जैसी पहलों ने भारत को नवाचार और उद्यमिता का वैश्विक केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारत की अर्थव्यवस्था पिछले कई वर्षों से वैश्विक मंदी और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बीच भी मजबूत गति से आगे बढ़ रही है। वित्त मंत्रालय द्वारा 29 जनवरी 2026 को संसद में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 देश की आर्थिक प्रगति का विश्लेषण करता है और भविष्य के संभावित विकास मार्ग को स्पष्ट करता है।यह दस्तावेज न केवल आंकड़ों का संकलन है,बल्कि नीति निर्धारण और रणनीतिक सोच का मार्गदर्शक भी है।मैने अपने इस आलेख में मुख्यतः जी डी पी विकास दर, प्रमुख आर्थिक सेक्टरों के योगदान और सतत विकास की चुनौतियों पर चर्चा की जा रही है। भारत की जी डी पी विकास दर एक सकारात्मक परिदृश्य प्रस्तुत करती है। सर्वेक्षण और सरकारी अनुमानों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविक विकास दर करीब 7.4% रहने का अनुमान है,जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक गतिशीलता दशार्ता है।यह अनुमान सांख्यिकी मंत्रालय की प्रथम अग्रिम अनुमान रिपोर्ट से लिया गया है,जिसमें जी डी पी वृद्धि दर को 7.4% बताया गया है।इससे पहले कई अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने 6.3% से 6.8% की रेंज का अनुमान जताया था,लेकिन वास्तविक आंकड़ों और आर्थिक गतिविधियों के आधार पर यह रफ्तार बढ़ी है।इस 7.4% वृद्धि दर का अर्थ यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की प्रमुख बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी बनी हुई है,खासकर जब अन्य उभरती और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम है।यह वृद्धि घरेलू खपत, निवेश,विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की मजबूती के कारण संभव हुई है।आर्थिक ढाँचे की दृष्टि से जी डी पी की कुल वृद्धि को प्रभावित करने वाले प्रमुख सेक्टरों के आंकड़े आर्थिक सर्वेक्षण और सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट पर आधारित हैं। इनके माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि भारत की आर्थिक वृद्धि केन्द्रित और संतुलित है, न कि केवल एक या दो क्षेत्रों तक सीमित।सेवा क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण स्तंभ है।सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में सेवाओं का योगदान जी डी पी में सबसे ऊँचा रहा और यह क्षेत्र लगभग 9.9% की वृद्धि दर से आगे बढ़ा।इसमें वित्तीय सेवाएँ, रियल एस्टेट,पेशेवर सेवाएँ और प्रशासनिक सेवाएँ शामिल हैं। व्यापार,होटल,परिवहन और संचार जैसे सेवा क्षेत्रों ने भी 7.5% से अधिक वृद्धि दर दर्ज की।यह उच्च वृद्धि इस बात को दशार्ती है कि भारत में घरेलू मांग मजबूत है और उपभोक्ता खर्च तथा डिजिटल और वित्तीय सेवाओं के उपयोग में वृद्धि ने अर्थव्यवस्था की धुरी को और मजबूत किया है।डिजिटल अर्थव्यवस्था भारत की आर्थिक शक्ति का नया आधार बन चुकी है।यूपीआई,डिजिटल भुगतान, ई-गवर्नेंस और स्टार्टअप संस्कृति ने भारत को तकनीकी नेतृत्व की ओर अग्रसर किया है।डिजिटल सेवाओं का विस्तार केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा,बल्कि ग्रामीण भारत भी डिजिटल परिवर्तन की मुख्यधारा से जुड़ रहा है।भारत में विनिर्माण और निर्माण क्षेत्रों का विकास भी संतोषजनक रहा है। इन दोनों सेक्टरों का संयुक्त वृद्धि दर लगभग 7.0% दर्ज किया गया है,जिससे यह स्पष्ट होता है कि भारत की उत्पाद-आधारित वृद्धि में निरंतर सुधार हो रहा है। इसका विश्लेषण यह दिखाता है कि प्रधानमंत्री 'मेक इन इंडिया' पहल और उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का असर वास्तविक अर्थव्यवस्था में दिखाई दे रहा है। इन पहलों ने घरेलू विनिर्माण को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत को मजबूत स्थिति प्रदान की है।निर्माण क्षेत्र में भी तेज गति से विस्तार हुआ है। आवास, स्मार्ट सिटी परियोजनाएँ,सड़क और रेलवे नेटवर्क का विकास भारत की आधारभूत संरचना को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रहा है। इससे न केवल निवेश आकर्षित हो रहा है, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं।कृषि क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है।वित्तीय वर्ष 2025-26 में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की वृद्धि दर लगभग 3.1% रही, जो पिछले वर्षों की तुलना में स्थिरता का संकेत है।हालांकि कृषि का योगदान जी डी पी में सेवा और विनिर्माण की तुलना में कम है,इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण मांग का समर्थन,खाद्यान्न आपूर्ति की स्थिरता और ग्रामीण रोजगार में वृद्धि कृषि क्षेत्र की विशेष भूमिका को दशार्ते हैं।सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने,सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार,कृषि तकनीक के उपयोग और ग्रामीण बाजारों को सशक्त बनाने के प्रयास इस क्षेत्र को भविष्य में और मजबूत करेंगे।उपयोगिता सेवाओं जैसे बिजली, गैस,जल आपूर्ति और संबंधित क्षेत्रों में भी वृद्धि दर्ज की गई है,हालांकि यह लगभग 2.1% रही।यह अपेक्षित है क्योंकि इस क्षेत्र की वृद्धि आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी होती है।ऊर्जा क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देकर भारत हरित विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।जी डी पी विकास दर के अलावा आर्थिक सर्वेक्षण ने कुछ अन्य प्रमुख संकेतक भी सामने रखे हैं, जो समग्र आर्थिक स्वास्थ्य को दशार्ते हैं। वास्तविक निजी अंतिम उपभोग व्यय में वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 7.0% की वृद्धि दर्ज हुई,जो उपभोक्ता खर्च की उच्च गति का संकेत है।इसके अलावा स्थिर पूंजी निर्माण में लगभग 7.8% की वृद्धि हुई, जो निवेश गतिविधियों में सुधार का सूचक है। इससे यह स्पष्ट होता है कि न केवल उपभोक्ता मांग मजबूत है, बल्कि उद्योगों द्वारा पूंजीगत निवेश भी बढ़ रहा है,जो दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है।आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत में पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। सरकारी निवेश 2018 से वित्तीय वर्ष 2025-26 तक लगभग 4.2 गुणा बढ़ा है।राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार,उच्च-गति मार्गों का निर्माण और डिजिटल नेटवर्क का विस्तार अर्थव्यवस्था की सामयिक क्षमता को बढ़ा रहे हैं। इन बुनियादी ढाँचों के विस्तार से लॉजिस्टिक्स लागत में कमी, कारोबार में सुगमता और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलता है,जो दीर्घकालिक उत्पादकता के लिए केंद्रीय है।भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने में सफलता अर्जित की है। पिछले वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति 4.9% के आसपास रही, जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित लक्ष्य के पास थी और यह आर्थिक स्थिरता का संकेत है। इसके अतिरिक्त विदेशी निवेश, निर्यात और व्यापार संतुलन में सुधार की दिशा में भी कदम उठाए गए हैं,जिससे भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत हुई है। भारत आज वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन चुका है। हालांकि आर्थिक सर्वेक्षण में सकारात्मक रुझान दिखाई देता है, लेकिन कुछ चुनौतियाँ भी उभर कर सामने आई हैं।वैश्विक बाजार की अस्थिरता,ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव कुछ जोखिम कारक हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल सकते हैं।परंतु सरकार द्वारा लगातार नीतिगत सुधार,बाजार- सशक्तिकरण और निवेश-उन्मुख उपायों से इन जोखिमों को कम करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।संक्षेप में भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण 2025- 26 यह स्पष्ट करता है कि भारत विश्व की प्रमुख तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है।जी डी पी वृद्धि दर का 7.4% तक पहुँचना, सेवा एवं विनिर्माण क्षेत्रों की मजबूती, कृषि की स्थिर प्रगति, निवेश एवं पूंजीगत व्यय की उच्च गति और बुनियादी ढाँचे में उल्लेखनीय विस्तार यह दशार्ते हैं कि भारत ने आत्मिक विकास,आर्थिक संतुलन और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के तीनों स्तंभों पर मजबूत प्रगति की है।

यह सर्वेक्षण केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि एक सुधरे हुए, समावेशी और दीर्घकालिक विकास मार्ग का मार्गदर्शक है,जो आर्थिक निर्णयों, बजट नीतियों, निवेश योजनाओं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के लिए आधार प्रदान करता है।आज भारत सफलता के पथ पर अग्रसर है,एक ऐसा भारत जो आत्मनिर्भर, प्रगतिशील और वैश्विक चुनौतियों के प्रति सक्षम है। विकसित भारत का सपना अब केवल लक्ष्य नहीं,बल्कि ठोस प्रयासों और निरंतर प्रगति के माध्यम से साकार होता दिखाई दे रहा है।

(स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

संपादकीय

भारत-यूरोप 'मदर डील'

अंततः भारत और यूरोपीय संघ ने साझा इतिहास रच दिया। करीब 19 साल की माथापच्ची, उधेड़बुन, असमंजस, सवाल समाप्त हुए और दोनों लोकतांत्रिक शक्तियां ह्यमदर डीलह्ण पर सहमत हुईं। आपस में हस्ताक्षर कर दिए गए और दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर ने इस सर्वाधिक व्यापक ह्यमुक्त व्यापार समझौतेह्ण (एफटीए) की घोषणा कर नई विश्व-व्यवस्था की बुनियाद रख दी। व्यापक और विश्व व्यवस्था परिवर्तनकारी इसलिए माना जा सकता है, क्योंकि पहली बार 193 करोड़ से अधिक की आबादी एक एफटीए के दायरे में होगी। भारत-यूरोप की अर्थव्यवस्था दुनिया की जीडीपी की 25 फीसदी है और दुनिया का एक-तिहाई व्यापार दोनों के बीच है, जिसे 2032 तक 40 लाख करोड़ रुपए तक ले जाने का लक्ष्य तय किया गया है। यूरोपीय संघ विश्व की दूसरी (27 देशों को मिला कर) और भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लिहाजा यह ह्यमदर डीलह्ण ही है। इस एफटीए से अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की ह्यटैरिफ दादागीरीह्ण का बड़ा रचनात्मक और शालीन जवाब दिया गया है। इसके अलावा, चीन के समानांतर भारत को ह्यइनोवेशन एंड मैन्यूफैक्चरिंग हबह्ण बनाने का लक्ष्य तय कर चीनी वर्चस्व को भी चुनौती दी गई है, लिहाजा वाकई यह ह्यमदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्सह्ण है। चीन में करीब 1700 यूरोपीय कंपनियां सक्रिय हैं। क्या अब वे भारत शिफ्ट हो सकती हैं? इसकी प्रबल संभावना बन गई है। गौरतलब यह है कि जब 2027 में यह एफटीए यूरोप के सभी 27 देशों में लागू हो जाएगा, तब भारत के 99 फीसदी से अधिक उत्पाद, सामान या तो ह्यटैरिफ-मुक्तह्ण होंगे अथवा रियायती शुल्क ही देना पड़ेगा। मसलन-जैतून का तेल, वनस्पति तेल, ऑप्टिकल उपकरण, मशीनरी, रासायनिक एवं सर्जिकल उपकरण, फार्मा (खासकर जेनेरिक दवाएं), वस्त्र, रत्न-आभूषण, चमड़ा एवं जूते-चप्पल, चॉकलेट, पास्ता आदि लंबी सूची है। अधिकतर उत्पादों और उपकरणों को ह्यटैरिफ-मुक्तह्ण तय किया गया है। करीब 2 ट्रिलियन डॉलर के यूरोपीय बाजार में 2030 तक भारतीय उत्पादों का निर्यात 300 अरब डॉलर तक ले जाने का भी लक्ष्य रखा गया है।

चिंतन-मनन

एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही आकषर्ण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है-जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है।

उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है। भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकषर्ण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

हिंसा के दौर में गांधी के सिद्धांतों की प्रासंगिकता

योगेश कुमार गोयल

02 अक्तूबर 1869 को पोरबंदर में जन्मे महात्मा गांधी जीवन पर्यन्त देशवासियों के लिए आदर्श नायक बने रहे। देश के स्वतंत्रता संग्राम में उनके अविस्मरणीय योगदान से पूरी दुनिया सुपरिचित है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नायकों में से एक महात्मा गांधी का आज 78वां बलिदान दिवस है, जिनकी 30 जनवरी 1948 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अहिंसा की राह पर चलते हुए भारत को ब्रिटिश गुलामी से मुक्ति दिलाने वाले गांधी जी ने पूरी दुनिया को अपने विचारों से प्रभावित किया था। अपने अनुभवों के आधार पर उन्होंने कई किताबें लिखी, जो हमें आज भी जीवन की नई राह दिखाती हैं क्योंकि उनके ये अनुभव, उनके विचार आज भी उतने ही सार्थक हैं, जितने उस दौर में थे। सही मायनों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश के करोड़ों युवाओं के पथ प्रदर्शक हैं। उनके जीवन के तीन महत्वपूर्ण सूत्र थे, जिनमें पहला था सामाजिक गंदगी दूर करने के लिए झाड़ू का सहारा। दूसरा, जाति-पाति और धर्म के बंधन से ऊपर उठकर सामूहिक प्रार्थना को बल देना। तीसरा, चरखा, जो आगे चलकर आत्मनिर्भरता और एकता का प्रतीक माना गया। गांधी जी प्रायः कहा करते थे कि प्रसन्नता ही एकमात्र ऐसा इत्र है, जिसे आप दूसरों पर डालते हैं तो उसकी कुछ बूंदें आप पर भी गिरती हैं। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों से नहीं, उसके चरित्र से होती है। दूसरों की तरक्की में बाधा बनने वालों और नकारात्मक सोच वालों में सकारात्मकता का बीजारोपण करने के उद्देश्य से ही उन्होंने कहा था कि आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को ही अंधा बना देगी। लोगों को समय की महत्ता और समय के सही सदुपयोग के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति समय को बचाते हैं, वे धन को भी बचाते हैं और इस प्रकार बचाया गया धन भी कमाए गए धन के समान ही महत्वपूर्ण है। वह कहते थे कि आप जो कुछ भी कार्य करते हैं, वह भले ही कम महत्वपूर्ण हो सकता है किन्तु सबसे महत्वपूर्ण यही है कि आप कुछ करें। लोगों को जीवन में हर दिन, हर पल कुछ न कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करते हुए गांधी जी कहा करते थे कि आप ऐसे जिएं, जैसे आपको कल मरना है लेकिन सीखें ऐसे कि आपको हमेशा जीवित रहना है। उनकी बातों का देशवासियों के दिलोदिमाग पर गहरा असर होता था।

महात्मा गांधी के विचारों में ऐसी शक्ति थी कि विरोधी भी उनकी तारीफ किए बगैर नहीं रह सकते थे। ऐसे कई किस्से भी सामने आते हैं, जिससे उनकी ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता की स्पष्ट झलक मिलती है। एक बार महात्मा गांधी सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। सरोजिनी नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी। यह देखकर गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। सरोजिनी नायडू का ध्यान जब इस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और कहने लगी, 'आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौनसे हाथ में पकड़ा जाता है?' इस पर बापू ने जवाब दिया, 'आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकती तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊं?'

जिस समय द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ, उस समय देश के अधिकांश नेता इस बात के पक्षधर थे कि देश को अंग्रेजों से आजाद कराने का अब बिल्कुल सही मौका है और इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाते हुए उन्हें इस समय देश में बड़े पैमाने पर आन्दोलन छेड़ देना चाहिए। दरअसल उन सभी का मानना था कि अंग्रेज सरकार द्वितीय विश्व युद्ध में व्यस्त रहने के कारण भारतवासियों के इस आन्दोलन का सामना नहीं कर पाएगी और आखिरकार उसे उनके इस राष्ट्रव्यापी आन्दोलन के समक्ष सिर झुकाना ही पड़ेगा और इस प्रकार अंग्रेजों को भारत को स्वतंत्र करने पर बड़ी आसानी से विवश किया जा सकेगा। जब यही बात गांधी जी के सामने उठाई गई तो उन्होंने अंग्रेजों की मजबूरी से फायदा उठाने से इन्कार कर दिया। हालांकि उस दौरान अंग्रेजों के खिलाफ गांधी जी ने आन्दोलन तो जरूर चलाया लेकिन उनका वह आन्दोलन सामूहिक न होकर व्यक्तिगत स्तर पर किया गया आन्दोलन ही था।

कुष्ठ रोग के खिलाफ सरकार की निर्णायक लड़ाई, जागरूकता, इलाज और सम्मान की ओर भारत

कांतिलाल मांडोत

कुष्ठ रोग जिसे हैनसेन रोग भी कहा जाता है, मानव इतिहास की सबसे पुरानी बीमारियों में से एक है, लेकिन दुर्भाग्यवश आज भी यह बीमारी केवल स्वास्थ्य की नहीं बल्कि सामाजिक सोच की भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्ति को बीमारी से ज्यादा उस भेदभाव, उपेक्षा और सामाजिक अलगाव का सामना करना पड़ता है, जो अज्ञानता और भय से जन्म लेता है। इसी सोच को बदलने और समाज को यह संदेश देने के लिए कि कुष्ठ रोग पूरी तरह इलाज योग्य है, भारत में हर वर्ष 30 जनवरी को राष्ट्रीय कुष्ठ रोग दिवस मनाया जाता है। यह दिन महात्मा गांधी की पुण्यतिथि से जुड़ा है, जिन्होंने अपने जीवन में कुष्ठ रोगियों के साथ न केवल सहानुभूति दिखाई बल्कि उनके सम्मान और पुनर्वास के लिए भी लगातार काम किया।

विश्व स्तर पर कुष्ठ रोग जागरूकता दिवस जनवरी के अंतिम रविवार को मनाया जाता है, जिसकी शुरूआत वर्ष 1954 में फ्रांसीसी मानवतावादी राउल फोलेरो ने की थी। भारत में इसे 30 जनवरी को मनाने का उद्देश्य गांधीजी के मानवीय मूल्यों और कुष्ठ रोगियों के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करना है। यह दिवस केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि सरकार और समाज दोनों के लिए यह आत्ममंथन का अवसर है कि क्या हम वास्तव में कुष्ठ रोग से जुड़े सामाजिक कलंक को समाप्त कर पा रहे हैं या नहीं।

आज के भारत की बात करें तो कुष्ठ रोग की स्थिति पहले की तुलना में काफी बेहतर हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में इस समय लगभग 80 से 90 हजार सक्रिय कुष्ठ रोगी उपचाराधीन हैं। हर वर्ष करीब एक लाख से थोड़ा अधिक नए मामले सामने आते हैं, जो कुल वैश्विक मामलों का लगभग आधे से ज्यादा हिस्सा है। हालांकि यह आंकड़ा सुनने में बड़ा लग सकता है, लेकिन जनसंख्या के अनुपात में देखें तो भारत ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर कुष्ठ रोग उन्मूलन की स्थिति हासिल कर ली है। इसका अर्थ यह है कि देश में प्रति दस हजार की आबादी पर एक से कम सक्रिय मामला है। फिर भी सरकार मानती है कि जब तक एक भी व्यक्ति इस बीमारी से पीड़ित है और सामाजिक भेदभाव का शिकार है, तब तक लक्ष्य पूरा नहीं हुआ माना जा सकता।

भारत सरकार पिछले कई दशकों से कुष्ठ रोग के खिलाफ सुनियोजित और निरंतर प्रयास कर रही है। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सरकार का मुख्य जोर रोग की शीघ्र पहचान, समय पर मुफ्त इलाज और विकलांगता की रोकथाम पर है। कुष्ठ रोग का इलाज मल्टी ड्रग थेरेपी के माध्यम से किया जाता है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से देशभर में पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध है। यह इलाज न केवल रोग को ठीक करता है बल्कि संक्रमण को आगे फैलने से भी रोकता है। सरकार का यह स्पष्ट संदेश है कि कुष्ठ रोग कोई अभिशाप नहीं बल्कि एक सामान्य बैक्टीरियल संक्रमण है, जिसका समय पर इलाज होने पर व्यक्ति पूरी तरह स्वस्थ जीवन जी सकता है।

बीते कुछ वर्षों में सरकार ने कुष्ठ रोग की पहचान को और मजबूत करने के लिए कई नए कदम उठाए हैं। घर-घर जाकर सर्वेक्षण करना, उच्च जोखिम वाले इलाकों में विशेष खोज अभियान चलाना और संपर्क में आए लोगों की जांच करना इन प्रयासों का हिस्सा है। स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि और शिक्षक भी इस अभियान से जोड़े गए हैं, ताकि कोई भी संदिग्ध मामला छूट न जाए। सरकार का मानना है कि शुरूआती चरण में रोग की पहचान हो जाने से न केवल इलाज आसान होता है बल्कि स्थायी विकलांगता की संभावना भी लगभग समाप्त हो जाती है।

केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारें भी कुष्ठ रोग के खिलाफ अपनी भूमिका निभा रही हैं। कई राज्यों ने कुष्ठ रोग को अधिसूचित बीमारी घोषित किया है, जिससे हर मामले की रिपोर्टिंग अनिवार्य हो गई है। इससे आंकड़ों की पारदर्शिता बढ़ी है और इलाज की पहुंच बेहतर हुई है। स्वास्थ्य सेवाओं को आयुष्मान भारत और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को भी समय पर इलाज मिल सके। विशेष रूप से आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों पर सरकार का अतिरिक्त फोकस है, जहां आज भी जागरूकता की कमी के कारण रोग देर से पकड़ में आता है।

सरकार की नीति केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक पुनर्वास और सम्मानजनक जीवन भी इसका अहम हिस्सा है। कुष्ठ रोग से ठीक हो चुके लोगों के लिए कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार का यह प्रयास है कि रोग से मुक्त होने के बाद व्यक्ति को समाज में दोबारा स्वीकार किया जाए और उसे किसी भी प्रकार के भेदभाव का सामना न करना पड़े। इसी दिशा में भेदभावपूर्ण कानूनों को हटाने और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए भी काम किया जा रहा है।

कुष्ठ रोग निवारण में जागरूकता की भूमिका सबसे अहम मानी जाती है। इसी उद्देश्य से हर वर्ष 30 जनवरी से 13 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान चलाया जाता है। इस दौरान देशभर में जनसभाएं, स्वास्थ्य शिविर, स्कूलों में कार्यक्रम और मीडिया के माध्यम से लोगों को यह बताया जाता है कि त्वचा पर सफेद या लाल चकत्ते, सुन्नपन या नसों में कमजोरी जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। नूंह जिले में इस वर्ष भी जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग मिलकर इस अभियान को घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी कर रहा है, ताकि एक भी मरीज इलाज से वंचित न रहे।

सरकार की प्रासंगिकता आज इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि सामाजिक सोच बदलने का काम केवल कानून या योजनाओं से नहीं होता। इसके लिए निरंतर संवाद, शिक्षा और संवेदनशीलता की जरूरत होती है। सरकार का प्रयास है कि कुष्ठ रोग को लेकर फैली भ्रांतियों को खत्म किया जाए और यह समझ विकसित की जाए कि रोगी नहीं बल्कि बीमारी से लड़ना है। जब समाज रोगियों को अपनाता है, तभी सरकार की योजनाएं भी पूरी तरह सफल हो पाती हैं। आज जब हम राष्ट्रीय कुष्ठ रोग दिवस मना रहे हैं, तब यह जरूरी है कि हम केवल आंकड़ों और योजनाओं तक सीमित न रहें। हमें यह समझना होगा कि कुष्ठ रोग के खिलाफ लड़ाई केवल स्वास्थ्य विभाग की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। सरकार ने अपनी भूमिका निभाते हुए मुफ्त इलाज, जागरूकता अभियान और पुनर्वास की मजबूत व्यवस्था खड़ी की है। अब समाज की बारी है कि वह भेदभाव को त्यागे और कुष्ठ रोग से प्रभावित हर व्यक्ति को सम्मान और समानता का अधिकार दे। यही इस दिवस का असली संदेश है और यही एक स्वस्थ, संवेदनशील और समावेशी भारत की पहचान भी।

सर्दियों में स्किन का ख्याल रखता है गुड़, इन तीन तरीकों से करें इस्तेमाल

सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।

ठंड के मौसम में हम सभी गुड़ का सेवन जरूर करते हैं। यह शरीर को गरमाहट प्रदान करता है। लेकिन क्या आपको पता है कि गुड़ ठंड के दिनों में आपकी स्किन का ख्याल भी रख सकता है। सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।

गुड़ को आप कई अलग-अलग तरीकों से अपने विंटर स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि ठंड के दिनों में अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए आप गुड़ का इस्तेमाल किस तरह करें-

गुड़ और शहद से बनाएं फेस मास्क

ठंड के मौसम में अपनी स्किन की नमी को बनाए रखने और डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए आप गुड़ और शहद की मदद से फेस मास्क बनाकर इस्तेमाल करें।

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच गुड़ पाउडर या कुचला हुआ

1 बड़ा चम्मच शहद

इस्तेमाल का तरीका-

सबसे पहले गुड़ को शहद के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें।

अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर 10-15 मिनट तक लगाएं।

अंत में, गुनगुने पानी से चेहरा धो लें और स्किन को मॉइश्चराइज करें।

गुड़ से बनाएं लिप बाम

ठंड के मौसम में होंठों के रूखेपन या फटने की समस्या बेहद आम है। ऐसे में आप गुड़ की मदद से लिप बाम बनाएं। यह आपके होंठों की नमी को बनाए रखने में मदद करेगा।

आवश्यक सामग्री-

1 चम्मच गुड़

1 चम्मच घी या नारियल का तेल

इस्तेमाल का तरीका-

गुड़ को घी या नारियल के तेल के साथ मिक्स करें।

अब इसे अपने होठों पर लगाएं।

आप हर दिन इसका इस्तेमाल कर सकती हैं और सर्दियों में भी होंठों को मुलायम बनाए रख सकती हैं।

गुड़ से बनाएं स्क्रब

गुड़ की मदद से स्क्रब भी बनाया जा सकता है। आप इसके साथ ओट्स या चीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच गुड़

1 बड़ा चम्मच पिसा हुआ ओट्स या चीनी

1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल

स्क्रब बनाने का तरीका-

सबसे पहले गुड़ को पिसे हुए ओट्स या चीनी के साथ मिक्स करें।

अब इसमें जैतून का तेल मिलाएं।

इसे अपने चेहरे या शरीर पर लगाकर मसाज करें और धो लें।

हेल्दी डाइट के बाद भी कम नहीं हो रहा बजन तो आज से ही शुरू कर दें यह काम, एक हफ्ते में दिखेगा असर

वेट लॉस करना चाहते हैं और इसके लिए एक्सरसाइज भी करते हैं। हेल्दी खाना भी खाते हैं। लेकिन फिर भी मनचाहा रिजल्ट नहीं मिल रहा। इसके लिए कई बार लाइफस्टाइल की बहुत छोटी बातें जिम्मेदार होती हैं। इस बारे में फिटनेस कोच शितिजा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है और बताया कि कैसे वर्कआउट करने के बाद भी वजन कम नहीं हो रहा।

आखिर क्यों दिखता है बढ़ा हुआ वजन

अगर आपका वजन भी रोज एक किलो के करीब ज्यादा दिख रहा तो इसके लिए कई फैक्टर जिम्मेदार होते हैं।

-रात को हाई कार्बोहाइड्रेट वाला डिनर

-स्ट्रेस

-बहुत ज्यादा हैवी वर्कआउट, जिसकी वजह से मसल्स लॉस होने की बजाय स्ट्रेंथ पाती हैं।

-रात को देर से खाना

-पीरियड्स के दौरान भी कुछ महिलाओं का वजन बढ़ा हुआ दिखता है।

-अगर आपकी नींद ठीक से पूरी नहीं हो रही तो भी वेट गेन होगा।

-वेट नापते वक्त आपका पेट खाली होना चाहिए। अगर आप शौच के लिए जाने वाले हैं तो वजन ना तौलें। ऐसे वक्त में भी वेट ज्यादा दिखता है।

-ज्यादा नमक और सोडियम रिच फूड्स खाने की वजह से शरीर में वाटर रिटेंशन की प्रॉब्लम हो जाती है और वजन ज्यादा दिखने लगता है।

कैसे पता करें कि हो रहा वेट लॉस

-अगर आप वजन नापने वाली मशीन पर खड़े होने पर वजन घटा हुआ नहीं पाते तो घबराएं नहीं। रोज वजन घटने की बजाय बढ़ा हुआ दिख रहा तो इस तरह पता करें कि आपकी एक्सरसाइज असर दिखा रही है।

-आपके कपड़ों की साइज बदल गई है और फिटिंग चेंज हो गई है।

-शरीर ज्यादा फ्रेश और स्ट्रांग महसूस करता है। जैसे कि सीढ़ियां चढ़ते वक्त या फिर वेट ट्रेनिंग करना अब पहले से आसान लगता है।

रोज-रोज वजन फ्लक्चुएट हो रहा लेकिन लंबे समय में वजन घटा है तो इसका मतलब है कि आपकी डाइट और एक्सरसाइज असर दिखा रही है।

स्वेटर-शॉल पर आ गए हैं रोएं तो निकालने के लिए अपनाएं ये तरीके

गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं।

दिसंबर और जनवरी का महीना आते-आते कई राज्यों में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है। सर्दी से बचने के लिए हम सभी ऊनी कपड़ों का सहारा लेते हैं। लेकिन गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं। इसके साथ ही आपको कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। जिससे कि इन कपड़ों में रोएं न लगें। वहीं रोएं की वजह से आपका कपड़ा खराब हो रहा है, तो आप कंघी वाली ट्रिक आजमा सकती हैं।

कपड़ों से क्यों निकलते हैं रोएं

कपड़ों को गलत तरीके से धोने या सुखाने से रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़े पहनकर सोने से भी कपड़ों में रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोने से रोएं भी निकलने लगते हैं।

सस्ती और खराब क्वालिटी का ऊन होने पर रोएं निकल सकते हैं।

कंघी से हटाएं रोएं

आप कंघी की मदद से भी वूलेन कपड़ों से रोएं हटा सकती हैं। सबसे अच्छी बात ये है कि इसमें किसी तरह का कोई खर्च नहीं आता है। आप रोएं वाली जगह पर कंघी को घुमाना होगा। ऐसे में कंघी में रोएं फंसकर साफ हो जाएंगे। ध्यान रखें कि रोएं निकालने के लिए पतली कंघी लेनी होगी।

इन ट्रिक्स से निकालें रोएं

आप पैकिंग टेप की सहायता से आसानी से रोएं निकाल सकते हैं। इसके लिए रोएं पर टेप लगाएं।

इसके अलावा वूलेन कपड़ों को विनेगर में भिगोकर रखें, इससे रोएं आसानी से निकल सकते हैं।

आप शेविंग रेजर की सहायता से भी रोएं निकाल सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि रोएं निकालते समय कपड़े को कोई नुकसान न हो।

वहीं अगर आपके पास लिंट रिमूवर है, तो यह बेस्ट ऑप्शन होगा।

ऐसे धोएं ऊनी कपड़े

बता दें कि बहुत सारे लोग ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोते हैं, जिसकी वजह से कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। बल्कि गर्म पानी से धोने से इसकी बनावट भी खराब हो जाती है। इसलिए सबसे अच्छा तरीका है कि आप वूलेन कपड़ों को गर्म पानी से धोएं। वहीं अगर आप वूलेन कपड़ों को वॉशिंग मशीन में धोते हैं, तो आपको वूल या डेलिकेट मोड ऑन करें। अगर आप हाथ से इन कपड़ों को धोते हैं, तो ज्यादा बेहतर रहेगा। गर्म कपड़ों को सही तरीके से धोने से गर्म कपड़ों में रोएं की कोई परेशानी नहीं होती है।

साइकल चलाते समय न करें ये गलतियां

अधिकतर लोग खुद को फिट रखने के लिए साइकिल चलाना पसंद कर रहे है और फिटनेस के लिए इसे अपनी रूटीन में शामिल कर रहे है। वैसे भी फिट और एक्टिव रहने के लिए साइकिल चलाना बेस्ट माना जाता है। यदि नियमित रूप से साइकिल चलाई जाए तो इससे बॉडी की पूरी एक्सरसाइज होती है। और टोन्ड और परफेक्ट फिगर पा सकते है। लेकिन साइकिल चलाते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। वरना सेहत से जुड़ी अन्य समस्या हो सकती हैं।

- कुछ लोगों की आदत होती है कि वे बार-बार पानी पीते है, ये बिलकुल अच्छी बात है लेकिन साइकिल चलाते समय अधिक मात्रा में पानी नहीं पीना चाहिए। क्योंकि साइकिल चलाते वक्त अधिक मात्रा में पानी पीया जाएं तो इससे मतली की समस्या होने लगती है। वहीं ज्यादा पानी पीने से बार-बार पेशाब आएगी। जिससे पेट में दर्द हो सकता है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त पानी न पीएं।
- साइकिल चलाना फिट रहने के लिए एक बेस्ट विकल्प है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त फास्ट फूड या फिर जंक फूड से दूरी रखना ही बेहतर होता है, क्योंकि अनहेल्दी खाने से शरीर में फेट बढ़ता है। इससे आप सुस्त महसूस करेंगे।
- साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। वैसे आमतौर पर वर्कआउट से पहले स्टेचिंग की सलाह दी जाती है। लेकिन साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। इससे मांसपेशियां कमजोर हो सकती है और उनमें खिंचाव आ सकता है। यदि आप स्टेचिंग करना चाहते है तो कम से कम आधे घंटे पहले करें।
- कई बार ऐसा होता है कि हम साइकिल राइड को मजेदार बनाने के लिए स्टंट करना शुरू कर देते हैं। इससे एक्सीडेंट होने की संभावना अधिक रहती है।

सर्दियों में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं

सर्दियों के दौरान हरी सब्जियां खाना काफी पौष्टिक माना जाता है। पालक खाना सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती। ठंड के मौसम में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं, स्वाद इतना गजब सब करेंगे तारीफें।

ठंड के मौसम में साग, पालक और मेथी की सब्जी खूब खाई जाती है। सब्जी मंडी में इस समय पूरे बाजार में हरी सब्जियां नजर आती है। हरी सब्जियां सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। पालक के सेवन करने से शरीर को कई पोषक तत्व मिलते हैं। पालक में भरपूर न्यूट्रिशन पाए जाते हैं। इसमें आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, कैल्शियम, प्रोटीन और फाइबर मौजूद होता है। इस विंटर सीजन में लहसुनी पालक की सब्जी बनाएं, जो स्वाद और हेल्थ के लिए बढ़िया है। आइए आपको लहसुनी पालक रेसिपी बताते हैं।

लहसुनी पालक बनाने के लिए हमें क्या चाहिए?

- 1 बड़ा कटोरा पालक, उबालकर कटा हुआ
- 1 बड़ा चम्मच घी
- 1/4 छोटा चम्मच जीरा
- 2 बड़ा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 छोटा कटा प्याज
- 1 चम्मच कटी हरी मिर्च
- 2 साबुत सूखी लाल मिर्च
- 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/4 चम्मच मिर्च पाउडर
- स्वादानुसार नमक

तड़का के लिए

- 1 बड़ा चम्मच शुद्ध घी
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- 1 छोटा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 साबुत सूखी लाल मिर्च
- कटा हुआ टमाटर

लहसुनी पालक कैसे बनाएं

- सबसे पहले आप एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, कटा हुआ लहसुन और साबुत सूखी लाल मिर्च डालें। कुछ समय तक भूने, फिर आप कटा हुआ प्याज डालें, जब तक यह ग्लोडन ब्राउन न हो जाए।

- अब कटी हुई हरी मिर्च, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर डालें। कुछ सेकंड के लिए भूनें, फिर कटा हुआ पालक और स्वादानुसार नमक डालें। कुछ मिनट तक भूनते रहें, और परोसने के बर्तन में निकाल लें।

- फिर आफ तड़का के लिए शुद्ध घी, जीरा, कटा हुआ प्याज और साबुत सूखी लाल मिर्च के साथ तड़का तैयार करें। जब तक लहसुन सुनहरा भूरा ने हो जाए तब तक इसे भूनें।

- अब आप इस तैयार किए हुए तड़के को लहसुनी पालक में डाल दीजिए और कटे हुए टमाटर से गार्निश करें।

मौसम की दोहरी मारः उत्तर में शीतलहर और कोहरे की मार, दक्षिण में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मौसम का मिजाज एक बार फिर तेजी से बदलने वाला है, जिसका व्यापक असर पहाड़ों से लेकर मैदानी और तटीय इलाकों तक देखने को मिलेगा। कहीं कड़ाके की ठंड लोगों को कंपकंपी छुड़ा रही है, तो कहीं लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। इसी बीच भारतीय मौसम विभाग ने एक नया अलर्ट जारी किया है, जिसने आने वाले दिनों के लिए चिंता बढ़ा दी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 29, 30 और 31 जनवरी को देश के कई हिस्सों में तेज बारिश, घना कोहरा और आंधी-तूफान आने की प्रबल संभावना है।

इस मौसमी बदलाव का मुख्य कारण एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ को माना जा रहा है। इसके प्रभाव से उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों—विशेषकर राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख—में मौसम अचानक करवट लेगा। 30 जनवरी की रात से यह विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत में दस्तक देगा, जिससे कई राज्यों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सर्द हवाएं चलेंगी। इससे तापमान में 2 से 3 डिग्री की और गिरावट आएगी, जिससे ठंड का प्रकोप बढ़ना तय है। मैदानी इलाकों, विशेषकर पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड में शीतलहर की चेतावनी जारी की गई है। दिल्ली में 29 जनवरी को सुबह के समय कड़ाके की ठंड के साथ हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार में हालांकि बारिश की संभावना कम है, लेकिन कोहरे का कहर जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, बरेली, बहराइच और कुशीनगर समेत करीब 18 जिलों में रेड अलर्ट जैसी स्थिति रह सकती है, जहाँ विजिबिलिटी (दृश्यता) बेहद कम होने से यातायात प्रभावित होगा। राजस्थान में 31 जनवरी और 1 फरवरी को बारिश के साथ मौसम पूरी तरह बदलने का अनुमान है।

पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी के चलते सड़क संपर्क बाधित होने की आशंका है, जिससे पर्यटकों और स्थानीय निवासियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मौसम विभाग ने किसानों को विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी है ताकि वे अपनी तैयार फसलों को पाले और अचानक बारिश से बचा सकें।

दूसरी ओर, दक्षिण भारत में मौसम का बिल्कुल अलग रूप देखने को मिल रहा है। केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और रायलसीमा में अगले तीन दिनों तक भारी से मध्यम बारिश की चेतावनी दी गई है। तटीय इलाकों में तेज हवाओं के साथ समुद्र में ऊंची लहरें उठने का अनुमान है। तमिलनाडु के आंतरिक जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। केरल के निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है, जिसे देखते हुए मछुआरों को समुद्र में न जाने और आम लोगों को खराब मौसम के दौरान यात्रा टालने की सख्त हिदायत दी गई है। कुल मिलाकर, जनवरी का अंत पूरे देश के लिए मौसमी चुनौतियों से भरा रहने वाला है।

हिमाचल में बर्फ देखने उमड़े पर्यटक, सड़कों पर ट्रैफिक जाम, रोज 15 हजार वाहन पहुंच रहे

शिमला (एजेंसी)। शिमला और मनाली पर्यटकों से पूरी तरह पैक है। बर्फबारी थमने के बाद जैसे-जैसे सड़कें बहाल हो रही है, पर्यटक अब शिमला के नालदेहरा, कुफरी, महासू पीक, मनाली के सोलंगनाला और चंबा के डलहौजी तक पहुंचना लगे हैं। हिमाचल प्रदेश में बर्फ के फोटो-वीडियो वायरल होते ही देशभर से पर्यटकों का पहाड़ों पर जमावड़ा उमड़ने लगा हैं। इन जगह पर टूरिस्ट बर्फ में खेलने, डांस, स्नोमैन बनाने, हॉर्स व यॉक राइडिंग, स्केटिंग, स्नो स्कूटर, पैराग्लाइडिंग और रील्स रिकॉर्ड कर अपनी यात्रा को यादगार बना रहे हैं। दिनभर टूरिस्ट बर्फ में मस्ती कर रहे हैं। इस वीकेंड तक सड़क बहाली के बाद नारकंडा और अटल टनल तक टूरिस्ट पहुंच सकेंगे। बता दें कि शिमला और मनाली के होटलों में 70 से 80 फीसदी तक ऑक्यूपेंसी हो चुकी है। वीकेंड पर इसके शत-प्रतिशत होने की संभावना है। इसलिए, वीकेंड पर शिमला-मनाली आने वाले टूरिस्ट को एडवांस बुकिंग की सलाह दी जाती है। शिमला के होटेलियर अश्ननी सूद ने बताया कि शिमला में चार साल बाद बर्फबारी हुई है। इससे अगले 15-20 दिन अच्छा टूरिस्ट आने की उम्मीद है। वहीं पुलिस के अनुसार- अकेले शिमला में रोजाना 12 हजार से 15 हजार टूरिस्ट व्हीकल पहुंच रहे हैं। इससे शिमला शहर के साथ साथ छराबड़ा, कुफरी और फागू के बीच भी ट्रैफिक जाम लग रहा है। एक घंटे के सफर में चार से पांच घंटे लग रहे हैं। इससे टूरिस्ट के साथ साथ लोकल भी परेशान है। मनाली में भी बीते एक सप्ताह से पतलीकूहल, 15 व 16 मील से मनाली तक ट्रैफिक जाम टूरिस्ट लग रहा है। मनाली में ट्रैफिक जाम की सबसे बड़ी वजह आसपास के पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाली सड़कें बंद होना भी है क्योंकि भारी हिमपात के कारण जीभी वैली, सोलंग नाला, अटल टनल, कोकसर, केलांग इत्यादि पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाली सड़कें बंद थी। मगर अब सड़कों से बर्फ हटाने का काम जारी है। इससे एक-दो दिन में टूरिस्ट इन सभी पर्यटन स्थलों पर पहुंचना शुरू होगा। तब जाकर मनाली में ट्रैफिक जाम से भी निजात मिलेगी।

अब पंजाब-हरियाणा सचिवालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, मौके पर फायर ब्रिगेड मौजूद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शहर के प्रमुख 30 स्कूलों को मिली बम की धमकी के एक दिन बाद ही गुरुवार को पंजाब-हरियाणा सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया और पुलिस के साथ ही बम निरोधक दस्ता और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। जानकारी अनुसार पंजाब-हरियाणा सचिवालय को 29 जनवरी को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे पहले बुधवार को शहर के 30 प्रमुख स्कूलों को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। लगातार मिल रही धमकियों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्कता बरत रहीं हैं। सचिवालय को मिली धमकी के तुरंत बाद ही चंडीगढ़ पुलिस, बम निरोधक दस्ता और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। सचिवालय परिसर को खाली करवाया गया और गहन तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। सचिवालय एक तरह से छावनी में तब्दील हो गया। पुलिस के आला अधिकारी खुद भी मौके पर पहुंचे हैं और चप्पे-चप्पे पर तलाशी अभियान चलाया गया है। वैसे इस धमकी से पहले स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी को देखते हुए गहन जांच की गई थी, जिसमें धमकियों को अफवाह करार दिया गया था। बहरहाल लगातार मिल रही धमकियों के लिंग को खोजा जा रहा है और पता लगाया जा रहा है कि क्या इन तमाम धमकियों का कहीं कोई एक ही लिंक तो नहीं है।

आग का गोला बनी निजी बस, यात्रियों में दहशत और अफरा-तफरी, बड़ा हादसा टला

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में एक प्राइवेट बस आग के गोला में तब्दील हो गई, जिससे उसमें सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। यह बस होसानगर से बेंगलुरु की ओर जा रही थी, तभी अचानक आग लग गई। गनीमत की बात यह रही कि समय रहते सभी यात्रियों को बस से उतार लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। जानकारी अनुसार निजी बस में आग लगने का हादसा उस समय हुआ जब यात्री गहरी नींद में सोए हुए थे। अचानक बस के इंजन से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते पूरी बस आग की चपेट में आ गई। इस बस में कुल 36 यात्री सवार थे। चलती बस में आग तेजी भड़की लेकिन चालक ने सूझबूझ से काम लिया और बस को रोड के किनारे लगा दिया। आग लगी देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और वे खिड़कियों और दरवाजों से बाहर निकलने लगे। इस अफरा-तफरी में कुछ यात्री घायल हो गए, लेकिन बड़ा हादसा टल गया। आग इतनी भयानक थी कि फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचने से पहले ही बस पूरी तरह जलकर राख हो गई। बताया जा रहा है कि इस हादसे में करीब 10 यात्रियों को मामूली चोट आई हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। फिलहाल राहत की बात यह रही, कि हादसे में किसी की जान जाने की कोई खबर अब तक नहीं मिली है। आग के कारण यात्रियों का सामान और बैग्स जलकर राख हो गया। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। बहरहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

सबरीमाला मंदिर सोना चोरी मामले में बड़ा खुलासा, रसायनों के जरिए गायब की गई सोने की परत

सबरीमाला (एजेंसी)। भगवान अयप्पा के प्रसिद्ध धाम सबरीमाला मंदिर में हुए कथित सोना चोरी मामले ने एक सनसनीखेज मोड़ ले लिया है। जिसे अब तक ढांचागत चोरी या अंतरराष्ट्रीय गिरोह की बड़ी साजिश माना जा रहा था, वह वास्तव में रसायनों के जरिए अंजाम दी गई एक शातिर वैज्ञानिक ठगी निकली है। इसरो के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर के वैज्ञानिकों द्वारा की गई हाई-टेक जांच में यह चौंकाने वाला सच सामने आया है कि मंदिर के गर्भगृह के दरवाजों को बदला नहीं गया था, बल्कि उन पर चढ़ी सोने की बेशकीमती परत को रसायनों के माध्यम से निकाल लिया गया। बुधवार को केरल हाईकोर्ट में पेश की गई वैज्ञानिकों की रिपोर्ट ने उन पुरानी अटकलों को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि असली दरवाजों को हटाकर वहां पीतल या नकली चादरें लगा दी गई हैं। वैज्ञानिकों ने अपनी बारीकी जांच में पाया कि गर्भगृह के लकड़ी के फ्रेम और उन पर लगी तांबे की मूल शीट बिल्कुल वही हैं जो पहले थीं। हालांकि, इन तांबे की शीटों पर अब सोने की मात्रा लगभग शून्य हो गई है। जांच रिपोर्ट के अनुसार, इस चोरी को बेहद शातिर तरीके से अंजाम दिया गया। चोरों ने पारे और विशेष खतरनाक रासायनिक घोलों का उपयोग कर तांबे की सतह से सोना खींच लिया, जिससे शीटों का रंग और उनकी रासायनिक बनावट बदल गई। यह खुलासा मंदिर प्रशासन के लिए एक बड़ी चेतावनी बनकर उभरा है। अब जांच की दिशा उन तकनीकी जानकारों और विशेषज्ञों की ओर मुड़ गई है, जिन्हें रसायनों के इस खतरनाक खेल की गहरी समझ है। इस घटना ने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और वहां मौजूद बहुमूल्य धातुओं के संरक्षण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के चचेरे भाई की हत्या के आरोपी को गोली मारी, मौत

मोहाली,(एजेंसी)। पंजाब के मौहाली में गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के चचेरे भाई की 2020 में हुई हत्या के आरोपियों में से एक की गोली मारकर हत्या की है। घटना मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पास हुई। पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम गुरविंदर सिंह उर्फ लम्बड़ था। गुरविंदर अपनी पत्नी के साथ चार किलोग्राम अफीम बरामदगी के मामले की सुनवाई के लिए अदालत आया था। सुनवाई के बाद जब वह अपनी कार के पास पहुँचा, तब दो अज्ञात हमलावरों ने उस पर कई गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसकी पत्नी ने अपनी शिकायत में बताया कि गुरविंदर को पहले से गोल्डी बराड़ से धमकियां मिल रही थीं। सोशल मीडिया पर एक अपुष्ट पोस्ट में गैंगस्टर गोल्डी बराड़, रोहित गोदारा और विक्की पहलवान ने इस हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए गुरविंदर की हत्या को उसके चचेरे भाई गुरलाल सिंह बराड़ की 2020 में हुई हत्या से जोड़ा। विदेश में रहने वाले गोल्डी बराड़ के चचेरे भाई गुरलाल सिंह बराड़ को 2020 में चंडीगढ़ में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। रूपनगर रेंज के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) नानक सिंह ने बताया कि गुरविंदर का आपराधिक रिकॉर्ड था और उसका नाम गुरलाल बराड़ हत्याकांड में भी सामने आया था।

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के बिगड़े बोल- आप पायलट हैं तो ईमानदारी से अपना काम कीजिए

मथुरा(एजेंसी)। वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज एक बार फिर अपने बयान को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत पर टिप्पणी करते हुए अनिरुद्धाचार्य ने मंच से ऐसा बयान दे दिया, जिस पर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई लोग इसे असंवेदनशील बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे कर्तव्य और ईमानदारी से जोड़कर देख रहे हैं।

दरअसल कथा के दौरान अनिरुद्धाचार्य महाराज ने कहा, कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री का विमान हादसे में निधन हो गया, जो बेहद दुखद है। उन्होंने पायलट की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, प्लेन उड़ाने की पूरी जिम्मेदारी पायलट के पास होती है। पायलट के हाथ में प्लेन में सवार सभी लोगों की जान होती है। अगर आप पायलट हैं तो ईमानदारी से अपना काम कीजिए। अब आप पायलट हैं, आपको प्लेन उतारना है, लेकिन आप प्लेन न उतारकर कुछ और करने लग जाएं तो यह ठीक नहीं है। जो काम है आपका, वही करिए। वही आपकी भक्ति है। अनिरुद्धाचार्य यहीं नहीं रुके। उन्होंने अपने बयान को आगे बढ़ाते हुए सेना का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, हमारी सेना बॉर्डर पर खड़ी है। सेना का काम है कि सीमा पर कोई आतंकवादी गतिविधि न हो। अगर सारे सैनिक उठकर किसी मंदिर में जाकर बैठ जाएं तो व्यवस्था भंग हो जाएगी। सैनिक की ईमानदारी से की गई सेवा ही उसकी भक्ति है। उन्होंने यह भी दोहराया कि हर व्यक्ति को अपने कर्तव्य को ही सबसे बड़ा धर्म मानना चाहिए।

हालांकि, इस बयान के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी बहस शुरू हो गई। कई यूजर्स ने कहा कि एक दुखद हादसे के तुरंत बाद इस तरह की टिप्पणी करना पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति असंवेदनशीलता दिखाता है। कुछ लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि जब हादसे की जांच चल रही है, तब पायलट की जिम्मेदारी पर सार्वजनिक मंच से टिप्पणी करना उचित नहीं है।

राहुल गांधी और कनिमोझी के बीच चली घंटे भर बैठक पर गठबंधन के लिए नहीं बन सकी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और डीएमके के बीच गठबंधन को लेकर चल रही असहजता के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी और डीएमके सांसद कनिमोझी के बीच एक अहम बैठक हुई। दिल्ली में बुधवार को हुई यह मुलाकात करीब एक घंटे तक चली, लेकिन गठबंधन की कार्ययोजना या सीटों के बंटवारे को लेकर कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी।

सूत्रों के मुताबिक, यह बैठक डीएमके की पहल पर हुई थी, ताकि अपने पुराने सहयोगी कांग्रेस के साथ तालमेल को लेकर बातचीत को आगे बढ़ाया जा सके। हालांकि, बैठक के दौरान किसी भी तरह के आंकड़ों या फार्मूले पर चर्चा नहीं हुई। राहुल गांधी ने कनिमोझी से आग्रह किया कि इस विषय पर कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा गठित नेताओं की समिति के साथ बातचीत की जाए और उसी मंच पर गठबंधन से जुड़े मुद्दों को अंतिम रूप दिया जाए। कांग्रेस सूत्र बता रहे हैं, कि बैठक का माहौल सौहार्दपूर्ण रहा, लेकिन निर्णय आगे की बातचीत पर छोड़ दिया गया। बताया जा रहा है कि तमिलनाडु में करीब दो दशक पुराने इस

गठबंधन में इस बार तनाव की स्थिति है। इसकी मुख्य वजह कांग्रेस की राज्य इकाई की ओर से सरकार में हिस्सेदारी की मांग बताई जा रही है, जिसे डीएमके ने स्वीकार नहीं किया है। कांग्रेस के भीतर कुछ नेताओं ने झारखंड मॉडल की तर्ज पर तमिलनाडु में भी सत्ता में भागीदारी की मांग उठाई है। इसी पृष्ठभूमि में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) नेतृत्व ने सभी प्रमुख राज्य नेताओं की बैठक बुलाकर उनके विचार सुने। बैठक के बाद यह तय किया गया कि अंतिम फैसला शीर्ष नेतृत्व करेगा। तमिलनाडु में डीएमके के साथ गठबंधन को लेकर कांग्रेस के राज्य प्रभारी गिरीश चोडंकर ने एक बातचीत के दौरान कहा, कि गठबंधन वार्ता अभी औपचारिक रूप से शुरू नहीं हुई है और कांग्रेस डीएमके की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा, हम पिछले दो महीनों से इंतजार कर रहे हैं। हमारा विपक्ष काफी आक्रामक तरीके से काम कर रहा है। नवंबर में हमने गठबंधन समिति का गठन किया था और अनुरोध किया था कि 15 दिसंबर तक बातचीत पूरी कर ली जाए, लेकिन अभी तक देरी हो रही है। ये घटनाक्रम ऐसे समय सामने आए हैं, जब तमिलनाडु में इस साल के पहले छह महीनों में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है, हालांकि भारतीय चुनाव आयोग ने अभी आधिकारिक कार्यक्रम घोषित नहीं किया है। 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में 2021 के चुनावों में डीएमके ने 133 सीटें जीती थीं। कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं, जबकि पीएमके ने 5, वीसीके ने 4 और अन्य दलों ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की थी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में कांग्रेस और डीएमके के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत तेज हो सकती है, क्योंकि दोनों दल चुनाव से पहले किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहेंगे।

गणतंत्र दिवस परेड 2026: भारतीय नौसेना का मार्चिंग दल सर्वश्रेष्ठ, राज्यों की झांकियों में महाराष्ट्र अव्वल

-सीएपीएफ व अन्य सहायक बलों में दिल्ली पुलिस की मार्चिंग टुकड़ी को पहला स्थान मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस परेड 2026 में तीनों सेनाओं, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, अन्य सहायक बलों और राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनियों का चयन हो गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, तीनों सेनाओं में भारतीय नौसेना का मार्चिंग दल सर्वश्रेष्ठ चुना गया, जबकि सीएपीएफ व अन्य सहायक बलों में दिल्ली पुलिस की मार्चिंग टुकड़ी को पहला स्थान मिला।

इसके अलावा राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों में महाराष्ट्र की झांकी अव्वल रही, जिसमें 'गणेशोत्सवः आत्मनिर्भरता का प्रतीक' प्रस्तुत किया गया। दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः जम्मू-कश्मीर और केरल की झांकियां रहीं। जम्मू-कश्मीर की झांकी में हस्तशिल्प और लोकनृत्यों को दिखाया गया, जबकि केरल की झांकी में वॉटर मेट्रो और 100 प्रतिशत डिजिटल साक्षरता को प्रदर्शित किया गया। केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों की सर्वश्रेष्ठ झांकी का खिताब संस्कृति मंत्रालय ने जीता है। जिसका शीर्षक था 'वंदे मातरम्ः एक राष्ट्र की आत्म-ध्वनि'। इसके अतिरिक्त विशेष पुरस्कार सीपीडब्ल्यूडी की झांकी और नृत्य समूह को प्रदान किए गए। जनमत के अनुसार, तीनों सेनाओं में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग टुकड़ी के लिए असम रेजिमेंट, जबकि सीएपीएफ में सीआरपीएफ को चुना गया। राज्यों की झांकियों में जनमत के आधार पर गुजरात सर्वश्रेष्ठ, इसके बाद उत्तर प्रदेश और राजस्थान की झांकियां रही। केंद्रीय मंत्रालयों में सर्वश्रेष्ठ झांकी के तौर पर स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की झांकी को सर्वाधिक पसंद किया गया। गणतंत्र दिवस परेड 2026 ने न केवल सैन्य अनुशासन और प्रदर्शन की उत्कृष्टता दिखाई, बल्कि सांस्कृतिक विविधता, नवाचार, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय एकता का संदेश भी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। यह परेड नागरिकों और अधिकारियों दोनों के लिए प्रेरणादायक अनुभव साबित हुई।

झारखंड नगर निकाय चुनाव ईवीएम से नहीं बैलेट पेपर से होंगे

-चुनाव आयोग ने 18 साल पुरानी व्यवस्था फिर लागू करने का लिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। नगरीय निकाय चुनाव को लेकर इस बार चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। कई सालों बाद चुनाव में पुरानी व्यवस्था की वापसी हो रही है। इस बार मतदान ईवीएम से नहीं, बल्कि बैलेट पेपर से कराए जाएंगे। इस बदलाव से न सिर्फ मतदान प्रक्रिया बदलेगी, बल्कि चुनाव परिणाम आने में भी समय लगेगा। चुनाव नतीजों के लिए करीब 72 घंटे तक इंतजार करना पड़ सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईवीएम से होने वाले चुनावों में जहां मतगणना कुछ ही घंटों में पूरी हो जाती थी, वहीं बैलेट पेपर से मतदान होने से करीब 72 घंटे लग सकते हैं। इससे उम्मीदवारों और समर्थकों की बेचैनी भी बढ़ेगी। इससे पहले 2008 में नगर निकाय चुनाव बैलेट पेपर से कराए गए थे। उस समय मतगणना पूरी होने में करीब तीन दिन का समय लगा था। 2008 के बाद चुनाव प्रक्रिया को आसान और तेज बनाने के लिए नगर निकाय चुनावों में ईवीएम को शामिल किया गया था। इसके बाद हुए दो चुनाव ईवीएम से कराए गए, जिससे मतदान और मतगणना दोनों ही तेजी से पूरी हुई, लेकिन इस बार चुनाव आयोग ने करीब 18 साल पुरानी बैलेट पेपर प्रणाली को दोबारा लागू करने का फैसला किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक बैलेट पेपर प्रणाली के तहत मतदाताओं को इस बार एक ही बैलेट बॉक्स में दो अलग-अलग बैलेट पेपर डालने होंगे। एक बैलेट पेपर महापौर पद के लिए तो दूसरा पार्षद के लिए होगा। ऐसे में मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को ज्यादा सतर्क रहना होगा। चुनाव विशेषज्ञों का मानना है कि बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर प्रशासनिक चुनौतियां बढ़ेंगी। वहीं परिणाम आने में देरी के कारण उम्मीदवारों की धड़कनें भी तेज होगी। कुल मिलाकर इस बार नगर निकाय चुनाव न सिर्फ मतदान का, बल्कि धैर्य और इंतजार की भी परीक्षा साबित होगा।

आरक्षण के लिए धर्मांतरण मामले पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सीजेआई बोले- यह नया फर्जीवाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा में आरक्षण का लाभ लेने के लिए कथित रूप से किए जा रहे धर्मांतरण के मामलों पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने इस प्रवृत्ति को ÷नए किस्म का फर्जीवाड़ा÷ करार देते हुए कहा कि प्रभावशाली और सवर्ण जातियों के लोग केवल अल्पसंख्यक आरक्षण हासिल करने के उद्देश्य से धर्म परिवर्तन कर रहे हैं, जो स्वीकार्य नहीं है।

यह टिप्पणी प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जोयमाल्य बागची की पीठ ने हरियाणा के हिसार निवासी निखिल कुमार पुनिया से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान की। याचिकाकर्ता ने स्वयं को बौद्ध धर्म का अनुयायी बताते हुए अल्पसंख्यक कोटे के तहत शैक्षणिक संस्थान में दाखिले की मांग की थी। सुनवाई के दौरान जब सीजेआई ने याचिकाकर्ता की सामाजिक पृष्ठभूमि के बारे में सवाल किया, तो उसके वकील ने बताया कि वह जाट पुनिया समुदाय से आता है। इस पर सीजेआई ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, आप पुनिया हैं? फिर आप अल्पसंख्यक कैसे हो गए? मैं यह स्पष्ट रूप से जानना चाहता हूं कि आप किस पुनिया समुदाय से हैं? वकील की ओर से यह दलील दी गई कि धर्मांतरण करना याचिकाकर्ता का मौलिक अधिकार है और अब वह बौद्ध धर्म का पालन करता है। इस पर पीठ ने कहा कि केवल आरक्षण का लाभ लेने के लिए किया गया धर्मांतरण धोखाधड़ी की श्रेणी में आता है। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि संविधान प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता का उपयोग आरक्षण व्यवस्था को कमजोर करने के लिए नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को यहीं समाप्त नहीं किया, बल्कि हरियाणा में अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल उठाए। कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। पीठ ने पूछा है कि अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र जारी करने के लिए राज्य में क्या नियम और दिशा-निर्देश हैं। क्या कोई सामान्य वर्ग का व्यक्ति, जो ईडब्ल्यूएस श्रेणी में भी नहीं आता, केवल धर्म बदलकर अल्पसंख्यक का दर्जा प्राप्त कर सकता है? यदि किसी छात्र ने पूर्व में स्वयं को सामान्य श्रेणी का बताया हो, तो क्या वह बाद में लाभ के लिए खुद को बौद्ध अल्पसंख्यक घोषित कर सकता है?

कोर्ट ने कहा कि हरियाणा जैसे राज्यों में जाट समुदाय एक प्रभावशाली वर्ग माना जाता है। यदि इस तरह के मामलों को मान्यता दी गई, तो इससे वास्तविक

अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन होगा, जिन्हें संरक्षण देने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। सुप्रीम कोर्ट अब हरियाणा सरकार की रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। माना जा रहा है कि यह मामला भविष्य में धार्मिक स्वतंत्रता और आरक्षण के बीच की संवैधानिक सीमा तय करने में एक अहम नजीर बन सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर गोलीबारी, एक घायल

मेक्सिको , एजेंसी । अमेरिका और मेक्सिको की सीमा के पास एरिवाका, एरिज़ोना में बॉर्डर पेट्रोल से जुड़ी गोलीबारी में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ । पीमा काउंटी शेरिफ विभाग ने बताया कि घटना के बाद स्वतंत्र और अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के साथ मिलकर जांच की जा रही है । घायल व्यक्ति को स्थानीय हेलिकॉप्टर के माध्यम से नजदीकी ट्रॉमा सेंटर में ले जाया गया । घटना के बाद घायल को हिरासत में लिया गया है ।

बेलग्रेड में छात्र विरोध प्रदर्शनों पर कड़ा रुख, हजारों ने प्रदर्शन किया

बेलग्रेड, एजेंसी । सर्बिया की राजधानी में हजारों लोग इकट्ठा हुए और विश्वविद्यालयों पर लग रहे सरकारी दबाव के खिलाफ आवाज उठाई । 'ज्ञान ही शक्ति है' के नाम से आयोजित शांतिपूर्ण प्रदर्शन में छात्रों और शिक्षकों के समर्थन में लोगों ने भाग लिया, जिन्हें विरोध प्रदर्शन में भाग लेने पर नौकरी या पद से हटाया गया था । छात्र विरोध की शुरुआत नवंबर 2024 में नोवी सैड में रेलवे स्टेशन के गिरने के हादसे से हुई थी, जिसमें 16 लोगों की मौत हुई थी । सरकार पर छात्रों और शिक्षकों पर दबाव बनाने के आरोप लगे हैं ।

अमेरिका ने वेनेजुएला में दूतावास फिर खोलने के लिए उठाए कदम

वाशिंगटन, एजेंसी । ट्रंप प्रशासन ने कांग्रेस को सूचित किया है कि वे बंद हुए अमेरिकी दूतावास को संभावित रूप से फिर से खोलने के लिए पहले कदम उठा रहे हैं । अस्थायी कर्मचारियों को दूतावास की चयनित कूटनीतिक गतिविधियों के लिए भेजा जाएगा । वर्तमान दूतावास परिसर, जो मार्च 2019 में बंद किया गया था, उसे मानक के अनुसार तैयार किया जाएगा ।

इस्राइल ने वेस्ट बैंक में इतालवी अधिकारियों पर हुए हथियार की कार्रवाई की जांच का वादा किया

येरुशलम, एजेंसी । इस्राइल ने वेस्ट बैंक में दो इतालवी सुरक्षा अधिकारियों को स्वचालित हथियार के जरिए रोके जाने के मामले की जांच का वादा किया है । इस्राइल के इटली दूत जोनाथन पेल्ड ने इतालवी विदेश मंत्री की मांग पर रोम में यह आश्वासन दिया । इतालवी अधिकारियों का कहना है कि उन्हें डिप्लोमेटिक वाहन होने के बावजूद रोका गया और हथियार दिखाया गया । इस्राइल ने कहा कि यह सेना की मानक प्रक्रिया के तहत किया गया था ।

नाइजीरिया में तख्तापलट की साजिश में कई सैन्य अफसरों पर चलेगा केस

नाइजीरिया , एजेंसी । नाइजीरिया कई सैन्य अधिकारियों पर तख्तापलट साजिश के आरोप में मुकदमा चलाएगा । नाइजीरियाई रक्षा मुख्यालय ने बताया कि जांच पैनल की रिपोर्ट में राष्ट्रपति बोला टीनुबू की सरकार के खिलाफ तख्तापलट की योजना के सबूत मिले हैं । बीते साल अक्तूबर में अनुशासनहीनता और सेवा नियमों के उल्लंघन के आरोप में 16 अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया था । हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि इनमें से कितनों पर मुकदमा चलेगा । फिलहाल अधिकारियों के नाम भी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं ।

इंडोनेशिया में भूस्खलन में फंसे 23 सैनिकों की मौत

जकार्ता, एजेंसी । इंडोनेशिया के पश्चिमी जावा प्रांत में हुए भूस्खलन में फंसे 23 मरीन सैनिकों की मौत हो गई है । यह हादसा शनिवार को बांडुंग बारात क्षेत्र के पासिर लंगु गांव में भारी बारिश के बाद हुआ । सैनिक इंडोनेशिया–पापुआ न्यू गिनी सीमा पर तैनाती से पहले प्रशिक्षण अभ्यास में जुटे थे । आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, कुल मृतकों की संख्या 20 से बढ़कर 23 हो गई है, जबकि 42 लोग अब भी लापता हैं । लगभग 800 बचावकर्मी, सेना, पुलिस और नौ खोदाई मशीनें राहत कार्य में लगी हैं ।

फिलीपीन में जहाज डूबने से 18 की मौत, कंपनी के अन्य जहाजों पर रोक

बेसिलान , एजेंसी । फिलीपीन में यात्री जहाज डूबने की घटना के बाद सरकार ने संबंधित कंपनी के अन्य जहाजों के संचालन पर अनिश्चितकालीन रोक लगा दी है । दक्षिणी बेसिलान प्रांत के पास एम/वी त्रिशा केरस्टिन-3 फेरी के डूबने से कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 316 यात्रियों को बचा लिया गया । अभी भी 10 लोग लापता हैं, इनमें से अधिकांश चालक दल के सदस्य हैं । नाव में 317 यात्री और 27 क्रू सवार थे । तटरक्षक बल और नौसेना गहराई में स्थित मलबे की तलाश कर रही है । सरकार ने जहाजों की समुद्री सुरक्षा जांच के आदेश दिए हैं ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस -क्लाउड में बड़ा दांव

अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट के 15 नए डेटा सेंटर को मंजूरी; भारत समेत दुनिया पर पड़ेगा असर

माउंट प्लेजेंट, विस्कॉन्सिन, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच माइक्रोसॉफ्ट ने अमेरिका में अपने डाटा सेंटर नेटवर्क के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। विस्कॉन्सिन राज्य के माउंट प्लेजेंट गांव में पूर्व फॉक्सकॉन औद्योगिक स्थल के पास 15 नए डाटा सेंटरों की योजना को स्थानीय प्रशासन से सर्वसम्मत मंजूरी मिल गई है। यह फैसला केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर भारत सहित उन सभी देशों पर पड़ेगा जहां माइक्रोसॉफ्ट के क्लाउड, एआई और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का व्यापक उपयोग होता है।

माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, गूगल व ओरेकल जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियां इस समय एआई आधारित सेवाओं के लिए विशाल डाटा सेंटर तैयार करने की होड़ में हैं। इन केंद्रों में एनवीडिया चिप्स का इस्तेमाल कर बड़े जनरेटिव एआई मॉडल को प्रशिक्षित व संचालित किया जाता है। माउंट प्लेजेंट में अतिरिक्त डाटा सेंटर क्षमता माइक्रोसॉफ्ट को ओपनएआई व अन्य वैश्विक ग्राहकों से पहले से बुक किए गए राजस्व को औपचारिक रूप से मान्यता देने में मदद करेगी।

भारत में एआई स्टार्टअप्स, क्लाउड सेवाओं और डिजिटल गवर्नेंस से जुड़े उपयोगकर्ताओं के लिए यह विस्तार अप्रत्यक्ष रूप से सेवाओं की स्थिरता और स्केल को मजबूत करेगा। आधिकारिक दस्तावेजों के

मुताबिक प्रस्तावित डाटा सेंटर विकास परियोजनाओं का कुल करयोग्य मूल्य 13 अरब डॉलर से अधिक है। यह आंकड़ा संकेत देता है कि एआई इंफ्रास्ट्रक्चर अब सिर्फ तकनीकी जरूरत नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति बन चुका है।

परियोजना का स्वरूप और तकनीकी महत्व

माइक्रोसॉफ्ट का नया विस्तार उसके मौजूदा डेटा सेंटर परिसर के उत्तर-पश्चिम में स्थित दो भूखंडों पर प्रस्तावित है। बड़े भूखंड के लिए कंपनी ने 2023 और 2024 में गांव और निजी भूमि मालिकों से जमीन खरीदी। दोनों योजनाओं में लगभग 9 मिलियन वर्ग फुट का निर्माण क्षेत्र और तीन सबस्टेशन शामिल हैं, जो उच्च क्षमता वाली बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे।

भारत के लिए क्यों अहम है यह खबर

भारत में माइक्रोसॉफ्ट की क्लाउड सेवाएं, एआई टूल्स और एंटरप्राइज सॉल्यूशंस तेजी से अपनाए जा रहे हैं। अमेरिका में डेटा सेंटर क्षमता का विस्तार वैश्विक नेटवर्क को मजबूत करता है, जिससे भारतीय कंपनियों, सरकारी परियोजनाओं और स्टार्टअप्स को अधिक भरोसेमंद और स्केलेबल डिजिटल सेवाएं मिल सकती हैं। यही वजह है कि माइक्रोसॉफ्ट की हर बड़ी गतिविधि पर भारत सहित दुनिया भर की नजर रहती है।

भारत जैसे उभरते डिजिटल बाजारों में भी इसी तरह के निवेश मॉडल पर नजर रखी जा रही है। दुनिया भर में डाटा सेंटरों के लिए उपयुक्त स्थान खोजना एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। भारी ऊर्जा जरूरतों के कारण कई बार यूटिलिटी कंपनियां आवश्यक सप्लाई देने में असमर्थ होती हैं। साथ ही, स्थानीय समुदायों में पर्यावरण और संसाधनों को लेकर विरोध भी बढ़ रहा है।

फॉक्सकॉन के अनुभव से सीखा सबक

माउंट प्लेजेंट का यह इलाका पहले भी वैश्विक सुर्खियों में रह चुका है। साल 2017 में फॉक्सकॉन ने यहां 10 अरब डॉलर की फैक्ट्री और 13,000 नौकरियों का वादा किया था, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी समर्थन दिया था। इसके लिए गांव ने जमीन खरीदी और राज्य के करदाताओं के पैसे से बुनियादी ढांचा तैयार किया गया। लेकिन योजना पूरी तरह साकार नहीं हो सकी। 2023 तक फॉक्सकॉन ने पूरे विस्कॉन्सिन में केवल 1,000 लोगों को रोजगार दिया और गांव पर 250 मिलियन डॉलर से अधिक का वित्तीय बोझ आ गया। इसी पृष्ठभूमि में माइक्रोसॉफ्ट की परियोजना को अधिक यथार्थवादी और स्थायी निवेश के रूप में देखा जा रहा है।

अदियाला जेल में बड़ी बीमारी से जूझ रहे हैं इमरान खान,

पीटीआई बोली– इलाज मिले और परिजनों से मिलने दें

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने दावा किया है कि इमरान खान की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान जारी कर इस मामले में गहरी चिंता जताई है।

क्या है बीमारी? : पीटीआई के मुताबिक, मेडिकल रिपोर्ट से पता चला है कि इमरान खान की दाहिनी आंख में 'सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन' की समस्या है। यह एक बहुत ही गंभीर स्थिति है जिसमें आंख की नस में खतरनाक ब्लॉकेज हो जाता है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि अगर इसका तुरंत और सही तरीके से इलाज नहीं हुआ, तो उनकी रोशनी हमेशा के लिए खत्म हो सकती है।

पार्टी के आरोप : पार्टी ने आरोप लगाया है कि जेल अधिकारी इस गंभीर बीमारी को नजरअंदाज कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बीमारी के इलाज के लिए खास ऑपरेशन थिएटर और आधुनिक सुविधाओं की जरूरत है। इसके बावजूद जेल प्रशासन उन्हें अदियाला जेल के अंदर ही अंदर इलाज करने पर जोर दे रहे थे। पीटीआई ने इसे लापरवाही भरा रवैया बताया है। पार्टी का कहना है कि इमरान खान की सेहत और नजर

दोनों बड़े खतरे में हैं।

बयान में यह भी कहा गया कि इमरान खान को अक्टूबर 2024 के बाद से उनके निजी डॉक्टर से मिलने नहीं दिया गया है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट के आदेशों के बाद भी उनकी मेडिकल जांच नहीं कराई गई। पार्टी ने बताया कि नियमित जांच की मांग वाली एक याचिका अगस्त 2025 से लंबित है। पीटीआई ने इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन और राजनीतिक बदला बताया है।

अस्पताल ने जाहिर की चिंता : इमरान खान के बनाए शौकत खानम अस्पताल ने भी उनकी सेहत पर चिंता जाहिर की है। अस्पताल ने मांग की है कि उनकी मेडिकल टीम को इमरान खान की जांच करने की अनुमति दी जाए। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि वे उनकी भलाई के लिए उनकी देखभाल में शामिल होना चाहते हैं।

क्या बोला परिवार? : दूसरी ओर, इमरान खान की बहनों ने इस खबर की सच्चाई पर सवाल उठाते हुए जेल के बाहर प्रदर्शन किया। अलीमा खानम और नोरीन खानम ने आरोप लगाया कि यह खबर जानबूझकर किसी एजेंसी ने लीक की है ताकि डर का माहौल बनाया जा सके।

दो संघीय अधिकारियों ने गोलियां चलाई– कांग्रेस से बोला डीएचएस

वाशिंगटन, एजेंसी। सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा के एक अधिकारी ने मंगलवार को कांग्रेस को भेजे गए एक नोटिस में बताया कि मिनियापोलिस में आईसीयू नर्स एलेक्स प्रेटी की मौत के मामले में दो संघीय अधिकारियों ने गोलीबारी की थी। कांग्रेस को भेजी गई एक सूचना के अनुसार, अधिकारियों ने प्रेटी को हिरासत में लेने की कोशिश की और उसने विरोध किया, जिसके कारण हाथापाई हुई। अधिकारी ने बताया कि हाथापाई के दौरान, सीमा गश्ती दल के एक एजेंट ने कई बार चिल्लाकर कहा, 'उसके पास बंदूक है!'

इस नोटिस में कहा गया है कि बॉर्डर पेट्रोल अधिकारी और सीबीपी अधिकारी दोनों ने ग्लॉक पिस्तौल से गोली चलाई। नोटिस में कहा गया है कि सीबीपी के व्यावसायिक उत्तरदायित्व कार्यालय के जांचकर्ताओं ने बॉडी-वियर कैमरा फुटेज और एजेंसी के दस्तावेजों की समीक्षा के आधार पर विश्लेषण किया। कानून के अनुसार, एजेंसी को सीबीपी हिरासत में हुई मौतों के बारे में 72 घंटों के भीतर संबंधित कांग्रेस समितियों को सूचित करना अनिवार्य है। यह अधिसूचना राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से प्रेटी की मौत के बाद मिनेसोटा में अपने प्रशासन की आव्रजन संबंधी कार्रवाई की कमान सीमा प्रमुख टॉम होमन को सौंपने के एक दिन बाद आई है। एलेक्स प्रेटी की मौत इस महीने आव्रजन कानून प्रवर्तन अधिकारियों के हाथों किसी व्यक्ति की हुई दूसरी घातक गोलीबारी थी।

बलूचिस्तान : सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 10 विद्रोही मारे गए

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक अभियान के दौरान दो विद्रोही समूहों से जुड़े दस लोग मारे गए, जबकि 10 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) आयेतजाद अहमद गोराया ने क्वेटा में पत्रकारों को बताया कि यह घटना सोमवार को पंजगुर शहर के पहाड़ी इलाकों में हुई।

ट्रम्प बोले- दूसरा नौसैनिक बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा

नए समझौते पर सहमति का दबाव बनाया, एक जंगी बेड़ा पहले ही पहुंच चुका है

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ शिकंजा और कसने की तैयारी में है। अमेरिका ईरान के आसपास अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा है। मंगलवार को दिए एक भाषण में ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका का एक और नौसैनिक बेड़ा ईरान की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि, इसकी उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरान को नए समझौते पर सहमत किया जा सकता है।

एक हफ्ते पहले भी ट्रम्प ने इसी तरह का बयान देते हुए कहा था कि एक बड़ा अमेरिकी सैन्य बेड़ा ईरान की तरफ बढ़ रहा है। बीबीसी फारसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी युद्धपोत 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' मिडिल ईस्ट में पहुंच चुका है। यूएसएस अब्राहम लिंकन अमेरिकी नौसेना का एक न्यूक्लियर-पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ताकतवर वॉरशिप में से एक माना जाता है।

अमेरिका ने ईरान के आगे 4 शर्तें रखी : ट्रम्प ने एक्सियोस को दिए एक अलग इंटरव्यू में कहा कि ईरान के साथ स्थिति अभी बदल रही है। उन्होंने दावा किया कि ईरान अब बातचीत के लिए तैयार हो सकता है। ट्रम्प ने कहा, 'ईरान के पास वेनेजुएला से बड़ा आर्मडा (बेड़ा) है।' उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के अधिकारी कई बार संपर्क कर चुके हैं और वे डील करना चाहते हैं। ट्रम्प का मानना है कि ईरान बात करने के लिए उत्सुक है।

एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। अगर ईरान संपर्क करता है और शर्तें मानता है तो बात होगी। इस महीने अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने समझौते के लिए शर्तें बताई हैं-

ईरान के खिलाफ पहले कार्यकाल से आक्रामक रहे ट्रम्प : ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल (2017-2021) में ईरान के साथ 2015 के परमाणु समझौते संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) से अमेरिका को पूरी तरह बाहर निकाल लिया था। यह समझौता ओबामा प्रशासन के समय में जुलाई 2015 में हुआ था, जिसमें ईरान, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, रूस, चीन और यूरोपीय संघ शामिल थे। समझौते के तहत ईरान ने अपनी परमाणु गतिविधियों पर कई सख्त सीमाएं लगाई थीं, जैसे:

ईरान पर मैक्सिमम प्रेशर की नीति अपनाते हैं ट्रम्प : इसके बदले में ईरान को अमेरिका और अन्य देशों ने लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों में छूट दी, खासकर तेल निर्यात, बैंकिंग और व्यापार पर। इससे ईरान की अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ था। ट्रम्प ने चुनाव प्रचार में ही इस समझौते को दुनिया का सबसे खराब समझौता कहा था। उनका कहना था कि यह समझौता ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को सिर्फ टालता है, खत्म नहीं करता। ईरान ने समझौते में बुरे इरादे से हिस्सा लिया और पहले अपना परमाणु हथियार कार्यक्रम छिपाया था। उन्होंने कहा था कि समझौता ईरान के अन्य बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रॉक्सी ग्रुप्स को समर्थन, आतंकवाद और अमेरिकियों की हिरासत पर रोक नहीं लगाता।8 मई 2018 को ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में जॉइंट कॉन्प्रीहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन (जेसीपीओए) से बाहर निकलने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने उन सभी प्रतिबंधों को फिर से लागू कर दिया जो समझौते के तहत हटाए गए थे।

अमेरिकी महिला सांसद इल्हान ओमर पर हमला, युवक ने लिक्विड स्प्रे किया

मिनेसोटा, एजेंसी। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में एक मीटिंग के दौरान महिला सांसद इल्हान ओमर पर हमला किया गया। मंगलवार को मिनियापोलिस में आयोजित कार्यक्रम में एक व्यक्ति ने उन पर अज्ञात लिक्विड स्प्रे किया। हमले के बाद सुरक्षाकर्मियों ने आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया। सांसद ओमर को कोई चोट नहीं आई। रॉयटर्स के मुताबिक, घटना के वक्त इल्हान ओमर मंच से इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट एजेंसी को खत्म करने की मांग कर रही थीं। उसी दौरान एक व्यक्ति मंच की ओर दौड़ा और सिरिंज से गहरे रंग का लिक्विड उन पर छिड़क दिया। हमलावर को थर्ड-डिग्री

असॉल्ट के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने अब तक यह नहीं बताया है कि तरल पदार्थ क्या था।

यह पूरी घटना सी-एसपीएएन के वीडियो में रिकॉर्ड हुई। वीडियो में देखा गया कि हमलावर को तुरंत जमीन पर गिराकर काबू में कर लिया गया, जबकि दर्शक सदमे में आ गए। हमले से कुछ सेकंड पहले ओमर कह रही थीं कि आईसीई को सुधारा नहीं जा सकता और इसे पूरी तरह खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की सचिव क्रिस्टी नोएम के इस्तीफे की भी मांग की थी। हमले के बाद ओमर ने समर्थकों से कहा कि वह ठीक हैं। कुछ लोगों ने दावा किया कि तरल से बदबू आ रही थी और मेडिकल जांच करानी चाहिए। इसके बावजूद ओमर मंच पर लौटीं और कहा, 'हम मिनेसोटा स्ट्रॉन्ग हैं और ऐसे लोगों से डरने वाले नहीं हैं।'

इल्हान ओमर सोमाली मूल की अमेरिकी नागरिक हैं और 2018 में अमेरिकी कांग्रेस में चुनी जाने वाली पहली मुस्लिम महिलाओं में शामिल रही हैं। वह इमिग्रेशन सुधार और गाजा युद्ध के मुद्दे पर इजराइल की आलोचना को लेकर पहले भी विवादों में रही हैं। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भी मुखर आलोचक रही हैं, जिन्होंने हाल के महीनों में उन पर तीखे बयान दिए थे।

ट्रंप ने फिर राष्ट्रपति पद की दावेदारी के दिए संकेत, आयोवा रैली में बड़ा बयान; चुनाव धांधली के आरोप दोहराए

आयोवा , एजेंसी। अमेरिका में इस साल मध्यावधि चुनाव 2026 होने जा रहे हैं। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (स्थानीय समय) को अपने उस पुराने दावे को दोहराया कि 2020 का राष्ट्रपति चुनाव धोखाधड़ी वाला था। मध्यावधि चुनावों को लेकर ट्रंप चुनावी प्रचार में जुट गए हैं। ऐसे में आयोवा रैली में ट्रंप ने फिर से 'धांधली वाले चुनाव' का दावा दोहराया और समर्थकों में जोश भरने का काम किया। इतना ही नहीं उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति पद की दावेदारी के संकेत भी दिए हैं।

आयोवा के क्लाइव में मंच से भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने एक बार फिर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव का जिक्र किया और कहा कि हमारे यहां धांधली वाला चुनाव हुआ था। इसी के साथ उन्होंने किफायती आवास के मुद्दे पर अपने रिकॉर्ड का बचाव किया और नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए आक्रामक रूप से प्रचार करने की योजना की रणनीति भी पेश की।

अमेरिका में 2026 के मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक माहौल लगातार गर्माया हुआ है। इस बीच आयोवा रैली में ट्रंप ने महंगाई और जीवन-यापन की लागत जैसे मुद्दों पर अपनी सरकार की नीतियों का बचाव किया और रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में जोरदार चुनाव प्रचार करने की बात कही। अपने संबोधन के दौरान ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के कार्यकाल पर संवैधानिक सीमाओं के बावजूद पद पर एक और कार्यकाल की तलाश करने की संभावना का भी संकेत दिया। उन्होंने समर्थकों से पूछा,

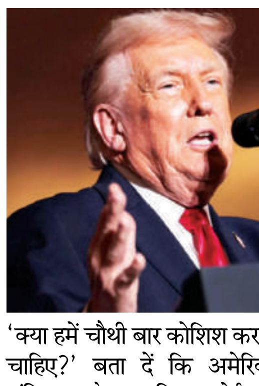

'क्या हमें चौथी बार कोशिश करनी चाहिए?' बता दें कि अमेरिकी संविधान के मुताबिक कोई भी व्यक्ति दो बार ही राष्ट्रपति बन सकते है। ऐसे में ट्रंप का चौथी बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के संकेत देश के अंदर नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर सकता है।

व्हाइट हाउस के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप आने वाले महीनों में कई अहम राज्यों में चुनाव प्रचार करेंगे और पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में रैलियां करेंगे। हाल ही में उन्होंने कहा था कि मैं बहुत ज्यादा चुनावी यात्राएं करने वाला हूं। हालांकि ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि अमेरिकी इतिहास में मध्यावधि चुनाव आमतौर पर सत्तारूढ़ राष्ट्रपति की पार्टी के लिए चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मध्यावधि चुनावों में मौजूदा राष्ट्रपतियों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहता है।'

इसके बावजूद ट्रंप पहले ही नॉर्थ कैरोलिना, पेंसिल्वेनिया और मिशिगन जैसे स्विंग स्टेट्स में चुनावी रैलियां कर चुके हैं, जिन्हें आगामी चुनावों में बेहद अहम माना जा रहा है। बता देंकि अमेरिका में 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव होंगे, जिसमें प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और सीनेट की 100 में से 35 सीटों पर मतदान होगा।

नेतन्याहू बोले-गाजा में अमेरिका की वजह से हमारे सैनिक मरे

बाइडेन पर हथियारों की सप्लाई रोकने का आरोप लगाया, कहा- अब अपनी हथियार इंडस्ट्री बनाएंगे

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने आरोप लगाया है कि अमेरिका की वजह से इजराइल के कई सैनिक मारे गए। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक उन्होंने कहा कि हमास के खिलाफ गाजा जंग के दौरान हथियारों और गोला-बारूद की सप्लाई रोक दी गई थी।

नेतन्याहू ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इजराइल के पास जरूरी गोला-बारूद खत्म हो गया था, इस वजह से कुछ सैनिकों की जान चली गई। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि इस वजह से कितने सैनिकों की मौत हुई। इजराइली पीएम ने सीधे तौर पर पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन का नाम नहीं लिया, लेकिन कहा कि यह हथियार रोक तब खत्म हुई जब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति बने।

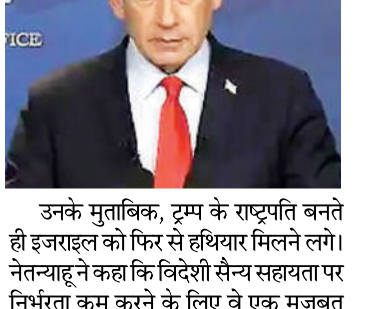

उनके मुताबिक, ट्रम्प के राष्ट्रपति बनते ही इजराइल को फिर से हथियार मिलने लगे। नेतन्याहू ने कहा कि विदेशी सैन्य सहायता पर निर्भरता कम करने के लिए वे एक मजबूत और स्वतंत्र घरेलू हथियार इंडस्ट्री बनाएंगे।

अमेरिकी सहायता पर निर्भरता कम करना चाहते हैं नेतन्याहू : नेतन्याहू ने कहा कि युद्ध में सैनिकों की मौत आम बात है, लेकिन साथ ही यह भी तर्क दिया कि कुछ मौतों को टाला जा सकता था। नेतन्याहू ने बताया कि गोला-बारूद की कमी के कारण सैनिकों को घरों में घुसकर लड़ना पड़ा और कई सैनिक मारे गए। नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि उन्होंने फैसला किया है कि ऐसा दोबारा कभी नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि अगले दशक के भीतर इजराइल अमेरिकी सहायता पर निर्भरता कम कर दे। नेतन्याहू ने इजराइल-अमेरिका संबंध को सहायता से साझेदारी में बदलने की बात कही, जिसमें इजराइल में विकास शामिल हो। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह का सहयोग भारत और जर्मनी सहित अन्य सहयोगी देशों तक भी बढ़ाया जा सकता है। उनका लक्ष्य हथियार के क्षेत्र में अधिकतम स्वतंत्रता हासिल करना है, ताकि कभी भी हथियारों या गोला-बारूद की कमी न हो।

इजराइल को हर साल ?32,000 करोड़ की सहायता देता अमेरिका : वॉर पावर इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका इजराइल को हर साल लगभग 3.8 अरब डॉलर (करीब 32,000 करोड़ रुपये) का सैन्य सहायता देता है। यह मुख्य रूप से फॉरेन मिलिट्री फाइनेंसिंग के तहत होता है, जिसमें 3.3 अरब डॉलर सामान्य हथियार खरीद के लिए और 500 मिलियन डॉलर मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए दिए जाते हैं।

यह सहायता 2016 में साइन हुए 10 साल के समझौते के तहत दी जाती है। यह 2019 से शुरू हुआ और 2028 तक चलेगा। इस एमओयू के तहत कुल 38 अरब डॉलर की सहायता का वादा किया गया था, जो हर साल बराबर किश्तों में मिलती है। यह समझौता ओबामा प्रशासन में हुआ था। अमेरिकी कांग्रेस हर साल इसे अप्रूव करती है। इसके अलावा अक्टूबर 2023 से गाजा युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका ने अतिरिक्त सहायता दी है। 2023-2025 तक कुल 21.7 अरब डॉलर से ज्यादा मिलिट्री एड दी गई है, जिसमें 2024 में 8.7 अरब डॉलर का स्पेशल पैकेज शामिल है।

2025 में भी सालाना 3.8 अरब डॉलर के आसपास जारी रही और ट्रम्प प्रशासन ने मार्च 2025 में इमरजेंसी अथॉरिटी से 4 अरब डॉलर की फास्ट-ट्रैक सहायता दी। कुल मिलाकर, अक्टूबर 2023 से अब तक करीब 17-22 अरब डॉलर या उससे ज्यादा की सहायता दी जा चुकी है।

भारतीय टीम के लिए टी20 विश्व जीतना इतना भी आसान नहीं रहेगा

कठिनाइयां हैं जो नजर नहीं आ रही

मुम्बई (एजेंसी)। भारतयी क्रिकेट टीम अगले माह अपनी ही धरती पर होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा इसे इतना आसान नहीं मानते हैं। भारतीय टीम अभी टी20 में नंबर स्थान पर है और उसने लगातार अपने मैच जीते हैं। वहीं रोहित ने कहा कि विश्वकप जीत की राह में कई कठिनाइयां हैं जो नजर नहीं आ रही हैं। इसमें टीम के लिए विजयी संयोजन बनाना सबसे कठिन काम है।

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि स्पिन आक्रमण को लेकर हमें ध्यान रखना होगा। उनके अनुसार, कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के सामने सबसे मुश्किल सवाल यह होगा कि कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे दो दिग्गज स्पिनरों को एक साथ खिलाया जाए या पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ वरुण को रखा जाए। भारत पिछले एक साल से स्पिन गेंदबाजों पर काफी निर्भर रहा है, जिसमें कुलदीप, वरुण और अक्षर पटेल ने कई मैचों का रुख पलटा है।

रोहित के मुताबिक, अगर टीम प्रबंधन कुलदीप और वरुण दोनों को अंतिम ग्यारह में शामिल करना चाहता है, तो उसे केवल दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतरना पड़ेगा। टी20 क्रिकेट में यह एक बड़ा जोखिम हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि कप्तान और कोच किस तरह का संतुलन चाहते हैं

रोहित ने टूर्नामेंट के समय को भी एक अहम चुनौती बताया है। उन्होंने कहा कि फरवरी-मार्च के दौरान, जब सर्दियों से वसंत का मौसम आता है, भारत के ज्यादातर मैदानों पर शाम के मैचों में भारी ओस देखने को मिलती है। ओस की वजह से स्पिनरों के लिए गेंद पकड़ना और नियंत्रण बनाए रखना कठिन हो जाता है, जिससे टीम की रणनीति प्रभावित हो सकती है।

साथ ही कहा कि अगर अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती तीनों को एक साथ ही रखा जाता है तो टीम संतुलन बिगड़ सकता है क्योंक अर्शदीप सिंह जैसे विशेषज्ञ तेज गेंदबाज को बाहर करना पड़ेगा। ऐसे में भारतीय टीम को जसप्रीत बुमराह के साथ हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे जैसे तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों को लगाना होगा। रोहित के अनुसार, यह फैसला आसान नहीं होगा क्योंकि हर खिलाड़ी अपनी जगह पर विश्व-स्तरीय है।साथ ही कहा कि वर्तमान हालतों में भारतीय टीम के लिए एक तय अंतिम ग्यारह बना दी जाये तो उसमें भी नुकसान है। उसकी जगह हालातों के अनुसार अंतिम ग्यारह तय करनी होगी।

गंभीर को कोच पद से हटाने की कोई योजना नहीं: बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 सीरीज के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर को हटाये जाने की सभी अटकलों को खारिज कर दिया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि देश में क्रिकेट को लेकर जिस प्रकार की दीवानगी रहती है। उसमें सभी अपने को विशेषज्ञ समझते हैं। साथ ही कहा कि सभी को अपनी राय देने का अधिकार है पर इस मामले में बोर्ड किसी भी प्रकार का फैसला अपने विशेषज्ञ पैनल की रिपोर्ट के आधार पर लेता है।

उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई में एक क्रिकेट कमेटी है, जिसमें पूर्व क्रिकेटर शामिल रहते हैं। वे पूरी जिम्मेदारी के साथ सभी फैसले लेते है। वहीं टीम चयन के लिए हमारे पास पांच चयनकर्ता होते हैं, जो योग्यता के बाद इस पद तक पहुंचते हैं। ये ही लोग चयन से जुड़े फैसले लेते हैं। हर फैसले पर कोई न कोई अलग राय हो सकती है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम इन सभी रायों को सुनते और समझते हैं पर अंतिम फैसला हमेशा क्रिकेट कमेटी और चयनकर्ता ही लेते है।'

वहीं हाल में पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा था कि अगर भारतीय टीम टी20 विश्वकप कप 2026 में असफल रहती है तो बीसीसीआई को कठिन फैसला लेते हुए गंभीर को कोच पद से हटा देना चाहिए।' गौरतलब है कि गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम टी20 क्रिकेट में ही अब तक सफल रही है। वहीं टेस्ट में उसका प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और वह दो घरेलू सीरीज हारी है। इसके अलावा एकदिवसीय में भी टीम कुछ विशेष नहीं कर पायी है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें टी20 में सैमसन की जगह ईशान किशन को शामिल करें : पार्थिव

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को होने वाले पांचवे और अंतिम टी20 क्रिकेट मैच में खराब फॉर्म से गुजर रहे संजू सैमसन की जगह पर युवा ईशान किशन को भारतीय टीम में शामिल कर पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाना चाहिये। पार्थिव ने टीम प्रबंधन को सलाह दी है उस इस मैच में सैमसन की जगह पर ईशान को शामिल करना ही फायदेमंद होगा। सैमसन को बाहर करने की मांग इसलिए हो रही है क्योंकि वह पहले ही तीनों मैचों में विफल रहे है। चार मुकाबलों में पारी की शुरुआत करते हुए सैमसन केवल 39 रन ही बना पाये हैं। ऐसे में प्रबंधन के ऊपर अंतिम टी20 में सैमसन की जगह पर युवा ईशान किशन को पारी की शुरुआत के लिए भेजे जाने का दबाव है। ईशान ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर टीम में वापसी की है। वहीं . इस सीरीज में सैमसन का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। अब तक चार मैचों में वह केवल 10, 6, 0 और 24 रन बना पाये हैं। पार्थिव का मानना है कि अंतिम मैच में ईशान को अवसर देने से अगले माह होने वाले टी20 विश्व कप 2026 से पहले उनके फार्म का भी अंदाज हो जाएगा। .

पार्थिव ने कहा कि अगर पांचवे मैच में ईशान अच्छी बल्लेबाजी करते हैं तो उन्हें विश्वकप में मुख्य विकेटकीपर बनाया जा सकता है। ईशान की दो साल बाद टी20 टीम में वापसी हुई है। वहीं इस सीरीज में अब तक ईशान ने तीन मैच खेले हैं, जिनमें उनके स्कोर 8, 76 और 28 रन बनाये हैं। पार्थिव पटेल ने कहा, 'अगर मुझे फैसला लेना होता तो मैं अंतिम मैच में सैमसन की जगह ईशान को शामिल करता। अगर टी20 वर्ल्ड कप के लिए ईशान को मुख्य विकेटकीपर बनाना है, तो पांचवें टी20 और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में उन्हें ही विकेटकीपिंग देनी होगी।'

सूर्यकुमार ने हार पर निराशा जतायी, शिवम के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे मैच में मिली हार पर निराशा जतायी है। सूर्यकुमार ने हालांकि शिवम दुबे की पारी की सराहना की है। शिवम ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 23 गेंदों में ही 65 रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलाने का पूरा प्रयास किया पर बदकिस्मती से वह रन आउट हो गये जिसये ये मैच भारतीय टीम के हाथों से निकल गया। सूर्या ने कहा कि अगर कोई बल्लेबाज शिवम के साथ होता तो इस मैच का परिणाम कुछ और होता। भारतीय टीम ने चौथे टी20 में छह बल्लेबाजों को उतारा पर इसके बाद भी

उसे लाभ नहीं मिला। सूर्यकुमारी ने कहा कि हमने छह बल्लेबाज और पांच गेंदबाज इसलिए उतारे थे जिससे पल चल सके कि टी20 विश्व कप से पहले हम कहां पर हैं। शिवम के अर्धशतक के बाद भी इस मैच में भारतीय टीम हारी है। इस हार से अब पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 3-1 से आगे है।

सूर्यकुमार ने कहा, 'मुझे लगता है कि ओस के बाद भी अगर कोई बल्लेबाज शिवम का साथ देतो तो मैच बच सकता था। हम 50 रनों से हार गए, लेकिन कोई बात नहीं.जैसा कि मैंने कहा, इस तरह लक्ष्य का पीछा करते हुए एक-दो साझेदारियां निर्णायक साबित हो सकती थीं।' कप्तान ने कहा कि हमारे पास कुछ अन्य खिलाड़ियों को भी अंतिम एकादश में शामिल करने का अवसर था पर हम उन खिलाड़ियों को अवसर देना चाहते थे जो टी20 विश्वकप टीम का हिस्सा हैं। हम पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन हम यह देखना चाहते थे कि लक्ष्य का पीछा करते हुए अगर विकेट गिरते हैं तो टीम किस प्रकार का प्रदर्शन करती है।'

अभी फिलहाल संन्यास नहीं लेंगे केएल राहुल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा है जब समय सही आयेगा वह खेल को अलविदा कहने में देर नहीं करेंगे। 33 साल के राहुल ने कहा कि अभी वह समय नहीं आया है और जब आयेगा तो वह फैसला लेने में देर नहीं करेंगे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के साथ बातचीत में राहुल ने कहा कि खेल के अलावा भी जीवन में काफी कुछ है। इसलिए संन्यास का फैसला लेना उनके लिए कठिन नहीं रहेगा। राहुल ने पीटरसन से कहा, 'मैंने एक समय संन्यास के बारे में भी सौचा था पर मुझे नहीं लगता कि इसका फैसला कठिन होगा। साथ ही कहा कि अगर आप अपने प्रति ईमानदार हैं तो जब समय आएगा तब इसे नहीं टालेंगे।' राहुल ने कहा कि वह अपने को एक बड़ा स्टार या बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं मानते हैं, जिसके कारण उनके लिए भविष्य में संन्यास का फैसला आसान रहेगा। उन्होंने कहा, ' वह शांति से संन्यास लेकर जीवन

का आनंद लेना चाहते हैं। उनका मानना है कि परिवार भी साथ है, इसलिए बस वही करो जो अच्छा लगता हो।' राहुल ने कहा, 'हमारे देश और दुनिया भर में क्रिकेट चलता रहेगा पर जीवन में इससे आगे भी काफी कुछ है। मुझे लगता है कि मेरी ये सोच हमेशा से रही है पर जब से मैं पिता बना हूं तब से जीवन के प्रति मेरा नजरिया पूरी तरह से ही बदल गया है। यही मेरी सोच है।' वह अपनी फिटनेस को लेकर भी संघर्ष करते रहे हैं। जिसके कारण उनके खेल में निरंतरता की कमी रही है।

मोइन ने यॉर्कशायर की ओर घरेलू क्रिकेट खेलेंगे संन्यास से वापसी की

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली अब एक बार फिर घरेलू क्रिकेट खेलते नजर आयेंगे। मोइन ने घरेलू क्रिकेट से संन्यास के अपने फैसले को बदलते हुए कहा है कि इस सत्र के लिए काउंटी क्लब यॉर्कशायर से अनुबंध किया है। ये अनुबंध अगले एक साल तक बढ़ाया जा सकता है। यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने भी मोईन के साथ करार की पुष्टि की है। क्लब ने अपने एक बयान में कहा, मैं वाइटैलिटी ब्लास्ट टूर्नामेंट के लिए यॉर्कशायर में शामिल होकर बहुत उत्साहित हूं। यह एक बहुत बड़ा क्लब है जिसका इतिहास बहुत शानदार रहा है पर जो बात मुझे सबसे ज्यादा अच्छी लग रही है वह टीम का लगातार आगे बढ़ना है। टीम में काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। ऐसे में इस क्लब की ओर से खेलना उनके लिए खुशी की बात होगी। साथ ही कहा कि मुझे हमेशा हेडिंग्ले में खेलना पसंद रहा है।

विकेट, माहौल और समर्थक इसे एक खास जगह बनाते हैं। यह एक नई चुनौती जैसा लगता है और मैं इसके लिए भूखा हूं। मैं अपना अनुभव लाना चाहता हूं, अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहता हूं और यॉर्कशायर को मुकाबला करने में सहायता करना चाहता हूं। यॉर्कशायर ने अभी तक ब्लास्ट का खिताब नहीं जीता है और मेरा प्रयास इस बार टीम को जीत में सहायता करना है पिछले साल नॉर्थ ग्रुप की नौ टीमों में से यॉर्कशायर आठवें स्थान पर रही थी। वहीं यॉर्कशायर के क्रिकेट जनरल मैनेजर गेविन हैमिल्टन ने कहा, मोईन एक विश्व-स्तरीय ऑलराउंडर हैं उनका प्रभाव मैदान पर काफी ज्यादा होता है। उनका अनुभव और नेतृत्व बहुत कीमती होगी क्योंकि हम अपनी टी20 टीम को बेहतर बनाना जारी रखेंगे। उनके आने से टीम के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा।

हर्षित हर मैच के साथ बेहतर हो रहे : कोच कोच श्रवण

नई दिल्ली । तेज गेंदबाज हर्षित राणा के बचपन के कोच श्रवण कुमार ने उनकी जमकर प्रशंसा की है। कोच ने कहा है कि हर्षित हर मैच के साथ ही बेहतर होते जा रहे हैं। साथ ही कहा कि जिस प्रकार से वह आगे बढ़ रहा है उससे उन्हें काफी खुशी हुई है। कोच के अनुसार हर्षित गेंदबाज ही नहीं बल्लेबाज़ी में भी निरंतर बेहतर हो रहे हैं। श्रवण हर्षित राणा के साथ ही अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ ईशांत शर्मा के भी कोच रहे हैं। राणा ने नई गेंद से न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज में प्रभावित किया है। इस युवा तेज गेंदबाज ने एकदिवसीय के साथ ही टी20 में भी अच्छा खेला है। तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में हर्षित ने 6 विकेट लिए थे। वहीं टी20 सीरीज़ में दो मैचों में उन्होंने 2 विकेट

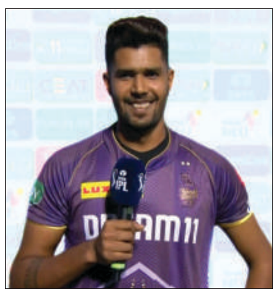

लिए थे। श्रवण ने कहा, राणा हर दिन के साथ ही बेहतर हो रहा है। उसे जितना अधिक खेलने को मिलेगा उतना ही बेहतर होता जाएगा। राणा ने अब तक 14 एकदिवसीय मैचों में 26 विकेट लिए हैं, उनका औसत 27.38 रहा है। उनकी इकॉनमी रेट 6.21 रही है। इसके अलावा 8 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 9 विकेट, और 2 टेस्ट में 4 विकेट लिए हैं। राणा बड़े शॉट लगाने के कारण भी नजरों में आये हैं। हर्षित ने वह बड़े-बड़े छक्के लगाने में सक्षम हैं। एकदिवसीय में नंबर आठ पर खेलते हुए सात पारियों में इस क्रिकेटर ने 124 रन, औसत 24.80 और 121 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट के साथ एक अर्धशतक लगाया है। टी20 में भी उन्होंने दो पारियों में 48 रन बनाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 35 रन रहा। इस क्रिकेटर ने सीरीज़ के पहले एकदिवसीय में विराट के आउट होने के बाद 23 गेंदों में 29 रन बनाकर पारी को संभाला। कोच के अनुसार हर्षित को सफल ऑल-राउंडर बनने के लिए अपने को साबित करना होगा। साथ ही कहा कि महान ऑलराउंडर कपिल देव शुरुआत में अंतिम स्थान पर उतरते थे पर अपनी प्रदर्शन से वह शीर्ष पर पहुंचे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना खुद का इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

मेलबर्न (एजेंसी)। पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ।

जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं। जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है।

जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा, 'मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता।'

उन्होंने कहा, 'मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था और अब मैं कार्लोस और यानिक का पीछा कर रहा हूं। शायद बीच में लगभग 15 साल का ऐसा समय था जब मैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए हुए था।' जोकोविच ने कहा, 'इसे सही परिप्रेक्ष्य में देखना महत्वपूर्ण है। सच कहूं तो मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं किसी का पीछा कर रहा हूं। मैं अपना खुद का इतिहास रच रहा हूं।'

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष वर्ग में शीर्ष चार वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पहला सेमीफाइनल दूसरी वरीयता प्राप्त सिनर और जोकोविच के बीच खेला जाएगा जबकि नंबर एक कार्लोस अल्काराज और नंबर तीन अलेक्जेंडर ज़्वेरेव शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। इन दोनों मैच के विजेता रविवार को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि 38 वर्षीय जोकोविच मेलबर्न में एक ही लक्ष्य के साथ आए हैं। वह है अपना 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतना। इससे वह सर्वकालिक सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगे। पिछले साल वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे थे।

विराट के साथ खेले अजितेश आजकल अंपायरिंग कर रहे

नवी मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर अजितेश अर्गल आजकल महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में अंपायरिंग कर रहे हैं। अजितेश ने अपने करियर के शुरुआती दौर में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। वह साल 2008 में विराट कोहली की कप्तानी वाली अंडर-19 विश्वकप विजेता टीम में शामिल रहे थे। अजितेश ने तब भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। तब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच में अजितेश ने घातक गेंदबाजी करते हुए दो बड़े विकेट झटके थे। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला था।उस समय यह माना जा रहा था कि वह शीघ्र ही भारतीय सीनियर टीम में जगह बनाएंगे पर ऐसा हुआ नहीं। वर्ल्ड कप की सफलता के बाद अजितेश को किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) ने अपनी टीम में शामिल किया पर एक भी मैच में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने बड़ौदा की ओर से खेला था। उन्होंने अपने करियर में कुल 10 फर्स्ट क्लास, 6 टी-20 और 3 लिस्ट-ए मैच खेले, जिनमें उन्होंने 29 विकेट लिए। उन्होंने अपना अंतिम पेशेवर मैच साल 2015 में खेला था।क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद अजितेश आयकर अधिकारी के तौर पर काम करने लगे पर अधिक समय खेल से दूर नहीं रह पाये। साल 2023 में उन्होंने अंपायरिंग की परीक्षा पास की और अब वे एक बार फिर रेफरी और अंपायर की भूमिका में दिख रह हैं। इस डब्यूपीएल सत्र में उन्होंने गुजरात जायंट्स, यूपी वॉरियर्स, आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के मैचों में अंपायरिंक की है।

पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कई महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने यह बयान भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के पूर्व प्रमुख की एफआईआर और उनके खिलाफ दर्ज आरोपों को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय करते हुए दिया। याचिकाकर्ता के वकील द्वारा स्थगन का अनुरोध किए जाने पर न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड मंगवाए। बृज भूषण के वकील द्वारा मुख्य वकील की अनुपलब्धता का हवाला देते हुए स्थगन का अनुरोध किए जाने पर अदालत ने सवाल किया कि याचिकाकर्ता द्वारा इस मामले पर अभी तक बहस क्यों नहीं की गई है। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, 'आप इस पर बहस क्यों नहीं कर रहे हैं? आपने याचिका दाखिल की है, लेकिन इस पर एक बार भी बहस नहीं हुई है।' इस पर बृज भूषण के वकील ने भरोसा दिलाया कि अगली तारीख

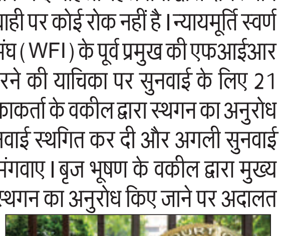

पर याचिका पर बहस की जाएगी। अदालत ने साफ कहा, 'कोई रोक नहीं है। यह स्पष्ट किया जाता है कि निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई स्थगन नहीं है।' सिंह ने वर्ष 2024 में उच्च न्यायालय का रुख करते हुए कहा था कि उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है और उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है। अपनी याचिका में उन्होंने आरोप लगाया कि जांच पक्षपातपूर्ण तरीके से की गई और केवल पीड़ितों के बयानों को ही आधार बनाया गया, जो उनसे बदला लेना चाहते थे। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपों की सच्चाई की जांच किए बिना ही निचली अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दी गई। निचली अदालत ने 21 मई, 2024 को यौन उत्पीड़न, धमकी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय किए। इस मामले में सह-आरोपी और WFI के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ भी आपराधिक धमकी का आरोप तय किया था। दिल्ली पुलिस ने मई 2023 में उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद सिंह के खिलाफ FIR दर्ज की थी।

ओलंपिक 2036 दावेदारी : एक्काटिक्स, नौकायन, साइकिलिंग पर रहेगा जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ओलंपिक 2036 की दावेदारी मजबूत करने के लिये पदक रणनीति में भी बदलाव किये जा रहे हैं ताकि एक्काटिक्स और साइकिलिंग जैसे खेलों में भी मजबूती से उपस्थिति दर्ज कराई जा सके जिनमें आम तौर पर प्रदर्शन औसत रहता है । इन दोनों खेलों में सौ से अधिक ओलंपिक पदक दाव पर लगे होते हैं लेकिन भारत की झोली खाली ही रहती है।

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, 'अगर हमारे देश में ओलंपिक होते हैं और हमारे खिलाड़ी छह पदक लेकर 71वें स्थान पर रहते हैं तो क्या यह अच्छा लगेगा, जैसा पेरिस (2024) में हुआ था। हमें इस पर तुरंत गौर करना होगा।' सूत्र ने कहा, 'मेजबान देश ओलंपिक में अपना प्रदर्शन बेहतर करने पर जोर देते हैं ताकि अपने देश में होने वाले खेलों में मैदान पर भी उनका परचम लहराए।'

चीन ने 2008 बीजिंग ओलंपिक से ऐसे खेलों में अपने प्रदर्शन में सुधार किया जिसमें अतीत में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इनमें मुक्केबाजी, केनोइंग और तीरंदाजी शामिल है। सूत्र ने कहा, 'भारत अपने खेलों के सफर में एक अहम मोड़ पर है और चुनौती यह पक्का करना है कि हम यहां से ऊपर उठें, नीचे न गिरे। बुनियादी ढांचा चिंता का विषय नहीं है, यह सबसे आसान काम है और शायद सबसे अधिक दिखने वाला भी, इसीलिए इसके प्रति जुनून है। बड़ी चिंता एक खेल देश के रूप में हमारे दर्जे की है।' इसलिए अब फोकस स्कूलों पर होगा जहां से 2036 ओलंपिक के भावी सितारे निकलेंगे।

उन खेलों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा जिनमें भारत का प्रदर्शन खास नहीं रहा है लेकिन जिनसे पदक मिल सकते हैं। इसके लिए एक्काटिक्स, नौकायन और साइकिलिंग प्राथमिकता में हैं। एक्काटिक्स में तैराकी, गोताखोरी, वाटरपोलो, कलात्मक तैयारी और ओपन वॉटर तैराकी शामिल है। इनमें लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में 36 स्पर्धाओं के 350 से अधिक कुल पदकों में से 55 दाव पर होंगे।

नौकायन में 15 स्पर्धाओं में 45 और साइकिलिंग में 22 स्पर्धाओं में 66 पदक दाव पर होंगे। सूत्र ने कहा, 'हम उन खेलों पर फोकस करना चाहते हैं जिनमें अभी तक प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसके यह मायने नहीं हैं कि हम मुक्केबाजी, कुश्ती या निशानेबाजी की उपेक्षा करने जा रहे हैं। लेकिन अधिक पदक देने वाले खेलों की उपेक्षा नहीं की जा सकती।'

एलिस पेरी ने क्रिकेट ही नहीं फुटबॉल में भी बनाये हैं रिकार्ड

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर एलिस पेरी एक शानदार क्रिकेटर के साथ ही एक अच्छी फुटबॉलर भी रही हैं। एलिस ने साल 2013 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की ओर क्रिकेट के अलावा फुटबॉल में खेला है। एलिस ने फीफा वर्ल्ड कप क्वार्टरफाइनल में भी गोल दागा था। यह

गोल उन्होंने 2011 फीफा वर्ल्ड कप में मैटिल्डास की स्वीडन के खिलाफ 1-3 की हार के दौरान किया था। फुटबॉल में साल 2011 फीफा महिला विश्व कप में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रह है। , तब इस खिलाड़ी ने टीम को क्वार्टरफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। तब ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा पर टीम की ओर से एकमात्र गोल पेरी ने किया था। वहीं साल 2014 में पेरी ने ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल टीम से संन्यास ले लिया पर उनके खेल खिलाड़ी आज तक याद रखते हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि फीफा में उनके नॉकआउट गोल पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो से ज्यादा हैं। . उन्होंने वर्ल्ड कप (2006, 2010, 2014, 2018 और 2022) के नॉकआउट स्टेज में एक भी गोल नहीं किया है। वहीं पेरी ने ऑस्ट्रेलिया की टीम के लिए 2010, 2012, 2014, 2018, 2020, 2023 में टी20 विश्व कप खिताब जीता था।

एयरटेल का 36 करोड़ भारतीयों को बड़ा तोहफा, एडोबी एक्सप्रेस प्रीमियम अब निःशुल्क

4,000 रू. मूल्य का एआई-आधारित क्रिएटिव टूल एयरटेल ग्राहकों के लिए फ्री; डिजिटल साक्षरता और क्रिएटर इकॉनमी को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली/इंदौर ।

भारत की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल ने वैश्विक स्तर पर एक ऐतिहासिक पहल करते हुए अपने 36 करोड़ ग्राहकों को एडोबी एक्सप्रेस प्रीमियम का एक्सेस पूरी तरह निःशुल्क देने की घोषणा की है। लगभग 4,000 रुपये मूल्य वाला यह एआई-पावर्ड डिजाइनिंग टूल अब एक वर्ष के लिए एयरटेल के मोबाइल, वाईफाई और डीटीएच ग्राहकों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध होगा।

इस वैश्विक साझेदारी का उद्देश्य भारत की उभरती क्रिएटर इकॉनमी और लघु व्यवसायों को अत्याधुनिक एआई टूल्स से लैस करना है। भारती एयरटेल के सीईओ (कनेक्टेड होम्स) सिद्धार्थ शर्मा ने कहा, यह साझेदारी तकनीक से आगे बढ़कर लाखों भारतीयों को सशक्त बनाने की एक मुहिम है। चाहे छात्र हों, छोटे कारोबारी हों या कंटेंट क्रिएटर्स, हम हर भारतीय के लिए विश्वस्तरीय क्रिएटिव टूल्स को एक वास्तविकता बनाना चाहते हैं।

एडोबी एक्सप्रेस प्रीमियम की विशेषताएं

एआई-आधारित टूल्स : बैकग्राउंड हटाना, कस्टम इमेज जनरेशन और वन-टैप वीडियो एडिटिंग।

विशाल लाइब्रेरी : हजारों प्रोफेशनल टेम्पलेट्स, 30,000+ फॉन्ट्स और प्रीमियम एडोबी स्टॉक एसेट्स।

स्थानीयकरण : यह टूल हिंदी, अंग्रेजी, तमिल और बंगाली सहित कई भाषाओं में उपलब्ध है।

क्लाउड स्टोरेज : यूजर्स को 100 जीबी क्लाउड स्टोरेज और वॉटरमार्क-मुक्त कंटेंट की सुविधा मिलेगी।

कैसे उठाएं लाभ?

एयरटेल ग्राहक एयरटेल थैंक्स एप के जरिए इस सुविधा को सक्रिय कर सकते हैं। विशेष बात यह है कि इसके लिए किसी क्रेडिट कार्ड की आवश्यकता नहीं होगी। यह टूल छात्रों के लिए प्रभावी पोर्टफोलियो बनाने, छोटे उद्यमियों के लिए मार्केटिंग पोस्टर और इन्फ्लूएंसर्स के लिए वायरल कंटेंट तैयार करने में गेम-चेंजर साबित होगा। एडोबी डिजिटल मीडिया के प्रेसिडेंट डेविड वाधवानी ने इस पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह साझेदारी भारत की जीवंत क्रिएटर इकॉनमी के विकास को नई गति प्रदान करेगी।

बड़े नोट की परेशानी खत्म! एटीएम से अब छोटे नोट भी मिलेंगे

नई दिल्ली ।

छोटे नोटों की कमी आम लोगों और दुकानदारों के लिए रोजमर्रा की समस्या है। खासकर दिहाड़ी मजदूर, छोटे दुकानदार और ऑटो चालक 10 और 20 रुपए के नोटों पर ही अपना काम चलते हैं। सरकार ने इस समस्या का समाधान करने के लिए हाइब्रिड एटीएम की योजना बनाई है। ये एटीएम न सिर्फ कैश निकालने की सुविधा देंगे, बल्कि बड़े नोटों को छोटे नोटों में बदलने का विकल्प भी देंगे। शुरुआत मुंबई से की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इन्हें बाजार, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अस्पताल और सरकारी दफ्तर जैसी जगहों पर लगाया जा रहा है, जहां कैश का इस्तेमाल ज्यादा होता है।

भारतीय रिजर्व बैंक छोटे नोटों की छपाई बढ़ाने पर विचार कर रहा है, ताकि एटीएम में नोटों की कमी न हो। सरकार का मकसद कैश को खत्म करना नहीं है, बल्कि इसे लोगों तक आसानी से उपलब्ध कराना है। हालांकि डिजिटल पेमेंट तेजी से बढ़ रहा है, पर कई लोग अभी भी कैश पर निर्भर हैं। बैंक इस एटीएम की लागत और सुरक्षा संभाल पाएंगे या नहीं, यह एक चुनौती है। इसके बावजूद हाइब्रिड एटीएम रोजमर्रा की खरीदारी में छोटे नोटों की समस्या को काफी हद तक कम कर सकते हैं और आम लोगों के लिए राहत साबित होंगे।

रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार दोगुना, तकनीकी विशेषज्ञों की मांग बढ़ी

एयर और एरोस्पेस सिस्टम में सबसे ज्यादा नौकरियां

नई दिल्ली ।

पिछले तीन वर्षों में भारत के रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भर्तियों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। सीआईईएल एचआर के अध्ययन के अनुसार, 2022 में लगभग 3,500 लोगों को नियुक्त किया गया था, जबकि अब यह संख्या बढ़कर लगभग 7,000 हो गई है। अध्ययन में कहा गया है कि यह वृद्धि अल्पकालिक नहीं है, बल्कि सालाना आधार पर लगातार हो रही है, जो क्षेत्र में दीर्घकालिक आधुनिकीकरण और स्वदेशीकरण कार्यक्रमों की मजबूती को दर्शाती है। रक्षा क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की मांग में सबसे अधिक रडार सिस्टम, आरएफ इंजीनियरिंग और सुरक्षित संचार तकनीक के लिए है। विशेषज्ञों के वेतन में भी 2022 की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत वृद्धि हुई है। एयर और एरोस्पेस सिस्टम में सबसे ज्यादा नौकरियां निकल रही हैं, जो कुल मांग का एक तिहाई हैं। इसके बाद साइबर, सी4आईएसआर इलेक्ट्रॉनिक युद्धक सामग्री और अंतरिक्ष तकनीक का हिस्सा 26 प्रतिशत है। नौसेना और समुद्री प्रणाली से जुड़े पेशेवरों की मांग 19 प्रतिशत, लैंड सिस्टम 14 प्रतिशत और मानवरहित प्लेटफॉर्म 10 प्रतिशत है। रक्षा संगठन अपनी कुशलता बनाए रखने के लिए लगभग 20-25 प्रतिशत पदों पर आंतरिक कर्मचारियों को प्रमोट करते हैं। मिशन-क्रिटिकल टेक्निकल और प्रोग्राम लीडरशिप भूमिकाओं में लगभग आधे पद उत्तराधिकार योजना से भरे जाते हैं।

सीआईईएल एचआर के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि युद्ध में तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के कारण तकनीकी विशेषज्ञों की मांग तेजी से बढ़ी है। रडार, आरएफ और सुरक्षित संचार जैसी बुनियादी क्षमताओं के साथ एयरस्पेस क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र अब उच्च-कौशल और विश्वसनीय रोजगार का प्रमुख स्रोत बनता जा रहा है।

अनअकैडमी ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर फिर से ध्यान केंद्रित करेगी

- कंपनी देशभर में लगभग दो दर्जन ट्यूशन सेंटर बेचेगी

नई दिल्ली । अनअकैडमी के मुख्य कार्यकारी और सह-संस्थापक गौरव मुंजाल अब कंपनी के भौतिक ट्यूशन कारोबार से बाहर निकलने की तैयारी कर रहे हैं। कंपनी अपने मुख्य ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर फिर से ध्यान केंद्रित करेगी। भाषा सीखने वाली ऐप एयरलर्न को अलग करने की योजना को रोककर इसे अनअकैडमी के डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से जोड़ने का फैसला लिया गया है, ताकि सीखने का अनुभव एकीकृत रहे। अनअकैडमी देशभर में लगभग दो दर्जन ट्यूशन सेंटर बेचकर उन्हें पूरी तरह से फ्रैंचाइजी आधारित मॉडल में बदलने की योजना बना रही है। कंपनी ने इन केंद्रों को लगभग 80 करोड़ रुपये में बेचने के लिए आकाश, फिजिक्सवाला और वेदांतु जैसी एडटेक कंपनियों से बातचीत की, लेकिन अभी तक कोई निष्कर्ष नहीं निकला। पिछले तीन वर्षों में कंपनी का राजस्व 1,044 करोड़ रुपये से घटकर 820 करोड़ रुपये हो गया है। निवेशकों से कुल 88 करोड़ डॉलर जुटाए गए हैं। उद्योग के विशेषज्ञों के अनुसार, अनअकैडमी की मुश्किलें मुख्य रूप से क्रियान्वयन से जुड़ी हैं, न कि एडटेक उद्योग की व्यापक कमजोरी से।

यूएस फेड ने किया ऐलान, ब्याज दरों में नहीं होगा कोई बदलाव

ब्याज दर 3.5 से 3.75 फीसदी के दायरे में ही बनाए रखने का किया फैसला

नई दिल्ली ।

दुनिया के सबसे ताकतवर केंद्रीय बैंक, अमेरिका के फेडरल रिजर्व ने एक बार फिर बाज़ार की धड़कनें तेज कर दी हैं। चेयरमैन जेरोम पॉवेल की अगुवाई में हुई दो दिन की अहम बैठक के बाद यूएस फेड ने ऐलान किया कि ब्याज दरों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं होगा। फेड ने ब्याज दरों को 3.5 फीसदी से 3.75 फीसदी के दायरे में ही बनाए रखने का फैसला किया है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) ने साफ कहा कि यह फैसला सोच-समझकर लिया गया है। महंगाई की चाल, नौकरियों का हाल और पूरी अमेरिकी अर्थव्यवस्था की सेहत को देखने के बाद ही फेड ने दरें स्थिर रखने का फैसला किया। हालांकि, बाजार में पहले से ही यह उम्मीद थी कि इस बार फेड कोई बड़ा बदलाव नहीं करेगा, लेकिन ट्रंप प्रशासन की ओर से ब्याज दरें घटाने के दबाव की खबरों ने इस फैसले को और ज्यादा चर्चा में ला दिया। इससे पहले दिसंबर 2025 की बैठक में फेड ने बड़ा कदम उठाया था।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 से 7.2 फीसदी के बीच रहने का अनुमान

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद आर्थिक सुधारों का प्रभाव सकारात्मक

नई दिल्ली ।

भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) की वृद्धि दर अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.8 फीसदी से 7.2 फीसदी के बीच रहने का अनुमान है। यह चालू वित्त वर्ष के अनुमानित 7.4 फीसदी से थोड़ी कम है। संसद में बृहस्पतिवार को पेश आर्थिक समीक्षा में यह जानकारी दी गई। समीक्षा में कहा गया है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश के आर्थिक दृष्टिकोण में मजबूती बनी हुई है। हालांकि, सरकार ने सावधानी बरतने की सलाह दी, लेकिन निराशावादी होने की आवश्यकता नहीं है। आर्थिक वृद्धि का अनुमान पिछले कुछ वर्षों में किए गए नीतिगत सुधारों के प्रभाव के आधार पर लगाया गया है, जिससे देश की मध्यम अवधि की वृद्धि क्षमता लगभग 7 फीसदी के आसपास पहुंच चुकी है। आर्थिक समीक्षा में यह भी बताया गया कि घरेलू कारकों और वृहद आर्थिक स्थिरता के कारण, वृद्धि से जुड़े जोखिमों में संतुलन बना हुआ है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 8 पैसे की बढ़त के साथ ही 91.91 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 92.00 पर पहुंच गया। डॉलर की स्थिर मांग और वैश्विक स्तर पर सतर्कता के माहौल से घरेलू मुद्रा दबाव में रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि बढ़ती भूराजनीतिक अनिश्चितता ने जोखिम से बचने की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया जिससे उभरते बाजारों की मुद्राओं पर दबाव बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.95 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद महीने के अंत में डॉलर की बढ़ती मांग के बीच डॉलर के मुकाबले 92 तक फिसल गया। रुपया बुधवार को 31 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 91.99 पर पहुंच गया था। इससे पहले रुपया 23 जनवरी को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 92 पर पहुंचा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ 96.16 पर रहा।

हिंदुस्तान कॉपर का शेयर 52 हफ्तों के नये उच्चतम स्तर पर

- पिछले छह महीनों में शेयर 180 फीसदी से अधिक चढ़ चुका

मुंबई । हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के शेयरों में गुरुवार को जोरदार तेजी देखने को मिली और यह 52 हफ्तों के नए उच्चतम स्तर 758.25 रुपए पर पहुंच गया। पिछले चार कारोबारी सत्रों में शेयर लगभग 40 फीसदी उछल चुका है, जबकि पिछले 30 दिनों में इसमें 50 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। लंबे समय की दृष्टि से देखें तो पिछले छह महीनों में शेयर 180 फीसदी से अधिक चढ़ चुका है। 22 जनवरी को शेयर 531.80 रुपए पर बंद हुआ था। उसके बाद लगातार मजबूती रही। मंगलवार को शेयर में 5 फीसदी, बुधवार को 12.5 फीसदी और गुरुवार को 19.84 फीसदी की तेजी आई। विशेषज्ञों के अनुसार इस तेजी के पीछे वैश्विक तांबे की कीमतों में उछाल एक बड़ा कारण है। एमसीएक्स पर जनवरी डिलीवरी वाले तांबे के भाव 1,350 रुपए प्रति किलोग्राम से अधिक पहुंच गए। डॉलर में कमजोरी, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार में अनिश्चितताओं के कारण निवेशक रियल एसेट्स जैसे सोना, चांदी और तांबे की ओर रुख कर रहे हैं। तांबे की औद्योगिक मांग मजबूत है, खासकर रिन्यूएबल एनर्जी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग के चलते। सप्लाई की कमी और वैश्विक मांग का दबदबा कीमतों को सहारा दे रहा है। हिंदुस्तान कॉपर ने मध्य प्रदेश में नए तांबे के ब्लॉक के लिए प्रेफर्ड बिडर बनने की घोषणा की, जिससे भविष्य में उत्पादन और ग्रोथ की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि तांबे के फ्यूचर्स में तेजी और कंपनी की सकारात्मक खबरें शेयर को मजबूत बनाए हुए हैं। निवेशकों का रुझान तेजी की ओर बना हुआ है, जिससे हिंदुस्तान कॉपर का शेयर फिलहाल निवेशकों के लिए आकर्षक बना हुआ है।

पेंशन कराधान में सुधार की मांग; फिक्स्ड-इंटरेस्ट साधनों के समकक्ष हो टैक्स व्यवस्था : वेंकी अय्यर

रिटायरमेंट आय बढ़ाने के लिए प्रॉफ़िट-बेस्ड टैक्स और स्टैंडर्ड डिडक्शन का प्रस्ताव

मुंबई/इंदौर । लाइफ इंश्योरेंस काउंसिल की इंश्योरेंस अवेयरनेस कमेटी (आईएसी) के को-चेयरपर्सन वेंकी अय्यर ने पेंशनधारकों को बड़ी राहत देने की वकालत करते हुए मौजूदा कर व्यवस्था में बदलाव की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पेंशन भोगियों पर टैक्स का बोझ तुलनात्मक रूप से अधिक है, जिसे अन्य फिक्स्ड-इंटरेस्ट (निश्चित ब्याज) वाले निवेश साधनों के अनुरूप बनाना आवश्यक है। वेंकी अय्यर के अनुसार, पेंशन पर टैक्स की व्यवस्था को मुनाफे आधारित बनाया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कराधान केवल अर्जित ब्याज या मुनाफे पर ही लागू होना चाहिए, न कि पेंशन की पूरी राशि पर। इस बदलाव से रिटायरमेंट के बाद वरिष्ठ नागरिकों के पास उपलब्ध होने वाली शुद्ध आय में वृद्धि होगी, जिससे उन्हें महंगाई के दौर में बेहतर जीवन स्तर बनाए रखने में मदद मिलेगी। काउंसिल ने एक महत्वपूर्ण तकनीकी विसंगति की ओर इशारा करते हुए सुझाव दिया कि जो पेंशनधारक अपनी संचित राशि को कम्यूट (एकमुश्त निकासी) नहीं करते हैं, उन्हें अनिवार्य रूप से स्टैंडर्ड डिडक्शन की सुविधा दी जानी चाहिए। अय्यर ने तर्क दिया कि यह कदम सभी श्रेणी के पेंशनधारकों के बीच कर समानता सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य है। अय्यर का मानना है कि यदि केंद्र सरकार इन सुझावों को आगामी नीतियों में शामिल करती है, तो इससे न केवल पेंशनधारकों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी, बल्कि देश में जीवन बीमा के माध्यम से की जाने वाली लंबी अवधि की बचत को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने इसे भारत के सामाजिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक मील का पत्थर करार दिया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 222, निफ्टी 76 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। आज आर्थिक सर्वेक्षण में अर्थव्यवस्था की विकास दर को लेकर जारी किए गए सकारात्मक अनुमानों से भी बाजार धारण मजबूत हुई जिससे भी बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 221.69 अंक बढ़कर 82,566.37 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 76.15 अंक बढ़कर 25,418.90 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान धातु और उर्जा शेयरों में तेजी से भी बाजार उछला है । निफ्टी धातु , निफ्टी उर्जा, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी पीएसई और निफ्टी ऑयलएंडगैस के शेयरों में तेजी रही। की बढ़त के साथ बंद हुआ।

वहीं निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.21 , निफ्टी हेल्थकेयर , निफ्टी एफएमसीजी 0.91, निफ्टी फार्मा 0.81 , निफ्टी पीएसयू बैंक 0.79 , निफ्टी आईटी और निफ्टी ऑटो के शेयरों में गिरावट रही। आज लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मजबूती रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 102.40 अंक या 0.18 फीसदी की तेजी के साथ 58,541 पर और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 34.05 अंक की बढ़त के साथ 16,825 अंक पर बंद हुआ।सेंसेक्स के शेयरों में , एलएंडटी, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक , एसबीआई के शेयरों को लाभ हुआ जबकि इंडिगो, मारुति सुजुकी, बीईएल, एमएंडएम, टीसीएस, सन फार्मा, एचयूएल, ट्रेंट, टाइटन, आईटीसी के शेयरों में गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स लगभग सपाट शुरुआत करते हुए 82,368 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 254 अंक की गिरावट के साथ 82,090.12 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं, निफ्टी-50 25,345 अंक पर खुलने के बाद 25,300 के स्तर से नीचे आ गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने चेयरमैन जेरोम पॉवेल के ब्याज दरों को 3.5 से 3.75 फीसदी के दायरे में बनाये रखने और भविष्य में दरों में कटौती को लेकर कोई स्पष्ट संकेत न मिलने से एशियाई बाजारों में कमजोरी आई। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.46 फीसदी गिरा, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.58 फीसदी कमजोर रहा और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.8 फीसदी फिसल गया। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को लगभग सपाट बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 6,978.03 पर लगभग स्थिर रहा, नैस्डैक कंपोजिट 0.17 फीसदी चढ़कर 23,857.45 पर बंद हुआ, जबकि डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज भी 49,015.60 के स्तर पर बिना खास बदलाव के बंद हुआ।

पेज एक का शेष

बाबा ग्रुप और चावल होलसेल के ....

टीम ने मिल के संचालन, लेन-देन और वित्तीय रिकॉर्ड की जांच शुरू कर दी है। आयकर विभाग की टीम सभी कैश ट्रांजेक्शन, बिल और अन्य वित्तीय दस्तावेजों को खंगाल रही है। इसके तहत चालू लेन-देन, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड और अन्य जरूरी कागजातों की भी पड़ताल की जा रही हैं। छापेमारी से चावल बाजार में हड़कंप मचा हुआ है। संबंधित व्यापारियों के चार्टर्ड अकाउंटेंट और अकाउंटस से जुड़े कुछ लोग फरार हो गए हैं। उन सभी की तलाश जारी है। समाचार लिखे जाने तक बाबा और चावल होलसेल से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी जारी है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026 में आयकर विभाग की ओर से की जाने वाली यह पहली छापेमारी है। यह कार्रवाई व्यापारियों की ओर से अपनी वास्तविक आमदनी छिपाकर टैक्स चोरी करने के मामले में की जा रही है।

बजट सत्र विकसित भारत के ...

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति के अभिभाषण का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्रपति का उद्बोधन 140 करोड़ देशवासियों के आत्मविश्वास और पुरुषार्थ की सशक्त अभिव्यक्ति था। उन्होंने कहा कि यह संबोधन विशेष रूप से देश के युवाओं की आकांक्षाओं को बहुत सटीक तरीके से रेखांकित करता है। साथ ही, राष्ट्रपति द्वारा सांसदों के लिए रखे गए मार्गदर्शक विचारों को सभी जनप्रतिनिधियों ने गंभीरता से लिया होगा, ऐसा उन्हें पूरा विश्वास है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का पहला चौथाई हिस्सा पूरा हो चुका है और अब दूसरे क्वार्टर की शुरूआत हो रही है। यह वह 25 वर्षों का निर्णायक कालखंड है, जिसमें 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि यह बजट इस सदी के दूसरे क्वार्टर का पहला बजट है और इसलिए इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि यह नया कालखंड बहुत ही सकारात्मक माहौल में शुरू हुआ है। एक आत्मविश्वासी भारत आज दुनिया के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरा है और वैश्विक आकर्षण का केंद्र बन गया है। उन्होंने भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को इस सकारात्मक शुरूआत का बड़ा उदाहरण बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 27 देशों के साथ हुआ यह समझौता भारत के युवाओं, किसानों, मैन्युफैक्चरर्स और सर्विस सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए नए अवसर खोलेगा। उन्होंने इसे एक आत्मविश्वासी, प्रतिस्पर्धी और प्रोडक्टिव भारत की दिशा में बड़ा कदम बताया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि निर्मला सीतारमण देश की पहली महिला वित्तमंत्री हैं, जो लगातार नौवीं बार संसद में बजट प्रस्तुत करने जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने इसे भारत के संसदीय इतिहास में गर्व का क्षण बताया।

कमजोर विदेशी पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों के दबाव से धराशायी हुआ रुपया

डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड 92 के निचले स्तर पर पहुंचा रूपया

नई दिल्ली।

बजट से पहले भारत के रुपये में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया रिकॉर्ड लगभग 92 रुपये (91.98) के निचले स्तर पर पहुंच गया है। इसने अपने पिछले सबसे निचले स्तर 91.9650 को भी पीछे छोड़ दिया। गुरुवार को भारत का रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी प्रवाह में लगातार कमजोरी और आगे गिरावट से बचने के लिए हेजिंग की होड़ ने मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था से मिलने वाले संकेतों पर पानी फेर दिया।

फॉरेक्स ट्रेडर्स ने कहा कि कमजोर घरेलू बाजारों और लगातार विदेशी फंड के बाहर जाने के कारण भारतीय रुपया शुरुआती बढ़त गंवा बैठा और इंट्राडे ट्रेड में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.99 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में उछाल का भी रुपये पर दबाव पड़ा। गोल्डमैन सैक्स के एनालिस्ट्स ने एक नोट में कहा है कि हमें उम्मीद है कि भारतीय एक्सपोर्ट पर मौजूदा ऊंचे अमेरिकी टैरिफ आखिरकार कम हो जाएंगे, लेकिन इस बीच हो रही देरी भारत के बाहरी बैलेंस पर दबाव डाल रही है। फर्म को उम्मीद है कि अगले 12 महीनों में रुपया गिरकर 94 प्रति डॉलर तक जाएगा।

इस साल अब तक 2 प्रतिशत की गिरावट

इस साल अब तक करेंसी में 2 प्रतिशत की गिरावट आई है और अगस्त में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट पर भारी टैरिफ लगाने के बाद से इसमें लगभग 5 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह तब हुआ है जब आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 30 सितंबर को खत्म हुई तिमाही में भारत की जीडीपी 8.2 प्रतिशत बढ़ी है। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज में, रुपया 91.45 पर खुला और फिर ग्रीनबैक के मुकाबले 91.41 के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया। यह दिन के लिए 91.88 (अस्थायी) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद होने से पहले 92.00 के अब तक के सबसे निचले इंट्राडे स्तर पर पहुंचा, जो पिछले बंद स्तर से 30 पैसे कम है।

भारत के वाहन निर्यात में तेजी, इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में उछाल

वित्त वर्ष 2024-25 में 53 लाख से अधिक वाहनों का निर्यात हुआ

नई दिल्ली । भारत के वाहन उद्योग ने वैश्विक बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। वित्त वर्ष 2024-25 में यात्री वाहन, वाणिज्यिक वाहन, दोपहिया और तिपहिया मिलाकर 53 लाख से अधिक वाहनों का निर्यात हुआ। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में भी वाहन निर्यात में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई। कोविड-19 महामारी के बाद घरेलू और वैश्विक मांग में सुधार के चलते उत्पादन और बिक्री दोनों में तेजी आई है। पिछले एक दशक में यानी वित्त वर्ष 2014-15 से 2024-25 के दौरान, वाहन उद्योग में लगभग 33 प्रतिशत उत्पादन वृद्धि हुई है। यह उद्योग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 3 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है और भारत के कुल जीएसटी संग्रह में लगभग 15 प्रतिशत योगदान रखता है। भारत दोपहिया और तिपहिया वाहनों का दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है। वहीं यात्री और वाणिज्यिक वाहनों में यह वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन चुका है। सरकारी पहलों जैसे पीएलआई योजना, पीएम ई-ड्राइव, पीएम ई-बस-पीएसएम और एसएमईसी योजना ने इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि की है। इसके अलावा एसीसी बैटरी भंडारण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम भी इस क्षेत्र के विकास में सहायक रहा है।

69वीं राष्ट्रीय स्कूली हॉकी प्रतियोगिता में झारखंड की दोनों बालक-बालिका टीम प्री क्वार्टर फाइनल राउंड में

बिभा संवाददाता

रांची : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची की मेजबानी में 27 से 31 जनवरी तक आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली हॉकी प्रतियोगिता के अंडर-17 बालक और बालिका वर्ग के तीसरे दिन हुवे लीग मैच मुकाबले रोमांचक रहे। कई राज्यों की टीमें प्री-क्वार्टर फाइनल राउंड में प्रवेश करने में सफल रही, जिससे प्रतियोगिता का रोमांच चरम पर पहुंच गया है। मुकाबले मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम मोराबादी, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बरियातू, रेलवे स्टेशन एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम तथा खूंटी में आयोजित किए गए।

प्रतियोगिता में देशभर के 63 बालक एवं बालिका हॉकी टीम भाग ले रहे हैं । खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन, कुशल रणनीति और कड़ी मेहनत का परिचय दे रहे हैं , जबकि उनके साथ आए कोच खिलाड़ियों का उत्साह और मनोबल बढ़ाते नजर आए।

तीसरे दिन के लीग मैचों में मेजबान झारखंड की दोनों टीमों ने अपनी जीत की लय बरकरार रखी। बालक वर्ग में झारखंड ने राजस्थान को 6-0 से पराजित किया, जबकि

बालिका वर्ग में झारखंड ने केवीएस को 6-0 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश सुनिश्चित किया।

प्रतियोगिता के तीसरे दिन बालक बालक वर्ग में उत्तराखंड ने जम्मू-कश्मीर को 3-2 से हराया। मध्य प्रदेश ने पश्चिम बंगाल को 7-0 से मात दी, जबकि कर्नाटक ने छत्तीसगढ़ को 3-2 से पराजित किया। चंडीगढ़ ने सीआईएससीई को 8-0 से हराया, दिल्ली ने महाराष्ट्र को 5-1 से मात दी और आंध्र प्रदेश ने बिहार को 1-0 से पराजित किया। तेलंगाना ने दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव को 3-0 से हराया, जबकि तमिलनाडु को केरल ने 2-1 से मात दी। ओडिशा ने पंजाब को 2-1 से पराजित किया और हरियाणा ने केवीएस को 5-2 से हराया। उत्तर प्रदेश ने सीबीएसई वेलफेयर को 3-0 से मात दी, झारखंड ने राजस्थान को 6-0 से पराजित किया। पुडुचेरी ने हिमाचल प्रदेश को 2-0 से, मणिपुर ने त्रिपुरा को 11-0 से और विद्या भारती ने सीबीएसई को 6-1 से हराया। आईपीएससी को गुजरात ने 1-0 से मात देकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

वही बालिका वर्ग में आंध्र प्रदेश ने उत्तराखंड को 3-0 से, उत्तर प्रदेश ने गुजरात को 3-1 से और ओडिशा ने दिल्ली को 9-0 से हराया। सीआईएससीई को केरल ने 8-0 से मात दी, जबकि कर्नाटक को चंडीगढ़ ने 1-0 से पराजित किया। पुडुचेरी को छत्तीसगढ़ ने 6-0 से हराया और विद्या भारती ने जम्मू-कश्मीर को 6-0 से मात दी। झारखंड ने केवीएस को 8-0 से हराया और आंध्र प्रदेश ने त्रिपुरा को 7-0 से पराजित किया। मणिपुर ने सीबीएसई को 7-0 से, हरियाणा ने राजस्थान को 6-0 से और हिमाचल प्रदेश ने पश्चिम बंगाल को 7-0 से हराया। पंजाब ने आईपीएससी को 25-0 से पराजित किया, तमिलनाडु ने तेलंगाना को 11-0 से हराया। महाराष्ट्र को मिजोरम ने 7-0 से मात दी, दादरा एवं नगर हवेली ने मध्य प्रदेश को 1-0 से हराया, जबकि उत्तराखंड को बिहार ने 2-0 से पराजित कर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

तीसरे दिन के ये मुकाबले खिलाड़ियों की शानदार खेलकौशल, टीम वर्क और कोचों के मार्गदर्शन को दशार्ते हैं। वही झारखंड की बालक और बालिका टीमों ने भी जीत के साथ अपनी मजबूती साबित की और प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

संक्षिप्त खबरें

दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा पश्चिम बंगाल में छह नई रेलवे लाइनों के निर्माण कार्य की शुरूआत

कोलकाता : रेलवे बोर्ड द्वारा स्वीकृत पश्चिम बंगाल में छह नई रेलवे लाइनों के निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे। इन नई रेलवे लाइन परियोजनाओं का निष्पादन दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा किया जाएगा, जिससे संपर्क सुविधा में सुधार होगा, क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय निवासियों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। कॉंथि-एगरा नई रेल लाइन 26.2 किलोमीटर लंबी यह नई रेल लाइन परियोजना पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले को कवर करेगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 247.28 करोड़ है। यह इस क्षेत्र में एक नई रेल संपर्क सुविधा प्रदान करेगी। नंदकुमार-बलाईपांडा नई रेल लाइन 28 किलोमीटर लंबी यह नई रेल लाइन परियोजना पूर्व मेदिनीपुर जिले को कवर करेगी। इस लाइन के निर्माण पर अनुमानित 275.14 करोड़ की लागत आएगी। इससे क्षेत्र को नई रेल कनेक्टिविटी प्राप्त होगी। नंदीग्राम-कंदियामारी (नयाचार) नई रेल लाइन 7 किलोमीटर लंबी यह नई रेल लाइन परियोजना पूर्व मेदिनीपुर जिले में स्थित होगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 75.62 करोड़ है। यह भी क्षेत्र में नई रेल सुविधा उपलब्ध कराएगी। बोवाइचण्डी-आरामबाग नई रेल लाइन 31 किलोमीटर लंबी यह नई रेल लाइन परियोजना पूर्व बर्द्धमान एवं हुगली जिलों को कवर करेगी। इसकी अनुमानित लागत ?267.37 करोड़ है। इस लाइन के निर्माण से बोवाइचांदी और आरामबाग के बीच रेल दूरी लगभग 90 किलोमीटर कम हो जाएगी। बोवाइचण्डी-खाना नई रेल लाइन 24.4 किलोमीटर लंबी यह परियोजना पूर्व बर्द्धमान जिले को कवर करेगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 38.92 करोड़ है। इस नई लाइन के निर्माण से बोवाइचांदी और खाना के बीच रेल दूरी लगभग 64 किलोमीटर कम हो जाएगी। बांकुड़ा (कलावती) पुरुलिया वाया हुरा नई रेल लाइन 65 किलोमीटर लंबी यह नई रेल लाइन परियोजना बांकुड़ा एवं पुरुलिया जिलों को कवर करेगी। इसकी अनुमानित लागत 294.89 करोड़ है। इन नई रेलवे लाइनों से उन स्थानीय निवासियों को विशेष लाभ मिलेगा, जो अब तक रेल संपर्क से वंचित थे। नई रेल लाइनों से व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय लोगों के लिए नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके अतिरिक्त, इस नए परिवहन माध्यम से चिकित्सा एवं शैक्षिक सुविधाओं तक पहुँच भी बेहतर होगी।

बैकुंठ-उरकुरा के बीच 426 करोड़ की लागत से चौथी रेल लाइन को मंजूरी

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत बैकुंठ से उरकुरा के बीच चौथी रेलवे लाइन के निर्माण को स्वीकृति प्रदान कर दी है। 26.40 किलोमीटर लंबी इस रेल परियोजना पर लगभग 426.01 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह रेलखंड मुंबईझहावड़ा उच्च घनत्व मार्ग का हिस्सा है, जिसे देश के सबसे व्यस्त रेल कॉरिडोरों में गिना जाता है। रेल मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि बैकुंठ-उरकुरा सेक्शन बिलासपुरझरायपुरझनागपुर मुख्य लाइन का अहम हिस्सा है, जहां मौजूदा समय में रेल यातायात पूरी क्षमता पर संचालित हो रहा है। ऐसे में चौथी लाइन के निर्माण से इस खंड पर दबाव कम होगा और ट्रेनों का संचालन अधिक सुचारु बन सकेगा। नई रेल लाइन से यात्री और कोचिंग ट्रेनों के लिए अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होगी, जिससे देरी में कमी आएगी और समयपालनता में उल्लेखनीय सुधार होगा। इसके साथ ही मालगाड़ियों की आवाजाही भी अधिक भरोसेमंद और तेज हो सकेगी। रेल मंत्रालय के अनुसार इस परियोजना से प्रतिवर्ष लगभग 14.25 मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई क्षमता सृजित होगी, जिससे भारतीय रेल को पहले ही वर्ष से लगभग 61.70 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वार्षिक आय होने का अनुमान है। क्षेत्र में बिजली संयंत्रों, कोयला खदानों, इस्पात एवं सीमेंट उद्योगों के तेजी से विस्तार को देखते हुए यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। नई लाइन से कोयला, स्टील, सीमेंट और अन्य आवश्यक वस्तुओं के परिवहन को गति मिलेगी, जिससे औद्योगिक विकास और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी। यह परियोजना एनर्जी, सीमेंट एवं मिनरल कॉरिडोर के अंतर्गत चिन्हित की गई है, जो आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में रेलवे अवसंरचना को सशक्त बनाने की दिशा में भारतीय रेल का एक और बड़ा कदम है। परियोजना के पूरा होने के बाद यात्रियों को तेज, सुरक्षित और विश्वसनीय यात्रा सुविधा मिलेगी, वहीं माल परिवहन क्षमता में वृद्धि से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

भागलपुर के पीरपैंती में 2400 मेगावाट के अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट होगा स्थापित

बिभा संवाददाता

पीरपैंती (भागलपुर)। अदाणी समूह के तत्वावधान में पीरपैंती प्रखंड में प्रस्तावित 2400 मेगावाट अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट के निर्माण को लेकर गुरुवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में पर्यावरणीय जन सुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न पंचायतों से आए जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने हाथ उठाकर परियोजना के समर्थन में अपनी सहमति प्रदान की।

यह जन सुनवाई बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, सामाजिक प्रतिनिधि और पंचायत प्रतिनिधि शामिल हुए। ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि पावर प्लांट की स्थापना से क्षेत्र में चहुंमुखी विकास होगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित

होंगे।

वक्ताओं ने कहा कि इस परियोजना के शुरू होने से पीरपैंती रोजगार का पावर हाउस बनेगा और युवाओं को काम की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन नहीं करना पड़ेगा। साथ ही, यह परियोजना न केवल पीरपैंती बल्कि पूरे बिहार की औद्योगिक और आर्थिक विकास यात्रा को गति देगी।

जन सुनवाई की अध्यक्षता भागलपुर के अपर जिला अधिकारी (विधि-व्यवस्था) राकेश रंजन एवं बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्राधिकारी शंभुनाथ झा ने की। इस अवसर पर अदाणी समूह के वरीय पर्यावरण पदाधिकारी आर. एन. शुक्ला ने पावर प्लांट की स्थापना से जुड़ी तकनीकी जानकारी साझा की और पर्यावरण संरक्षण को लेकर किए जाने वाले उपायों की विस्तृत जानकारी दी।

जन सुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने पर्यावरण सुरक्षा, स्थानीय रोजगार और विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की अपेक्षा जताई, जिस पर परियोजना प्रबंधन की ओर से सकारात्मक आश्वासन दिया गया।

मुख्य वक्ताओं में प्रमुख रश्मि कुमारी, मुखिया मानिकपुर अरविन्द साह, पूर्व विधायक रामविलास पासवान, समाजसेवी मुन्ना सिंह, मुखिया संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष अमरेन्द्र कुमार झुम्पा, संजीवनी गंगा एनजीओ के संस्थापक मो. अयाज, जमीनदाता सुशील सिंह, हरिणकोल सरपंच बरुण गोस्वामी, मुखिया पीरपैंती गुलफसां परवीन, ग्रामीण बबली कुमारी, सपना कुमारी आदि गणमान्य लोगों ने जनसुनवाई में अपना पक्ष रखा।

कार्यक्रम में विधि व्यवस्था के लिए एसडीएम कहलगांव के सी गुप्ता(भाप्रसे) अपर पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार, अंचलाधिकारी चन्द्रशेखर कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिमन्यु कुमार, एसएचओ नीरज कुमार, आदि पदाधिकारी तथा अदाणी पावर के अधिकारीगण भी मौजूद थे।

बाबुलाल अपने मन-मस्तिष्क का दबाव कम करें, कृष का गाना सूनें: राकेश सिन्हा

बिभा संवाददाता

रांची: विपक्ष के नेता बाबुलाल मरांडी के जनता के नाम संदेश पर पलटवार करते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि अपने शासनकाल में जो बीज बाबुलाल जी ने रोपने का काम किया और भाजपा में अन्य मुख्यमंत्री ने उसे संरक्षित कर वट वृक्ष का रूप दे दिया यह उसी का परिणाम है कि 17 साल राज्य बबार्दी के कगार पर पहुंच गया था। सिन्हा ने तंज कसते हुए कहा कि बाबुलाल जी जब आप एक अपराधी के एनकॉन्टर पर सड़क प र उतर जाते हैं तो आप ही बतायों कि राज्य के व्यवसायी क्या सुरक्षित महसूस कर पायेंगे। उन्होंने कहा कि आपके शासनकाल में स्वास्थ्य व्यवस्था यह थी कि राज्य के बच्चे राज्य के बड़े अस्पतालों में ऑक्सीजन के अभाव में दम तोड़ दिया। इसी राज्य में एक बच्ची संतोषी भात -भात कहते मौत के गाल में समा गई आपके

शासनकाल में दो हजार स्कूल बंद हो गये तो बतायों आप उस वक्त आदिवासी बच्चे की पढ़ने की चिंता क्यों नहीं सताई । गठबंधन की सरकार में तो आदिवासी बच्चे सरकारी मदद से शिक्षा के लिए विदेश जा रहे हैं और अगर इस राज्य में अवैध घुसपैठियों से आपको जमीन छीनने का खतरा मंडरा रही है तो अवैध घूसपैठियें को घुसाने वाले आपके ही गृह मंत्री हैं। इसका यह मतबल गृहमंत्री नकाबील है, उनसे इस्तीफा मांगे।

नई दिल्ली-कटरा के बीच दो वंदे भारत एक्सप्रेस अप्रैल में फिर से शुरू होंगी

जम्मू। नई दिल्ली और श्री माता वैष्णो देवी (एसएमवीडी) कटरा के बीच चलने वाली दो वंदे भारत एक्सप्रेस सहित चार लंबी दूरी की ट्रेनें अप्रैल में फिर से शुरू होंगी। उत्तरी रेलवे के जम्मू डिवीजन ने गुरुवार को बताया कि 20 ट्रेनों का रद्दीकरण दो से तीन महीने के लिए और बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा जम्मू डिवीजन की 14 ट्रेनें परिचालन कारणों से कम समाप्ति या कम आरंभिक समय के साथ चलती रहेंगी। बयान में कहा गया है कि 2 अप्रैल से नई दिल्ली और एसएमवीडी कटरा के बीच दोनों दिशाओं में चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन फिर शुरू होंगी। इसी तरह राजस्थान के भगत की कोठी रेलवे स्टेशन और जम्मू तवी रेलवे स्टेशन के बीच चलने वाली सेवा 1 अप्रैल से फिर से शुरू होगी और वापसी सेवा अगले दिन से शुरू होगी। स्थगित की गई ट्रेनों में गरीब रथ, दुरंतो, हमसफर, जन्मभूमि एक्सप्रेस और चुनिंदा वंदे भारत, मेल और सुपरफास्ट ट्रेनें हैं। बयान में कहा गया है कि इन सेवाओं की संशोधित तिथियां मई के अंत से जून की शुरूआत तक हैं। रेलवे ने जम्मू मेल, दुर्ग-एमसीटीएम एक्सप्रेस, कोटा-एमसीटीएम साप्ताहिक एक्सप्रेस और अहमदाबाद-एसएमवीडी कटरा सहित कई ट्रेनों के लिए प्रारंभिक और अंतिम गंतव्य के बीच की अवधि बढ़ा दी है। बयान में आगे कहा गया है कि यात्रियों को यात्रा से पहले भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से अपनी ट्रेनों की नवीनतम स्थिति की जांच करने की सलाह दी गई है। पिछले साल अगस्त में भारी बारिश के कारण कई पटरियों और पुलों के क्षतिग्रस्त होने के बाद 50 से अधिक ट्रेनों को निलंबित कर दिया गया था या उनके गंतव्य से पहले ही समाप्त कर दिया गया था। हालांकि, निलंबित ट्रेनों में से अधिकांश को अब बहाल कर दिया गया है। मंडल अधिकारी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न खंडों की समय-समय पर समीक्षा कर रहे हैं और सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से बहाल किया जा रहा है।

प्रान्तिक - सिउड़ी नई रेल लाइन परियोजना को मिली नई जीवनधारा

कोलकाता: रेलवे बोर्ड ने चिनपई झ्र साइंथिया (31.61 कि.मी.) के बीच दोहरीकरण कार्य में संशोधन के रूप में प्रान्तिक - सिउड़ी नई रेल लाइन (33.98 कि.मी.) को स्वीकृति प्रदान की थी। किंतु प्रान्तिक- सिउड़ी के बीच इस नई रेल लाइन की परियोजना लंबित थी। वर्तमान केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। पश्चिम बंगाल के प्रत्येक कोने तक परिवहन नेटवर्क पहुँचाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार के प्रयासों के तहत, रेल मंत्रालय ने प्रांतिक-सिउरी नई लाइन परियोजना को शीघ्र क्रियान्वयन के लिए सक्रिय कर दिया है।

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले और आसपास के क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रान्तिक एवं सिउड़ी के बीच रेल संपर्क स्थापित करना रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस नई रेल लाइन परियोजना के पूर्ण होने से निम्नलिखित बहुआयामी लाभ प्राप्त होंगे । यह रेल लाइन प्रान्तिक (साहिबगंज लूप) को सिउड़ी (अंडालझ्र साइंथिया शाखा लाइन) से जोड़ते हुए एक रणनीतिक लूप का निर्माण करती है। सामाजिक-आर्थिक लाभः सिउड़ी, बीरभूम ज़िले का प्रशासनिक मुख्यालय है। बोलपुर/प्रांतिक सबसे बड़ा उप-मंडलीय नगर तथा एक प्रमुख शैक्षणिक केंद्र है। एक सीधा रेल संपर्क जिले की प्रशासनिक राजधानी और सांस्कृतिक केंद्र के बीच जनता के लिए सुगम आवागमन की सुविधा प्रदान करेगा।

यूनेस्को द्वारा सूचीबद्ध शांतिनिकेतन, बक्रेश्वर के गर्म जलस्रोत, तारापीठ तथा अन्य तीर्थ स्थलों के आसपास पर्यटन को बढ़ावा देना।

यह ज़िला मुख्यालय एवं पश्चिमी बीरभूम (राजनगर/दुबराजपुर क्षेत्रों) के छात्रों को विश्व-भारती विश्वविद्यालय (शांतिनिकेतन) तथा और सहायक शैक्षणिक संस्थानों से सीधे जोड़ता है, जिससे इन संस्थानों का प्रभाव क्षेत्र विस्तृत होगा।

ऑपरेशन अमानत के तहत रेलवे सुरक्षा बल आसनसोल मंडल ने सतर्क और चौकस कार्रवाई से छूटा हुआ सामान बरामद किया और वापस लौटाया

आसनसोल: उच्च स्तर की सतर्कता, चौकसी और पेशेवर दक्षता का प्रदर्शन करते हुए आसनसोल मंडल की रेलवे सुरक्षा बल टीम ने ऑपरेशन अमानत के तहत चलती ट्रेन से एक छूटा हुआ बैग सफलतापूर्वक बरामद किया और इसे सही मालिक को सुरक्षित रूप से वापस लौटाना सुनिश्चित किया। रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों द्वारा सतर्क निगरानी के दौरान लावारिस सामान तुरंत देखा गया जिसके उपरान्त तुरंत सुरक्षित किया गया और निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार सख्ती से संभाला गया,जिससे किसी भी दुरुपयोग को रोका गया और यात्रियों की संरक्षा सुनिश्चित की गई।

रेलवे सुरक्षा बल आसनसोल टीम द्वारा की गई सतर्क और सक्रिय कार्रवाई उनकी निरंतर निगरानी, त्वरित निर्णय लेने और अपने ड्यूटी के प्रति मजबूत भावना को दशार्ती है। बरामद सामान को उचित दस्तावेजीकरण के साथ रेलवे

सुरक्षा बल पोस्ट पर सुरक्षित रखा गया , जो यात्री संपत्ति की सुरक्षा के प्रति रेलवे सुरक्षा बल के अनुशासित और व्यवस्थित दृष्टिकोण को दशार्ता है।

भारतीय रेलवे के एकीकृत शिकायत निवारण और आपातकालीन सहायता मंच, रेल मदद के माध्यम से शिकायत मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल टीम ने तेजी से कार्रवाई की और शिकायत का पता लगाने और उसे बरामद सामान को वास्तविक यात्री को सुपुर्दगी के लिए प्रभावी ढंग से समन्वय किया। गहन सत्यापन और सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद छूटा हुआ सामान वास्तविक यात्री को सौंप दिया गया, जिससे समय पर राहत मिली और रेलवे सुरक्षा व्यवस्था में जनता का विश्वास मजबूत हुआ।

ऑपरेशन अमानत रेलवे सुरक्षा बल की एक समर्पित और जन-केंद्रित पहल है जिसका उद्देश्य रेलवे यात्रियों के खोए हुए या छूटे हुए सामान की सुरक्षित ढंग से प्राप्त करना और खोए हुए सामान की वास्तविक यात्री को वापस करना सुविधाजनक बनाना है। चौबीसों घंटे सतर्कता, चौकस तैनाती और त्वरित फॉलो-अप के माध्यम से, यह पहल यात्री सेवा और सुरक्षा के प्रति रेलवे सुरक्षा बल की प्रतिबद्धता का एक मजबूत प्रतीक बनकर उभरी है। भारतीय रेलवे यात्रियों को यात्रा के दौरान सतर्क रहने और सामान खोने या किसी भी आपात स्थिति में तुरंत 139 डायल करने या रेल मदद के माध्यम से शिकायत दर्ज करने की सलाह देता है, जिससे रेलवे कर्मचारियों द्वारा त्वरित प्रतिक्रिया और निर्बाध सहायता मिल सके।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत हॉकी मैच का आयोजन, उप विकास आयुक्त ने किया उद्घाटन, जागरूकता पर दिया जोर

बिभा संवाददाता

खूँटी। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माहझ्र2026 के अंतर्गत खूँटी जिला में सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वृहस्पतिवार को हॉकी मैच का आयोजन किया गया। मैच का उद्घाटन उप विकास आयुक्त द्वारा किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल भावना के साथ सुरक्षित जीवन का संदेश दिया गया।

मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि जिले में घटित हो रही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए आम नागरिकों

का जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन कर ही दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा सेल्फी अभियान एवं हस्ताक्षर अभियान का भी आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित पदाधिकारियों, खिलाड़ियों एवं आम लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सड़क सुरक्षा नियमों के पालन का संकल्प लिया।

हॉकी मैच में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार, टी-शर्ट एवं अन्य प्रोत्साहन सामग्री वितरित की गई, जिससे खिलाड़ियों में उत्साह देखा गया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, मोटरयान निरीक्षक, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा के लिए दौड़ कार्यक्रम का आयोजन आज

जिला प्रशासन के निर्देश पर आज 30 जनवरी 2026 को प्रातः 7:30 बजे जिला समाहरणालय परिसर से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माहझ्र2026 के अंतर्गत सड़क सुरक्षा के लिए दौड़ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों से अनुरोध किया गया है कि वे समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम में भाग लेना सुनिश्चित करें।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com